नई दिल्ली । शुक्रवार, 01 मई, 2026
बैशाख शुक्ल पक्ष पूर्णिमा, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष :12, अंक :115 / मूल्य 3.00 रुपए । पृष्ठ 12

दैनिक
नई दिल्ली संस्करण

विश्व केसरी

सिर्फ पत्रकारिता...
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwakesari_news
आर. एन. आई. संख्या डीईएलएच आईएन/2015/61415

@ खेल मार्टा कोत्स्युक ने करियर के दूसरे डब्ल्यूटीए 1000...
@ विचार आध्यात्मिक-पत्रकारिता की प्रेरक शताब्दी
@ व्यापार मध्य पूर्व में तनाव के बीच भारत की घरेलू मांग मजबूत

जबलपुर में क्रूज डूबा, 6 शव मिले

तूफान के चलते नर्मदा के बरगी डैम में हादसा

एजेंसी ■ जबलपुर

गुरुवार शाम जबलपुर के बरगी डैम में एक भीषण दुर्घटना घटी, जिसमें अचानक आए भीषण तूफान के कारण एक पर्यटक नाव पलट गई और 6 लोगों की जान चली गई। 15 यात्री अभी भी लापता हैं, जिनकी तलाश के लिए अभियान जारी है।

यह घटना नर्मदा नदी के विशाल बैकवाटर में स्थित लोकप्रिय पर्यटन स्थल खमरिया द्वीप के उस समय घटी, जब अचानक तेज हवाओं और तूफानी मौसम ने क्षेत्र को अपनी चपेट में ले लिया। पुलिस की प्रारंभिक रिपोर्टों और स्थानीय अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार, त्रासदी के समय नाव में 30 से अधिक यात्री सवार थे।

तूफान के तीव्र होने के कारण लहरों ने जोर पकड़ा और नाव का संतुलन बिगड़ गया। कुछ ही पलों में नाव हिचकोले खाते हुई पलट गई, जिससे दर्जनों पर्यटक डैम के गहरे पानी में डूब गए। सूचना मिलते ही बचाव कार्य शुरू कर दिया गया। बरगी पुलिस और राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) की एक विशेष टीम बेहद चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में खोज अभियान चलाने के लिए घटनास्थल पर पहुंची।

बरगी जोन के नगर पुलिस अधीक्षक अंजुल अयांक मिश्रा ने पुष्टि की है कि अब तक पानी से चार शव बरामद किए जा चुके हैं। आपातकालीन टीमों और स्थानीय गोताखोरों के त्वरित हस्तक्षेप से 19 लोगों को सफलतापूर्वक बचा लिया गया है, लेकिन बड़ी संख्या में यात्री अभी भी लापता हैं।

वर्तमान अनुमानों के अनुसार, लगभग 15 लोग अभी भी लापता हैं, हालांकि यात्रियों के विवरण का मिलान जीवित बचे लोगों के बयानों और उपलब्ध रिकॉर्ड से किया जा रहा है, जिसके चलते आधिकारिक आंकड़ों को लगातार अपडेट किया जा रहा है।

मध्य प्रदेश में बरगी डैम जल पर्यटन का एक प्रमुख केंद्र है, और शाम की नौका विहार इस क्षेत्र में आने वाले पर्यटकों के लिए एक मुख्य आकर्षण है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि आसमान में अंधेरा छाने लगा और तेज हवाओं ने जलाशय को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे वहां अफरा-तफरी मच गई और चालक दल के पास सुरक्षित स्थान पर पहुंचने के लिए बहुत कम समय बचा था। स्थानीय प्रशासन के अधिकारियों ने बताया है कि नौका के पलटने का मुख्य कारण मौसम की भीषण तीव्रता प्रतीत होती है, जिसके कारण नौका अशांत जल में सीधी खड़ी नहीं रह सकी।

कम होते प्रकाश और डैम के विशाल विस्तार के कारण उत्पन्न रसद संबंधी कठिनाइयों के बावजूद बचाव अभियान जारी है। गोताखोर खमारिया द्वीप के पास डूबी हुई नाव और आसपास की धाराओं में खोज अभियान चला रहे हैं।

आईसीएसई-आईएससी बोर्ड परिणाम घोषित, 10वीं में 99.18 और 12वीं में 99.13 प्रतिशत छात्रों ने मारी बाजी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

काउंसिल फॉर द इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशन (सीआईएससीई) ने गुरुवार को आईसीएसई (10वीं) और आईएससी (12वीं) की बोर्ड परीक्षा 2026 का परिणाम जारी कर दिया। सीआईएससीई ने हाईस्कूल और इंटरमीडिएट दोनों परीक्षाओं के नतीजे अपने आधिकारिक वेबसाइटों के अलावा डिजि लॉकर, एसएमएस और उमंग ऐप पर भी जारी किए हैं।

जो छात्र-छात्राएं इन परीक्षाओं में शामिल हुए थे वे अब अपना यूनिक यूआईडी, इंडेक्स नंबर और कैप्चा कोड डालकर परिणाम चेक करने के साथ स्कोरकार्ड भी डाउनलोड कर सकते हैं।

इस वर्ष 10वीं और 12वीं दोनों क्लास के स्टूडेंट्स ने बोर्ड में काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। दोनों ही कक्षाओं का कुल उत्तीर्ण प्रतिशत 99 फीसदी से ज्यादा रहा है। आईसीएसई (10वीं) में कुल 99.18 प्रतिशत परीक्षार्थी पास हुए। इनमें लड़कियों का पासिंग प्रतिशत 99.46 और लड़कों का 98.93 फीसदी दर्ज किया गया। वहीं, आईएससी (12वीं) में कुल उत्तीर्ण प्रतिशत 99.13 दर्ज किया गया, जिसमें 99.48 प्रतिशत लड़कियां और 98.81 फीसदी लड़के पास हुए। हाईस्कूल और इंटरमीडिएट दोनों की कक्षाओं में लड़कियों ने लड़कों से बेहतर प्रदर्शन किया है।

इस वर्ष सीआईएससीई द्वारा आयोजित दोनों कक्षाओं की बोर्ड परीक्षाओं में 4 लाख से अधिक छात्र शामिल हुए थे, जिसमें आईसीएसई (10वीं) में लगभग 1.5 लाख और आईएससी (12वीं) में लगभग 2.6 लाख छात्र-छात्राएं शामिल हुए थे। सीआईएससीई ने आईसीएसई (हाईस्कूल) की बोर्ड परीक्षाएं 17 फरवरी से 30 मार्च तक और आईएससी (इंटरमीडिएट) की परीक्षाएं 12 फरवरी से 6 अप्रैल तक निर्धारित परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की थीं। आईसीएसई-आईएससी बोर्ड परिणाम चेक करने के लिए उम्मीदवार सबसे पहले सीआईएससीई की आधिकारिक वेबसाइट पर जाएं। होमपेज पर जाने के बाद अपनी कक्षा अनुसार दिए गए रिजल्ट लिंक पर क्लिक करें। फिर लॉगिन क्रेडेंशियल दर्ज कर सबमिट कर दें। इसके बाद परिणाम आपके स्क्रीन पर खुल जाएगा। रिजल्ट को चेक करने के बाद स्कोर कार्ड डाउनलोड कर लें।

'मताधिकार को बनाया जाए मौलिक अधिकार', चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर कांग्रेस ने फिर उठाए सवाल

एजेंसी ■ नई दिल्ली

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने गुरुवार को कहा कि देश में मताधिकार खतरे में है और अब समय आ गया है कि इसे मौलिक अधिकार बनाया जाए। उन्होंने मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और निर्वाचन आयोग के हालिया कदमों पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता प्रभावित हो रही है।

जयराम रमेश ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि उनकी भूमिका एक तटस्थ पर्यवेक्षक की नहीं, बल्कि एक प्लेयर की बन गई है। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग जितना पक्षपाती और कंप्रोमाइज्ड आज दिखाई दे रहा है, उतना पहले कभी नहीं रहा।

ज्ञानेश कुमार को हटाने का विपक्ष ने दिया नोटिस

कांग्रेस नेता ने बताया कि विपक्ष ने ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने के लिए संसद में प्रस्ताव लाने संबंधी नोटिस फिर से दिया है। उन्होंने कहा कि यदि यह नोटिस दोबारा खारिज किया जाता है तो विपक्ष लगातार ऐसे नोटिस देता रहेगा।

'मताधिकार को बनाया जाए मौलिक अधिकार'

जयराम रमेश ने कहा कि उनका मानना है कि मतदान का अधिकार अब मौलिक अधिकार बनाया जाना चाहिए। उनका तर्क था कि यदि इसे मौलिक अधिकार का दर्जा मिलता है तो नागरिक न्यायालयों में इसकी रक्षा के लिए गुहार लगा सकेंगे।

उन्होंने संविधान सभा की बहसों का जिक्र करते हुए कहा कि उस समय भी मताधिकार को मौलिक अधिकार बनाने पर चर्चा हुई थी और भीमराव आंबेडकर इसके पक्ष में थे। रमेश ने कहा कि निर्वाचन आयोग की मौजूदा कार्यशैली ने इस मांग को और जरूरी बना दिया है।

'मताधिकार को सुनिश्चित करना लोकतंत्र के लिए आवश्यक'

एसआईआर प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि विदेशी नागरिक भारत के मतदाता नहीं हो सकते, इसमें कोई विवाद नहीं है। लेकिन उन्होंने पूछा कि इस विशेष गहन पुनरीक्षण के बाद आखिर कितने विदेशी नागरिकों की पहचान की गई है। रमेश ने कहा कि मौजूदा परिस्थितियों में मताधिकार की सुरक्षा सुनिश्चित करना लोकतंत्र के लिए बेहद आवश्यक है, क्योंकि चुनावी प्रक्रिया पर भरोसा ही लोकतांत्रिक व्यवस्था की नींव है।

ईरान बोला-होर्मुज से भारतीय जहाजों के गुजरने पर रोक नहीं

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारत में ईरान के राजदूत डॉ. मोहम्मद फतहाली ने कहा है कि संघर्ष के बावजूद ईरान होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों की सुरक्षित आवाजाही तय कर रहा है। उन्होंने कहा कि भारत सहित सभी दोस्त देशों के जहाजों पर किसी तरह की रोक नहीं है।

एक इंटरव्यू में फतहाली ने कहा कि जो देश ईरान के खिलाफ अमेरिका-इजराइल की कार्रवाई में शामिल नहीं हैं, उनके जहाज सामान्य तरीके से होर्मुज से गुजर सकते हैं। कई भारतीय जहाज इस रास्ते से गुजर भी चुके हैं।

उन्होंने चाबहार पोर्ट को रीजनल कनेक्टिविटी के लिहाज से बेहद अहम बताते हुए कहा कि यह परियोजना लगातार आगे बढ़ रही है और कभी रुकी नहीं है। फतहाली के मुताबिक चाबहार-जोहेदान रेलवे लाइन का लगभग 90% काम पूरा हो चुका है और जल्द ही रेल लाइन बिछाने का काम खत्म हो जाएगा।

फतहाली ने यह भी कहा कि ईरान में रहने वाले करीब 10 हजार भारतीय नागरिकों की सुरक्षा तय करना सरकार की प्राथमिकता है। ईरान भारतीयों और अपने नागरिकों में कोई भेदभाव नहीं करता है।

जंग में अमेरिका के 25 अरब खर्च: अमेरिका ईरान युद्ध पर पिछले 2 महीने में अब तक 25 अरब डॉलर खर्च कर चुका है। अमेरिका ने पहली बार जंग में हुए खर्च की जानकारी दी है।

ट्रम्प ने राइफल के साथ फोटो शेयर की: ट्रम्प ने राइफल के साथ फोटो पोस्ट कर ईरान को चेतावनी दी। फोटो पर लिखा था- नो मोर मिस्टर नाइस गाइ (मैं नरमी नहीं बरतूंगा)।

ईरान ने ह्र में अमेरिका की शिकायत की: ईरान ने संयुक्त राष्ट्र में शिकायत कर अमेरिका पर जहाज जब्त करने और 38 लाख बैरल तेल कब्जाने का आरोप लगाया।

लेबनान में 12 लाख लोगों पर भुखमरी का खतरा: ह्र से जुड़ी रिपोर्ट में कहा गया कि युद्ध, विस्थापन और आर्थिक दबाव के कारण लेबनान में 12 लाख से ज्यादा लोग खाद्य संकट झेल सकते हैं।

भारत-ईरान विदेश मंत्रियों की फोन पर बातचीत: विदेश मंत्री एस. जयशंकर और ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने युद्धविराम, द्विपक्षीय रिश्तों और क्षेत्रीय हालात पर फोन पर चर्चा की।

सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई और ईडी की रिपोर्ट को रिकॉर्ड में लिया

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दाखिल नई स्टेटस रिपोर्ट को रिकॉर्ड पर ले लिया है। यह रिपोर्ट रिलायंस कम्युनिकेशंस (आरकॉम) और उससे जुड़ी कंपनियों के कथित बड़े बैंक घोटाले की जांच से जुड़ी है। मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्य कांत की बेंच, जिसमें जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम. पंचोली शामिल थे, को याचिकाकर्ता की ओर से वकील प्रशांत भूषण ने बताया कि जांच में प्रगति होने के बावजूद मामले के कथित 'मुख्य आरोपी' को अभी तक गिरफ्तार नहीं किया गया है। भूषण ने अदालत में कहा, 'सीबीआई और ईडी ने रिपोर्ट दाखिल कर दी है, लेकिन मुख्य आरोपी को गिरफ्तार नहीं किया गया। अनिल अंबानी को मुख्य आरोपी बताया गया है, लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई।' इस पर सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल (एसजी) तुषार मेहता ने कहा कि वह इस बारे में टिप्पणी नहीं कर सकते कि किसी विशेष व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया था या नहीं किया गया था।

एग्जिट पोल 'पैसे देकर और दबाव डालकर' करवाए गए: ममता बनर्जी

टीएमसी ने स्ट्रॉन्ग रूम के बाहर धरना दिया

एजेंसी ■ कोलकाता

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के अनुसार पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जीत दर्शाने वाले विभिन्न एग्जिट पोल पूर्वानुमान वास्तव में विभिन्न मीडिया संस्थानों द्वारा दबाव में और कथित तौर पर देश की 'सत्ताधारी पार्टी' द्वारा पैसे दिए जाने के बदले प्रसारित किए गए थे।

उन्होंने यह दावा गुरुवार को अपने सोशल मीडिया हैंडल पर पोस्ट किए गए एक वीडियो संदेश में किया।

मुख्यमंत्री के अनुसार, इस कथित रणनीति के पीछे दोहरा मकसद था: शेयर बाजार सूचकांकों में भारी गिरावट को रोकना और साथ ही 4 मई को होने वाली मतगणना से पहले तृणमूल कांग्रेस कार्यकर्ताओं का मनोबल कमजोर करना।

सीएम ममता ने कहा कि भाजपा ने मीडिया का इस्तेमाल करके यह सब किया। मुझे पुख्ता जानकारी मिली है कि मीडिया संस्थानों द्वारा दिखाए गए एग्जिट पोल के अनुमान वास्तव में बुधवार को दोपहर 1:08 बजे मीडिया संस्थानों को भेजे गए थे। उन्होंने ऐसा इसलिए किया क्योंकि वे समझ गए थे कि असल में तृणमूल कांग्रेस की सीटें 226 या 230 से भी अधिक हो जाएंगी, जिससे उनकी सारी दमनकारी चालें नाकाम हो जाएंगी।

अपने वीडियो संदेश में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने तृणमूल कांग्रेस कार्यकर्ताओं को बुधवार को सड़कों पर उतरकर निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए धन्यवाद दिया, जबकि उन्होंने कार्यकर्ताओं

और आम जनता पर कथित तौर पर केंद्रीय बलों और राज्य पुलिस बलों द्वारा संयुक्त रूप से किए गए अत्याचारों का जिक्र किया।

ममता बनर्जी ने कहा कि हम आम जनता के आभारी हैं कि उन्होंने भीषण गर्मी की परवाह किए बिना और इतना अत्याचार सहते हुए भी बड़ी संख्या में मतदान किया। मैं अपने पार्टी कार्यकर्ताओं की भी आभारी हूं। उन्होंने कड़ी मेहनत की। उन्होंने बहुत अत्याचार सहे। बंगाल पर कब्जा करने की चाह रखने वालों का भाग्य मतपेटी में ही तय हो गया है। उन्होंने तृणमूल कांग्रेस कार्यकर्ताओं, विशेषकर मतगणना एजेंटों को भी निर्देश दिया कि वे अपना मनोबल ऊंचा रखें और मतगणना शुरू होने तक इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) वाले सुरक्षित कक्षों की सुरक्षा करें।

मुख्यमंत्री ने कहा, 'मैं स्वयं सुरक्षित कक्षों की सुरक्षा के लिए सड़कों पर रहूंगी। अगर मैं कर सकती हूं, तो आप भी जरूर कर पाएंगे।' उन्होंने अपनी पार्टी के मतगणना एजेंटों से 4 मई को मतगणना प्रक्रिया पूरी होने तक मतगणना केंद्रों पर बने रहने की अपील भी की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मतगणना समाप्त होने के बाद जब तक मैं प्रेस कॉन्फ्रेंस न करूं, तब तक मतगणना केंद्रों पर बने रहें। यदि आपको शौचालय जाने या भोजन करने के लिए अस्थायी रूप से मतगणना केंद्र छोड़ना पड़े, तो उससे पहले अपने स्थान पर किसी और को नियुक्त करने की व्यवस्था कर लें। केवल विश्वसनीय और रिश्वत न लेने योग्य व्यक्तियों को ही नियुक्त करें।

तृणमूल कांग्रेस के नेताओं ने कोलकाता में ईवीएम स्ट्रॉन्ग रूम के बाहर धरना दिया। पार्टी का आरोप है कि बैलट बॉक्स बिना उनके प्रतिनिधियों की मौजूदगी के खोले जा रहे हैं। इसको लेकर सोशल मीडिया पर वीडियो भी पोस्ट किया है।

पार्टी ने वीडियो के साथ लिखा- सीसीटीवी फुटेज में साफ दिख रहा है कि बीजेपी और चुनाव

छत्तीसगढ़ विधानसभा : महिला आरक्षण पर 'शासकीय संकल्प' पारित

एजेंसी ■ रायपुर

छत्तीसगढ़ विधानसभा के विशेष सत्र में विपक्ष के हंगामे के बीच मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने महिला आरक्षण बिल पर चर्चा के लिए शासकीय संकल्प प्रस्ताव पेश किया। आंसदी ने चर्चा के लिए 4 घण्टे का समय निर्धारित किया।

मुख्यमंत्री साय के प्रस्ताव के बाद नेता-प्रतिपक्ष डॉ. चरण दास महंत अशासकीय संकल्प प्रस्ताव प्रस्तुत किया, जिसे आसंदी ने अग्राह्य कर दिया। इस पर डॉ. महंत ने कहा कि मुख्यमंत्री तो निंदा प्रस्ताव लाने वाले थे, लेकिन यह शासकीय संकल्प प्रस्ताव तो निंदा पर नहीं है।

इसके साथ ही विपक्ष ने हंगामा शुरू कर दिया। विपक्ष ने आरोप लगाया कि सदन के बाहर और अंदर सत्ता पक्ष की ओर महिलाओं को गुमराह किया जा रहा है।

प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान विधायक लता उसेंडी ने कहा कि महिला आरक्षण पर रुकावट बनने का काम विपक्ष ने किया। महिला आरक्षण बिल को लोकसभा में

गिराने का काम विपक्ष ने किया। महिलाओं की भावनाओं और सम्मान का ख्याल नहीं रखा गया।

कांग्रेस का पक्ष रखते हुए अनिला भेड़िया ने कहा कि महिला आरक्षण का कांग्रेस समर्थन करती है। महिला आरक्षण 2029 में लागू किया जाना चाहिए। 2023 में बिल पारित है। इसे तत्काल लागू किया जाना चाहिए। जिन्होंने नारी का अपमान किया उसका विनाश हुआ है। रामायण में माता सीता का हरण और रावण का विनाश नारी अस्मिता और स्वाभिमान की रक्षा और सम्मान का विषय है।

विधानमंडलों में महिलाओं को आरक्षण लागू करने और लोकसभा सीटों की संख्या बढ़ाने से संबंधित संविधान संशोधन विधेयक 17 अप्रैल को निचले सदन में पारित नहीं हो सका। विधेयक के पक्ष में 298 और विरोध में 230 सांसदों ने मतदान किया। कुल 528 सदस्यों ने मतदान किया, जबकि विधेयक को पारित करने के लिए दो-तिहाई बहुमत यानी 352 मतों की आवश्यकता थी। इस विधेयक में प्रस्ताव था कि 2029 के आम चुनावों से पहले, 2011 की जनगणना के आधार पर परिसीमन के बाद महिलाओं के आरक्षण कानून को लागू करने के लिए लोकसभा सीटों की संख्या 543 से बढ़ाकर अधिकतम 850 की जाए। गुरुवार को विधानसभा में प्रस्ताव पेश करते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि महिलाओं की गरिमा, समग्र विकास और सशक्तिकरण के लिए लोकसभा और सभी विधानसभाओं में एक-तिहाई आरक्षण परिसीमन के बाद तुरंत लागू किया जाना चाहिए।

एनआईए ने मणिपुर में एसडीपीओ हत्याकांड का मुख्य आरोपी गिरफ्तार किया

नई दिल्ली । नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) ने मणिपुर में 2023 में सब-डिविजनल पुलिस अधिकारी (एसडीपीओ) चिंगथम आनंदकुमार सिंह की हत्या के मामले में एक बड़े आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार किया गया आरोपी ओतखोथांग बैते उर्फ ओथांग बैते मणिपुर के तेंगनौपाल जिले के मोरेह का निवासी है।

एनआईए के अनुसार, वह संदिग्ध कुकी उग्रवादी समूह के सदस्यों द्वारा मोरेह की जिला पुलिस टीम पर किए गए घातक हमले की साजिश में मुख्य रूप से शामिल था।

31 अक्टूबर 2023 को मणिपुर में जातीय हिंसा अपने चरम पर थी। उसी दिन उग्रवादियों ने मोरेह में एक खेल के मैदान में जिला पुलिस टीम पर अचानक गोलीबारी कर दी। हमले में एसडीपीओ चिंगथम आनंदकुमार सिंह के पेट में गोली लगी, जिससे गंभीर चोटें आईं और इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। इस हमले का मकसद राज्य में दहशत फैलाना और सुरक्षा बलों को निशाना बनाना था।

मोरेह पुलिस थाने में शुरू में दर्ज इस मामले को बाद में मार्च 2024 में एनआईए ने अपने हाथ में ले लिया था। एनआईए ने केस नंबर आरसी-02/2024/एनआईए/आईएमपी के तहत जांच शुरू की। जांच के दौरान एनआईए को पता चला कि ओतखोथांग बैते इस हमले की साजिश रचने और उसे अंजाम देने में सक्रिय भूमिका निभा रहा था। एजेंसी ने इसी महीने की शुरुआत में इस मामले में एक अन्य आरोपी कामगिनथांग गांगते को भी गिरफ्तार किया था।

एनआईए के अधिकारियों ने बताया कि आरोपी ओतखोथांग बैते को गुरुवार को गिरफ्तार किया गया। उससे पूछताछ जारी है और मामले में अन्य सहयोगियों और उग्रवादी संगठनों की भूमिका की भी गहन जांच की जा रही है। यह गिरफ्तारी मणिपुर में सुरक्षा बलों पर हुए हमलों की जांच में एनआईए की एक महत्वपूर्ण सफलता मानी जा रही है। एजेंसी का कहना है कि राज्य में शांति व्यवस्था बहाल करने और आतंकवादी गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए वह लगातार सक्रिय प्रयास कर रही है।

मणिपुर में मई 2023 से शुरू हुई जातीय हिंसा के बाद से सुरक्षा बलों और आम नागरिकों पर कई हमले हो चुके हैं। एनआईए इन सभी गंभीर मामलों की जांच कर रही है और दोषियों को सख्त से सख्त सजा दिलाने का प्रयास कर रही है।

जम्मू-श्रीनगर वंदे भारत इस क्षेत्र के विकास में परिवर्तनकारी दौर की शुरुआत : उमर अब्दुल्ला

श्रीनगर । केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुरुवार को जम्मू से श्रीनगर के बीच सीधी 20-कोच वाली वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन सेवा को हरी झंडी दिखाई। यह ट्रेन सेवा आम जनता के लिए 2 मई से शुरू होगी। इस मौके पर जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह भी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि यह नई सेवा इस क्षेत्र के विकास में एक परिवर्तनकारी दौर की शुरुआत है, क्योंकि यह जम्मू और कश्मीर घाटी के बीच निर्बाध और हर मौसम में बनी रहने वाली कनेक्टिविटी को बेहतर बनाती है, जिससे पूरे क्षेत्र में आवागमन, पर्यटन और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलता है।

जितेंद्र सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर लिखा, 'जम्मू रेलवे स्टेशन पर 20 कोच वाली नई वंदे भारत को हरी झंडी दिखाई। यह इस क्षेत्र में रेल कनेक्टिविटी को एक बड़ी मजबूती देगा। इस मौके पर केंद्रीय रेल मंत्री, जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री और अन्य गणमान्य व्यक्ति भी मौजूद थे।'

उन्होंने आगे लिखा, '20 कोचों का जोड़ा जाना आधुनिक, हाई-स्पीड रेल यात्रा की बढ़ती मांग को दर्शाता है और जम्मू-कश्मीर में यात्रियों की क्षमता, आराम और बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है।'

जम्मू-कश्मीर अपनी पार्टी के अध्यक्ष अल्ताफ बुखारी ने एक्स पोस्ट में लिखा, 'जम्मू और कश्मीर की जुड़वां राजधानियों को जोड़ने वाली सीधी ट्रेन की शुरुआत एक लंबे समय से प्रतीक्षित मील का पत्थर है। इससे कनेक्टिविटी में काफी सुधार होगा, जिससे घाटी और जम्मू के बीच यात्रा और भी ज्यादा सुविधाजनक और आरामदायक हो जाएगी।'

एनआईए कोर्ट ने एसआईआर के दौरान अधिकारियों को बंधक बनाने के मामले में 52 लोगों की जमानत याचिका की खारिज

कोलकाता । मालदा जिले के मोथाबाड़ी में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) के काम में लगे अधिकारियों को घेरने और परेशान करने के मामले में एनआईए की विशेष अदालत ने 52 आरोपियों की जमानत याचिका खारिज कर दी है।

गुरुवार को अदालत ने मुफक्किर उल इस्लाम समेत सभी 52 आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिया। सभी आरोपी 13 मई तक न्यायिक हिरासत में रहेंगे।

कलकत्ता हाईकोर्ट की ओर से नियुक्त अधिकारी एसआईआर प्रक्रिया के तहत लंबित सूची में शामिल मतदाताओं के दस्तावेजों की जांच और उससे जुड़े मामलों के निपटारे का काम कर रहे थे। 3 अप्रैल को गुस्साई भीड़ ने एसआईआर के काम में लगे सात अधिकारियों को मालदा के कालियाचक-2 ब्लॉक कार्यालय में आधी रात तक घेरकर रखा था।

आरोप है कि जिन लोगों के नाम जांच सूची से बाहर किए गए थे, उनमें से कुछ लोगों ने अधिकारियों को घेर लिया और उन्हें डराने-धमकाने की कोशिश की। यह मामला बाद में सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गया था। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर चुनाव आयोग ने इस मामले की जांच एनआईए को सौंप दी थी।

हालांकि, एनआईए के जांच संभालने से पहले मुफक्किर उल इस्लाम को पश्चिम बंगाल सीआईडी ने गिरफ्तार कर लिया था। घटना के वीडियो फुटेज की जांच के बाद आरोपियों की एक-एक करके पहचान की गई और फिर उन्हें गिरफ्तार किया गया।

कुल 52 लोगों को हिरासत में लिया गया। इनमें कुछ को राज्य पुलिस ने और बाकी को एनआईए ने गिरफ्तार किया।

हालांकि, इस मामले की जांच में एनआईए को काफी देरी का सामना करना पड़ा। केंद्रीय एजेंसी ने आरोप लगाया कि अदालत के निर्देश के बावजूद राज्य पुलिस मामले से जुड़े जरूरी जांच दस्तावेज उपलब्ध नहीं करा रही थी।

मामले के ट्रांसफर और आरोपियों की हिरासत सौंपने में भी देरी हुई। आखिरकार अदालत के हस्तक्षेप के बाद राज्य पुलिस ने मामला एनआईए को सौंप दिया।

गुरुवार को आरोपियों ने जमानत की मांग की, लेकिन एनआईए ने इसका विरोध किया। अदालत ने जमानत याचिका खारिज करते हुए सभी 52 आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिया।

एनआईए के वकील श्यामल घोष ने मीडिया से कहा, ''मोथाबाड़ी से जुड़े 12 मामलों पर सुनवाई हुई।

पिछले साल के मुकाबले इस बार तापमान में 1 से 2 डिग्री सेल्सियस तक की बढ़ोतरी : आईएमडी वैज्ञानिक

हैदराबाद । हैदराबाद से मौसम विभाग (आईएमडी) के वैज्ञानिक धर्मराजू ने बताया है कि तेलंगाना में गर्मी का प्रकोप तेजी से बढ़ रहा है और कई जिलों में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि इसके पीछे मौजूदा सिनॉप्टिक (मौसम संबंधी) परिस्थितियां मुख्य कारण हैं।

धर्मराजू के मुताबिक, इस समय दक्षिण आंतरिक कर्नाटक से लेकर म्यांमार की खाड़ी तक तमिलनाडु के ऊपर से गुजरती हुई एक ट्रफ और विंड डिसकॉन्टिन्युटी बनी हुई है, जो समुद्र तल से करीब 900 मीटर ऊपर सक्रिय है। इसके साथ ही महाराष्ट्र और तेलंगाना के ऊपर एंटी-साइक्लोनिक सर्कुलेशन भी बना हुआ है। इन दोनों स्थितियों और दक्षिणी तथा दक्षिण-पश्चिमी हवाओं के कारण राज्य में तापमान में लगातार बढ़ोतरी हो रही है।

उन्होंने आईएएनएस से बताया कि खास तौर पर आदिलाबाद और निजामाबाद जिलों में तापमान काफी बढ़ गया है। वहीं, महबूबनगर, जोगुलांबा गडवाल, वनपर्थी, नारायणपेट और नागरकर्नूल जैसे दक्षिणी जिलों में भी गर्मी का असर तेज है। राज्य के अन्य जिलों में अगले पांच दिनों तक तापमान 36 से 40 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है।

हालांकि, इस भीषण गर्मी के बीच थोड़ी राहत की भी उम्मीद है। मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों में हल्की से मध्यम बारिश और गरज-चमक के साथ तेज हवाएं चलने का अनुमान जताया है। दक्षिणी जिलों में 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं और यह स्थिति अगले पांच दिनों तक बनी रह सकती है।धर्मराजू ने बताया कि पिछले साल के मुकाबले इस बार तापमान में 1 से 2 डिग्री सेल्सियस तक की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। आदिलाबाद और निजामाबाद में अब तक 45 डिग्री तापमान रिकॉर्ड किया जा चुका है, जबकि हैदराबाद शहर में भी हाल ही में 42 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज हुआ।

उन्होंने चेतावनी दी कि मई महीने में भी तापमान सामान्य से 1 से 2 डिग्री ज्यादा रहने की संभावना है, जिससे लोगों को गर्मी से और अधिक सतर्क रहने की जरूरत है।

पश्चिम बंगाल में ईवीएम से छेड़छाड़ पर सख्ती, अधिकारी ने दिए री-पोलिंग के संकेत

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में कुछ पोलिंग बूथों पर इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) के बटन से छेड़छाड़ की शिकायतों के बीच मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) मनोज कुमार अग्रवाल ने गुरुवार को साफ संदेश दिया कि यदि किसी भी बूथ पर छेड़छाड़ साबित होती है, तो वहां दोबारा मतदान कराया जाएगा।

सीईओ मनोज कुमार अग्रवाल ने कोलकाता में पत्रकारों से बात करते हुए कहा, 'अभी स्क्रूटनी चल रही है। मेरे पास रिपोर्ट आने वाली है। हम किसी भी तरह की जल्दबाजी नहीं कर रहे हैं। 77 शिकायतें कंट्रोल रूम से आई थीं। हम जांच के बाद ही फैसला लेंगे कि कहां-कहां पुनर्मतदान की जरूरत है। जब जरूरत होगी, तभी री-पोल होगा। अभी जांच शुरू भी नहीं हुई है, तो गिरफ्तारी या एफआईआर की बात कहां से आती है? हमारा मुख्य काम चुनाव प्रक्रिया को निष्पक्ष और शांतिपूर्ण तरीके से पूरा करना है। सीईओ के इस बयान के बाद पश्चिम बंगाल में राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। विभिन्न दलों के नेताओं ने अपने-अपने दृष्टिकोण से इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया दी।

भाजपा उम्मीदवार अग्निमित्रा पॉल ने चुनाव प्रक्रिया की सराहना करते हुए कहा, 'हमने पश्चिम बंगाल में ऐसा चुनाव पहले कभी नहीं देखा। पूरे भारत ने भी शायद ऐसा शांतिपूर्ण चुनाव नहीं देखा होगा। इसलिए मैं ज्ञानेश कुमार, मनोज अग्रवाल और पूरी चुनाव आयोग की टीम को सलाम करती हूं। हमने कभी कल्पना भी नहीं की थी कि राष्ट्रपति शासन लागू किए बिना भी इतना शांतिपूर्ण चुनाव कराया जा सकता है। एक भी हत्या नहीं हुई, कोई आगजनी नहीं हुई, कोई हिंसा नहीं हुई। पूरा चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ।'

उन्होंने मतदान प्रतिशत पर आश्चर्य जताते हुए कहा, '92 प्रतिशत, 94 प्रतिशत, 95 प्रतिशत और कहीं-कहीं तो 97 प्रतिशत तक मतदान हुआ। भारत ने पहले कभी ऐसे आंकड़े नहीं देखे। पहले कहा जाता था कि बंगाली लोग चुनाव के दिन को छुट्टी की तरह मनाते हैं, वे खाते-पीते हैं और आराम करते हैं। लेकिन इस बार बंगाल की जनता ने साबित कर दिया कि जब वे कोई फैसला कर लेते हैं, तो वह सुनामी की तरह आता है।

अग्निमित्रा पॉल ने स्ट्रॉन्ग रूम की निगरानी पर भी बात की।

भारतीय सेना ने असम में द्वितीय विश्वयुद्ध के बम को निष्क्रिय किया, बड़ा खतरा टला

तेजपुर । भारतीय सेना ने असम के लेखापानी क्षेत्र में दूसरे विश्व युद्ध के समय का एक खतरनाक बिना फटा हुआ बम (यूएक्सओ) को गुरुवार को सफलतापूर्वक निष्क्रिय कर दिया। इस कार्रवाई से एक घनी आबादी वाले इलाके में संभावित बड़ी दुर्घटना को टाल लिया गया।

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, लेडो के लेखापानी इलाके में करीब 12 इंच लंबाई और 6 इंच व्यास वाला यह बिना फटा बम नागरिक बस्ती में मिला था।

इतने पुराने और खतरनाक विस्फोटक के मिलने से स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई थी। तुरंत सूचना मिलते ही भारतीय सेना की 'रेड शील्ड सैपर्स' यूनिट की विशेष बम निरोधक टीम को मौके पर भेजा गया।

टीम ने अत्यंत तेजी और पेशेवर तरीके से कार्य करते हुए पहले पूरे इलाके को सुरक्षित किया। आसपास के निवासियों को सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट किया गया और मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के अनुसार सख्त सुरक्षा घेरा बनाया गया।

बम को अत्यधिक सावधानी के साथ निष्क्रिय किया गया। इसके बाद उसे आबादी वाले क्षेत्र से दूर एक सुरक्षित जगह ले जाकर नियंत्रित विस्फोट के माध्यम से पूरी तरह नष्ट कर दिया गया।

बुद्ध पूर्णिमा पर विशेष

मन की साधना ने ही बनाया राजकुमार सिद्धार्थ को महात्मा बुद्ध

बुद्ध पूर्णिमा: जब मानवता को मिला करुणा का प्रकाश

योगेश कुमार गोयल

प्रतिवर्ष वैशाख मास की पूर्णिमा को 'बुद्ध पूर्णिमा' के रूप में मनाया जाता है। बुद्ध पूर्णिमा इस वर्ष 1 मई को है। माना गया है कि 563 ईस्वी पूर्व वैशाख मास की पूर्णिमा के दिन लुम्बनी वन में शाल के दो वृक्षों के बीच गौतम बुद्ध का जन्म हुआ था। वैशाख मास की पूर्णिमा को ही 35 वर्ष की आयु में उन्होंने बोध गया में बोधि वृक्ष के नीचे बुद्धत्व प्राप्त किया। वैशाख पूर्णिमा को ही 80 वर्ष की आयु में गौतम बुद्ध ने उत्तर प्रदेश में कुशीनगर में हिरण्यवती नदी के तट पर महापरिनिर्वाण प्राप्त किया। यही कारण है कि बौद्ध धर्म में वैशाख मास की पूर्णिमा को 'त्रिविध पावन पर्व' भी कहा गया है और संभवत: यही वजह है कि बौद्ध धर्म में बुद्ध पूर्णिमा को सबसे पवित्र दिन माना गया है। मान्यता है कि गौतम बुद्ध ने ही आज से करीब ढाई हजार वर्ष पूर्व बौद्ध धर्म की स्थापना की थी। अपने 80 वर्षीय जीवनकाल के अंतिम 45 वर्षों में महात्मा बुद्ध ने दुनियाभर में घूम-घूमकर बौद्ध धर्म का प्रचार किया और लोगों को उपदेश दिए। उनका अंतिम उपदेश था कि सृजित वस्तुएं अस्थायी हैं, अत: विवेकपूर्ण प्रयास करो। उनका कहना था कि मनुष्य की सबसे उच्च स्थिति वही है, जिसमें न तो बुढ़ापा है, न किसी तरह का भय, न चिन्ताएं, न जन्म, न मृत्यु और न ही किसी तरह के कष्ट और यह केवल तभी संभव है, जब शरीर के साथ-साथ मनुष्य का मन भी संयमित हो, क्योंकि मन की साधना ही सबसे बड़ी साधना है।

गौतम बुद्ध का वास्तविक नाम सिद्धार्थ गौतम था। कालांतर में वह सिद्धार्थ गौतम, महात्मा बुद्ध, भगवान बुद्ध, गौतम बुद्ध, तथागत आदि विभिन्न नामों से जाने गए। शाक्य वंश से संबंध होने के कारण उन्हें 'शाक्यों का संत' भी कहा गया। सिद्धार्थ के पिता राजा शुद्धोधन थे, जो कपिलवस्तु के शाक्यवंशीय राजा थे। कपिलवस्तु हिमालय की तराई में एक विशाल गणराज्य था, जो आज नेपाल में है। राजा शुद्धोधन की दो रानियां थीं, जिनमें महामाया बड़ी और प्रजापति गौतमी छोटी थीं। रानी महामाया जब गर्भवती हुईं तो उस समय के शाक्य समाज के रीति रिवाजों के अनुसार प्रसव के लिए वह प्रजापति गौतमी के साथ अपने मायके देवदह जा रही थीं, किन्तु रास्ते में ही उन्हें प्रसव पीड़ा शुरू हो गई और लुम्बनी वन में ही शाल के दो वृक्षों के बीच उन्होंने एक अति सुंदर तेजस्वी पुत्र को जन्म दिया। पुत्र जन्म के पश्चात दोनों रानियां कपिलवस्तु लौट आईं। इसी बालक का नाम सिद्धार्थ रखा गया।

सिद्धार्थ के जन्म के कुछ ही समय पश्चात एक बहुत पहुंचे हुए संन्यासी ने राजा शुद्धोधन को बताया कि यह बालक या तो बहुत महान चक्रवर्ती सम्राट बनेगा या फिर समस्त सांसारिक मोह-माया का परित्याग कर एक महान संन्यासी बनेगा और विश्व का महान उद्धारक साबित होगा। बालक के संन्यासी बनने की बात सुनकर राजा शुद्धोधन बहुत चिंतित हुए। उन्होंने सिद्धार्थ को मोह-माया और सांसारिक सुखों की ओर आकर्षित करने के लिए उनके समक्ष भोग विलास तथा ऐश्वर्य के समस्त संसाधनों का ढेर लगा दिया, लेकिन सिद्धार्थ हमेशा शांत और ध्यानमग्न ही रहा करते। अत: यही सोचकर कि कहीं सिद्धार्थ का मन सांसारिक सुखों से उचाट होकर पूरी तरह से वैराग्य में ही न लग जाए, राजा शुद्धोधन ने कम उम्र में ही एक अतिसुंदर, सुशील, अति तेजस्वी सर्वगुण सम्पन्न राजकन्या यशोधरा के साथ उनका विवाह कर दिया। विवाह के पश्चात सिद्धार्थ गौतम को पुत्ररत्न की प्राप्ति हुई और पुत्र का नाम रखा गया राहुल।

बचपन से ही राजकुमार सिद्धार्थ घंटों एकांत में बैठकर ध्यान किया करते थे, लेकिन फिर भी उन्होंने पुत्र जन्म तक सांसारिक सुखों का उपभोग किया, परन्तु धीरे-धीरे उनका मन सांसारिक सुखों से उचाट होता गया और एक दिन वे मन की शांति पाने के उद्देश्य से भ्रमण के लिए अपने सारथी छेदक को साथ लेकर रथ में सवार हो महल से निकल पड़े। रास्ते में उनका मनुष्य की दु:ख की चार घटनाओं से साक्षात्कार हुआ। जब उन्होंने दु:ख के इन कारणों को जाना तो मोह-माया और ममता का परित्याग कर पूर्ण संन्यासी बन गए। बुद्ध ने अपने घर-परिवार का परित्याग कर दिया और सत्य तथा ज्ञान की खोज में एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाते रहे। उन्होंने छह वर्षों तक जंगलों में कठिन तप व उपवास किए और सूखकर कांटा हो गए, किन्तु उन्हें ज्ञान की प्राप्ति न हो सकी। अत: उन्होंने एक दिन संन्यास छोड़ दिया और उनके शिष्य भी एक-एक कर उनका साथ छोड़ गए।

उसके बाद गौतम बुद्ध ने शारीरिक स्वास्थ्य तथा मानसिक शक्ति प्राप्त की और फिर वे बोध गया में एक पीपल के वृक्ष के नीचे बैठकर गहन चिंतन में लीन हो गए तथा मन में दृढ़ निश्चय कर लिया कि इस बार ज्ञान प्राप्त किए बिना यहां से नहीं उठेंगे। सात सप्ताह के गहन चिंतन-मनन के बाद वैशाख मास की पूर्णिमा को 528 ई.पू. सूर्योदय से कुछ पहले उनकी बोधदृष्टि जाग्रत हो गई और उन्हें पूर्ण ज्ञान की प्राप्ति हो गई। उनके चारों ओर एक अलौकिक आभा मंडल दिखाई देने लगा। उनके पांच शिष्यों ने जब यह अनुपम दृश्य देखा तो वे महात्मा बुद्ध के चरणों में गिरकर उनसे क्षमायाचना करने लगे और इन शिष्यों ने ही उन्हें पहली बार 'तथागत' कहकर संबोधित किया। 'तथागत' यानी सत्य के ज्ञान की पूर्ण प्राप्ति करने वाला। पीपल के जिस वृक्ष के नीचे बैठकर सिद्धार्थ ने बुद्धत्व प्राप्त किया, वह वृक्ष 'बोधिवृक्ष' कहलाया और वह स्थान, जहां उन्होंने यह ज्ञान प्राप्त किया, बोध गया के नाम से विख्यात हुआ ।

हेलमेट बैंक: सड़क सुरक्षा की दिशा में एक सार्थक पहल

रायपुर। सड़क दुर्घटनाओं में लगातार हो रही वृद्धि आज एक गंभीर चिंता का विषय बन चुकी है। विशेष रूप से दोपहिया वाहन चालकों में हेलमेट के उपयोग की कमी के कारण दुर्घटनाओं में मृत्यु और गंभीर चोटों के मामलों में बढ़ोतरी देखी जा रही है। इसी चुनौती से निपटने के लिए जिला प्रशासन कोण्डागांव द्वारा एक अभिनव पहल करते हुए 'हेलमेट बैंक' की शुरुआत की गई है। यह पहल न केवल लोगों को हेलमेट पहनने के लिए प्रेरित कर रही है, बल्कि सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

'हेलमेट बैंक' योजना का मुख्य उद्देश्य दोपहिया वाहन चालकों में हेलमेट पहनने की आदत विकसित करना और सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मृत्यु दर एवं गंभीर चोटों को कम करना है। इस योजना के अंतर्गत नेशनल हाईवे 30 के आसपास स्थित उन ग्राम पंचायतों में हेलमेट बैंक स्थापित किए गए हैं, जहां दुर्घटनाओं की संख्या अपेक्षाकृत अधिक है। वर्तमान में जिले के 9 ग्राम पंचायत—मस्सुकोकोड़ा, माझीआंठगांव, लंजोडा, अनंतपुर, बड़ेराजपुर, बनियागांव, मसोरा, मर्दापाल और माकड़ी में यह व्यवस्था संचालित की जा रही है।

इन हेलमेट बैंकों में 120 से अधिक हेलमेट उपलब्ध कराए गए हैं और अब तक 400 से ज्यादा लोग इस सुविधा का लाभ उठा चुके हैं। योजना के तहत बिना हेलमेट यात्रा कर रहे दोपहिया वाहन चालकों को अस्थायी रूप से हेलमेट उपलब्ध कराया जाता है, जिससे वे सुरक्षित यात्रा कर सकें। यह व्यवस्था विशेष रूप से उन लोगों के लिए उपयोगी साबित हो रही है, जो किसी कारणवश हेलमेट साथ नहीं रख पाते।

हेलमेट प्राप्त करने की प्रक्रिया भी सरल और सुविधाजनक रखी गई है। इच्छुक व्यक्ति को अपना पहचान पत्र या नाममात्र की राशि जमा करनी होती है। उपयोग के बाद हेलमेट को वापस हेलमेट बैंक में जमा करना अनिवार्य होता है, जिससे अन्य लोग भी इसका लाभ ले सकें।

कलेक्टर ने इस पहल के माध्यम से नागरिकों से अपील की है कि वे हेलमेट पहनने को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं। उन्होंने कहा कि परिवार के सदस्य भी इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं—जब भी कोई व्यक्ति दोपहिया वाहन से बाहर जाए, उसे हेलमेट पहनने के लिए प्रेरित करें। छोटी-सी सावधानी बड़े हादसों से बचा सकती है।

स्थानीय नागरिकों ने भी इस पहल की सराहना की है और इसे सड़क सुरक्षा की दिशा में एक सकारात्मक एवं प्रभावी कदम बताया है। 'हेलमेट बैंक' जैसी पहलें न केवल जीवन बचाने का माध्यम बनती हैं, बल्कि समाज में जिम्मेदारी और जागरूकता का संदेश भी देती हैं।

20 परिवहन अधिकारियों का तबादला

छत्तीसगढ़ शासन के परिवहन विभाग द्वारा प्रशासनिक व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से राज्य के विभिन्न परिवहन अधिकारियों का तत्काल प्रभाव से अस्थायी रूप से स्थानांतरण किया गया है। इस आशय का आदेश परिवहन विभाग मंत्रालय महानदी भवन से जारी किया गया है। जारी आदेश के तहत क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी (आरटीओ), सहायक क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी (एआरटीओ) तथा अन्य अधिकारियों को उनके वर्तमान पदस्थापना स्थान से हटाकर नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। इनमें प्रमुख रूप से कोरबा, धमतरी, कबीरधाम, जांजगीर-चांपा, रायगढ़, कांकेर, राजनांदगांव, बेमेतरा, सूरजपुर, गरियाबंद, जशपुर सहित कई जिलों में पदस्थ अधिकारियों का स्थानांतरण किया गया है। राज्य शासन ने निर्देश दिया है कि सभी संबंधित अधिकारी अपने नवीन पदस्थापना स्थल पर अधिकतम 10 दिनों के भीतर कार्यभार ग्रहण करें। निर्धारित समयावधि में कार्यभार ग्रहण नहीं करने की स्थिति में संबंधित अधिकारी के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

सराफा कारोबारी विवेक अग्रवाल के ठिकानों पर ईडी की रेड...

रायपुर। प्रवर्तन निदेशालय (श्रष्ठ) की टीम ने गुरुवार सुबह बिलासपुर में बड़ी कार्रवाई करते हुए सराफा कारोबारी के ठिकानों पर दबिश दी है। बिलासपुर में श्रीराम ज्वेलर्स के संचालक विवेक अग्रवाल के निवास पर दस्तावेजों की सघन जांच जारी है।

बिलासपुर के मध्यनगरी चौक स्थित श्रीराम ज्वेलर्स के संचालक विवेक अग्रवाल के घर और दुकान पर ईडी की टीम सुबह से दस्तावेजों को खंगाल रही है। जानकारी के अनुसार, विवेक अग्रवाल के भाई विकास अग्रवाल शराब घोटाले के मुख्य आरोपी अनवर ढेबर के करीबी माने जाते हैं और फिलहाल फरार हैं। विकास अग्रवाल पर सिंडिकेट का सदस्य होने का आरोप है।

अमर इंफ्रा ग्रुप में भी दबिश - भारतमाला प्रोजेक्ट पासपोर्ट मामले में ईडी ने एक और बड़ी कार्रवाई की है। डी.एच.डी ने गुरुवार को दुर्ग में मैसूर चतुर्भुज राठी के आर्च में हिस्सा लिया। दस्तावेजों से मिली जानकारी के अनुसार ईडी के आधा स्टॉक स्टॉक आज सुबह दुर्ग क्षेत्र में स्थित है, और महेश कॉलोनी स्थित अमर इंफ्रा ग्रुप में पूछताछ की शुरुआत हुई। इस ग्रुप के 6 फ़र्म हैं। इसके विशेषज्ञ चतुर्भुज राठी को सूचित किया गया है। ईडी की टीम दस्तावेज और डिजिटल जांच भी कर रही है।

सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने जन्मदिन और मजदूर दिवस पर दी सौगात

500 श्रमिकों को मिली साइकिल और सम्मान

रायपुर। मजदूर दिवस की पूर्व संध्या और अपने जन्मदिन के पावन अवसर से पूर्व वरिष्ठ भाजपा नेता एवं सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने एक बार फिर अपनी संवेदनशीलता और श्रमिक कल्याण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का परिचय दिया है।

छत्तीसगढ़ श्रम कल्याण मंडल द्वारा आयोजित भव्य 'हितग्राही सम्मान समारोह' में अग्रवाल ने लगभग 500 महिला एवं पुरुष श्रमिकों को साइकिल खरीदी के लिए 17 लाख रुपये से अधिक की राशि सीधे उनके खातों में हस्तांतरित की।

समारोह में प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से आए श्रमिकों को लाभान्वित किया गया, रायपुर जिले के 372 लाभार्थी जिसें 291 पुरुष और 81 महिलाएं शामिल हैं इसके अलावा रायगढ़ से 20 पुरुष 3 महिला, दुर्ग से 25 पुरुष, बलौदा बाजार से 12 पुरुष, कोरबा से 9 पुरुष, धमतरी और राजनांदगांव से 6 पुरुष तथा जांजगीर चांपा से 1 पुरुष लाभार्थी शामिल है।

प्लास्टिक फैक्ट्री में लगी भीषण आग, लाखों का सामान जलकर खाक

रायपुर। राजधानी रायपुर के विधानसभा थाना क्षेत्र अंतर्गत महालेखाकार भवन के पीछे स्थित कंवल प्लास्टिक मल्टीलेयर कंपनी में गुरुवार को भीषण आग लग गई। आग इतनी विकराल है कि फैक्ट्री से उठने वाला काला धुआं कई किलोमीटर दूर से देखा जा रहा है, जिससे आसपास के रिहाइशी इलाकों में दहशत का माहौल देखने को मिला।

घटना के दौरान फैक्ट्री के भीतर से लगातार धमाकों की आवाजें सुनाई दे रही थी, जिससे बचाव कार्य में जुटे कर्मियों को भी चुनौतियों का सामना करना पड़ा। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, आग लगने का कारण मशीन का ओवरहीटिंग होना माना जा रहा है। विधानसभा थाना पुलिस और पांच दमकल की गाड़ियां मौके पर आग बुझाने के प्रयास में लगी हैं।

राहत की बात यह रही कि समय रहते सभी मजदूरों को बाहर निकाल लिया गया, हालांकि कुछ श्रमिक मामूली रूप से झुलस गए हैं। वहीं, स्थानीय निवासियों ने फायर ब्रिगेड के देरी से पहुंचने पर गहरा रोष जताया है।

देवजी के सरेंडर से माओवादी संगठन में दरार! एनसीसी ने कहा- 'गद्दार'

जगदलपुर। नक्सल मोर्चे से बड़ी खबर सामने आई है, जहां माओवादी संगठन के भीतर आंतरिक टकराव खुलकर सामने आ गया है। नॉर्थ कोऑर्डिनेशन कमेटी द्वारा जारी एक प्रेस नोट में आत्मसमर्पण कर चुके शीर्ष माओवादी नेता वेणुगोपाल देवजी पर तीखा हमला किया गया है।

एनसीसी ने अपने बयान में स्पष्ट रूप से कहा कि देवजी अब संगठन के लिए 'गद्दार' हैं और उनके आत्मसमर्पण के बाद संगठन का उनसे कोई संबंध नहीं रह गया है। इस बयान के बाद माओवादी खेमे में हलचल और तेज हो गई है।

आत्मसमर्पण के बाद बढ़ा विवाद

बता दें कि वेणुगोपाल देवजी के आत्मसमर्पण को लेकर संगठन के भीतर लंबे समय से असंतोष की स्थिति बताई जा रही थी। अब ह्रष्टष्ट के ताजा बयान ने इस विवाद को सार्वजनिक रूप से और बढ़ा दिया है। संगठन ने यह भी कहा है कि उनका संघर्ष अब भी जारी रहेगा और वे सशस्त्र आंदोलन को ही अंतिम रास्ता मानते हैं।

'गोरिल्ला युद्ध' जारी रखने का दावा

प्रेस नोट में ह्रष्टष्ट ने दोहराया है कि संगठन कमजोर जरूर हुआ है, लेकिन वह खत्म नहीं हुआ है। बयान में कहा गया है कि वे 'गोरिल्ला युद्ध' के जरिए अपनी गतिविधियों को आगे बढ़ाते रहेंगे और 'क्रांति' को जारी रखेंगे। देवजी द्वारा माओवादी संगठन पर लगे प्रतिबंध को हटाने की मांग को भी ह्रष्टष्ट ने सिरे से खारिज कर दिया है। संगठन ने इसे व्यक्तिगत राय बताते हुए कहा कि यह विचार संगठन की आधिकारिक नीति नहीं है।

इंडिगो फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग

रायपुर। छत्तीसगढ़ के रायपुर एयरपोर्ट पर कोलकाता से पुणे जाने वाली इंडिगो फ्लाइट को आपात स्थिति में विमानतल पर उतारा गया। जानकारी के अनुसार एक महिला यात्री की अचानक तबीयत खराब होने की वजह से स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट पर मेडिकल अंडर फ्लाइट को उतारा गया।

विमान दोपहर लगभग 12 बजे रायपुर एयरपोर्ट सुरक्षित उतरा पर। उड़ान के दौरान एक महिला यात्री पर अचानक बीमार हो गई थी, जिसके बाद विमान चालक दल ने आपातकालीन चिकित्सा सहायता के लिए रायपुर एयरपोर्ट एटीसी से संपर्क और एयरपोर्ट पर प्रवेश का निर्णय लिया। एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एएआई) ने विमान के लैंड होने पर ही महिला यात्री को प्राथमिक सहायता और एम्बुलेंस से आगे के उपचार के लिए अस्पताल सुविधा प्रदान की है। आवश्यक शर्तें एवं स्थिति सामान्य होने के बाद विमान ने लगभग एक बजे अपने गंतव्य के लिए उड़ान भरी। एयरपोर्ट प्रशासन ने पूरी प्रक्रिया को तत्काल एवं समन्वित तरीके से पूरा किया।

प्रिंस कॉलेज रायपुर से 1931-47 कालखंड की 25 दुर्लभ हस्तलिखित पांडुलिपियां मिली

इतिहास के विध्वंस से- अंतिम हाईस्कूल स्मिथ का लेख जिसमें 25 पाठ्यपुस्तकें शामिल हैं

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की परिकल्पना के सिद्धांत एवं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के दिशानिर्देश डॉ. गौरव कुमार सिंह के नेतृत्व में जिलों में पांडुलिपियों के डिजिटलीकरण एवं संरक्षण का कार्य तेजी से किया जा रहा है।

इसी क्रम में सर्वे दल द्वारा प्रिंस कॉलेज, रामपुर के ऐतिहासिक अभिलेख का भ्रमण किया गया। वर्ष 1931 से 1947 तक की यात्रा के दौरान कालखंड से संबंधित लगभग 25 दुर्लभ हस्तलिखित एवं चित्रित चित्रांकन प्राप्त करने में सफलता मिली है। प्राप्त पांडुलिपियों में प्रिंस कॉलेज के अंतिम स्नातक कार्यशाला स्मिथ का लेख भी शामिल है। इसके अतिरिक्त प्रसिद्ध वैज्ञानिक डॉ. शिवमंगल सिंह 'सुमन', पं. नेहरू नेहरु, बाबू जगजीवन राम, अचेत मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री प्रकाशचंद सेठी, कैलाशनाथ काटजू और ओडिशा की पूर्व महिला मुख्यमंत्री महीला नंदिनी सतपथी के हस्ताक्षरयुक्त पत्र भी मिले हैं।

सर्वेक्षण के दौरान 75 वर्ष से अधिक पुराने अन्य महत्वपूर्ण पुरावशेष भी प्राप्त हुए हैं, जो ऐतिहासिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। इन सभी प्रमाणपत्रों का शीघ्र डिजिटलीकरण कर संरक्षण किया जाएगा। सर्वेयर दल में अनुरिमा एवं प्रेरणा मिश्रा शामिल थीं।

श्रमिक समाज की आधारशिला हैं और उनके बिना विकास की कल्पना अधूरी: श्रम मंत्री

श्रम मंत्री ने श्रमवीरों को दी अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस की शुभकामनाएं

रायपुर। अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस (मई दिवस) के अवसर पर प्रदेश के श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन ने राज्य के श्रमिकों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने सभी मेहनतकश श्रमिकों के सुखमय और उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि 1 मई का दिन श्रमिकों के परिश्रम, समर्पण और योगदान के प्रति आभार व्यक्त करने का विशेष अवसर है।

मंत्री देवांगन ने कहा कि श्रमिक समाज की आधारशिला हैं और उनके बिना विकास की कल्पना अधूरी है। उन्होंने श्रमिकों की सामाजिक और आर्थिक खुशहाली के लिए राज्य सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार श्रमिकों सहित सभी जरूरतमंद वर्गों के समग्र विकास के लिए निरंतर प्रयासरत है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा श्रमिकों और उनके परिवारों को विभिन्न योजनाओं का लाभ तेजी से उपलब्ध कराया जा रहा है। श्रम विभाग के अंतर्गत संचालित तीनों मंडलों- भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार मंडल, संगठित कर्मकार मंडल और राज्य सामाजिक सुरक्षा एवं श्रम कल्याण मंडल के माध्यम से योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। मंत्री देवांगन ने कहा कि बीते सवा दो वर्षों में विभिन्न योजनाओं के तहत करीब 800 करोड़ रुपये की राशि डीबीटी के माध्यम से सीधे श्रमिकों के बैंक खातों में हस्तांतरित की जा चुकी है। इससे न केवल श्रमिकों बल्कि उनके परिवारों के सामाजिक और आर्थिक स्तर में भी सुधार आया है।

टिकट चेकिंग स्क्वाड ने डुप्लीकेट एमएसटी रेल टिकट बनाने वालों को दबोचा

रायपुर । दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर रेल मंडल के वाणिज्य विभाग के अधिकारियों कर्मचारियों की सक्रियता से निर्देशानुसार ट्रेन संख्या 68705 (रायपुर-डोंगरगढ़ लोकल) में विशेष टिकट जांच अभियान चलाया गया। दुर्ग में आयोजित फोर्ट्रेस चेकिंग (किलाबंदी टिकट चेकिंग) के दौरान प्रिया, वरिष्ठ टिकट एग्जामिनर, दुर्ग के द्वारा डुप्लीकेट एमएसटी (छ: माही) का मामला पकड़ा गया, जिसकी सूचना तत्पश्चात उच्च अधिकारियों को दी गई।

टिकट चेकिंग स्टाफ ने यू टी एस ऑन मोबाइल ऐप के एमएसटी टिकट की इमेज का दुरुपयोग करते हुए डुप्लीकेट एमएसटी बनाकर यात्रा करने वाले संदिग्धों को पकड़ा। टिकट चेकिंग के दौरान एक यात्री के पास डुप्लीकेट एमएसटी टिकट पाया गया जिसकी गहनता से जांच करने पर वह टिकट डुप्लीकेट निकला पूछताछ के दौरान तथ्यों से प्लानिंग करके पकड़ा गया उसके अन्य साथी भी पकड़े गए। जांच के दौरान शंकराचार्य कॉलेज के 4 छात्र इस धोखाधड़ी में संलिप्त पाए गए। मुख्य आरोपी कुलदीप ने स्वीकार किया कि उसने फर्जी टिकट तैयार किया, जिसे उसने अपने 02 साथियों के साथ साझा किया, जिन्होंने आगे इसे अन्य लोगों तक प्रसारित किया। छात्रों के अनुसार, हर्ष नामक एक छात्र इन फर्जी टिकटों को अन्य यात्रियों को बेचने में संलिप्त था। हालांकि हर्ष अभी पकड़ नहीं आया है। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अवधेश कुमार त्रिवेदी ने अधीनस्थ अधिकारियों कर्मचारियों को टिकट चेकिंग के दौरान टिकटो की गहन जाँच के निर्देश दिए ।

प्रयास विद्यालयों की उपलब्धि, 10वीं-12वीं में शत-प्रतिशत सफलता

रायपुर। छत्तीसगढ़ के आदिम जाति, अनुसूचित जाति, अन्य पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास विभाग द्वारा संचालित 'प्रयास' आवासीय विद्यालयों के विद्यार्थियों ने इस वर्ष छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल की कक्षा 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षाओं में शत-प्रतिशत सफलता हासिल की, साथ ही मेरिट सूची में भी प्रमुख स्थान प्राप्त किए।

गुरुवार को दी गयी आधिकारिक जानकारी के अनुसार, प्रयास विद्यालयों के 13 विद्यार्थियों ने टॉप-10 मेरिट सूची में स्थान बनाया। कक्षा 10वीं की छात्रा कु. दीपांशी ने 98.83 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रदेश में दूसरा स्थान हासिल किया। वहीं, कक्षा 12वीं में कुल 128 विद्यार्थी प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुए। रायपुर के गुडियारी स्थित प्रयास विद्यालय की 19 छात्राओं ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए, जबकि कोरबा जिले की छात्रा कु. रागिनी कंवर ने 95 प्रतिशत अंक अर्जित कर विद्यालय में पहला स्थान प्राप्त किया। जीव विज्ञान विषय में दो छात्राओं ने 100 में 100 अंक प्राप्त किए।

कक्षा 10वीं के परिणामों में भी विद्यार्थियों का प्रदर्शन उल्लेखनीय रहा। कुल 119 छात्राओं में से 48 ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए, जबकि गणित विषय में छह विद्यार्थियों ने पूर्ण अंक हासिल किए। प्रावीण्य सूची में भी इन विद्यालयों के विद्यार्थियों की भागीदारी उल्लेखनीय रही।

राज्य सरकार द्वारा संचालित कुल 17 प्रयास आवासीय विद्यालयों में विभिन्न वर्गों, विशेष रूप से नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के विद्यार्थियों को नि:शुल्क शिक्षा प्रदान की जाती है। साथ ही, उन्हें प्रतियोगी परीक्षाओं जैसे नीट, जेईई और अन्य राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय परीक्षाओं की तैयारी के लिए मार्गदर्शन भी दिया जाता है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, आदिम जाति विकास मंत्री रामविचार नेताम सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने इस उपलब्धि पर विद्यार्थियों, शिक्षकों और विभागीय अधिकारियों को बधाई दी है। उन्होंने इसे राज्य के लिए गौरव का विषय बताते हुए शिक्षा के क्षेत्र में सकारात्मक संकेत माना।

विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा ने कहा कि सीमित संसाधनों के बावजूद विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है, जो उचित मार्गदर्शन और अवसर मिलने पर प्रतिभा के उभरने का उदाहरण है। उन्होंने इसे शिक्षा क्षेत्र में एक प्रेरणादायक मॉडल बताया।

जेईएम को एक और झटका, शीर्ष कमांडर सलमान की मौत; रहस्यमयी हत्याओं का सिलसिला जारी

नई दिल्ली। पाकिस्तान के बहावलपुर में जैश ए मोहम्मद (जेईएम) के शीर्ष कमांडर मौलाना सलमान की एक अज्ञात वाहन की टक्कर से मौत हो गई। यह घटना बुधवार को हुई और इसे संगठन के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है।

सलमान, मसहूद अजहर का करीबी सहयोगी था और भारत में हुए कई बड़े हमलों से उसका नाम जोड़ा जाता रहा है। इनमें 2001 के भारत की संसद पर हमला और पुलवामा अटैक 2019 शामिल हैं।

उसे बहावलपुर स्थित मार्कज सुभानअल्लाह में दफनाया गया। खबरों के मुताबिक, इसमें पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के कुछ अधिकारी भी मौजूद थे।

बताया जा रहा है कि सलमान पहले ऑपरेशन सिंदूर के दौरान जैश के ठिकाने पर हुए हमले में घायल हुआ था। इस ऑपरेशन में संगठन के कई वरिष्ठ सदस्य और मसूद अजहर के करीबी परिजन मारे गए थे।

हाल के दिनों में लश्कर ए तैयबा (एलईटी) और जैश के कई प्रमुख सदस्यों की रहस्यमयी परिस्थितियों में मौत या हमले की घटनाएं सामने आई हैं। दो दिन पहले ही लश्कर के कमांडर शेख यूसुफ अफरीदी की खैबर पख्तूनख्वा में अज्ञात हमलावरों ने हत्या कर दी थी।

पिछले साल जैश के रणनीतिकार मौलाना अब्दुल अजीज अजार की भी संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हुई थी, जिसे आधिकारिक तौर पर हार्ट अटैक बताया गया। वहीं, इस साल अप्रैल में लश्कर के संस्थापक सदस्यों में से एक मौलाना आमिर हमजा पर भी हमला हुआ, जिसमें वह बच गए।

सूत्रों के अनुसार, इन लगातार हो रही घटनाओं से दोनों संगठनों को बड़ा नुकसान हुआ है और नेतृत्व स्तर पर संकट गहरा गया है। मसूद अजहर की सेहत को लेकर भी चिंताएं जताई जा रही हैं।

बताया जा रहा है कि आईएसआई के मार्गदर्शन में जैश नए नेतृत्व को सामने लाने की कोशिश कर रहा है, जबकि पाकिस्तानी मीडिया में अजहर से जुड़ी खबरों पर अनौपचारिक रोक की भी चर्चा है। लश्कर में भी नेतृत्व को लेकर सवाल उठ रहे हैं और नए, युवा नेतृत्व की मांग तेज हो रही है।

केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने नवाचार और समावेशिता पर 10वें राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन का उद्घाटन किया

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने गुरुवार को हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव की गरिमामयी उपस्थिति में नवाचार एवं समावेशिता: भारत के स्वास्थ्य भविष्य को आकार देने वाली सर्वोत्तम प्रथाएं विषय पर 10वें राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन का उद्घाटन किया।

यह शिखर सम्मेलन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए स्वास्थ्य क्षेत्र में अभूतपूर्व नवाचारों और सर्वोत्तम प्रथाओं को प्रदर्शित करने के लिए एक प्रमुख मंच के रूप में कार्य करता है, जिसका उद्देश्य पूरे देश में समावेशी, सुलभ और किफायती स्वास्थ्य सेवा को आगे बढ़ाना है। सभा को संबोधित करते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने शिखर सम्मेलन की मेजबानी करने के लिए हरियाणा सरकार का आभार व्यक्त किया और स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में नवाचारों को बढ़ावा देने में राज्य के नेतृत्व की सराहना की। मंत्री ने कहा कि यह शिखर सम्मेलन दर्शाता है कि कैसे व्यावहारिक, जमीनी स्तर पर संचालित रणनीतियां सामूहिक रूप से एक प्रभावी और उत्तरदायी सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली को आकार दे सकती हैं। इस अवसर पर शुरू की गई पहलों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए मंत्री ने कहा कि इन उपायों का उद्देश्य स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के लिए कार्य वातावरण को सुगम बनाना, सेवा वितरण को बेहतर बनाना और स्वास्थ्य परिणामों में सुधार करना है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इनका लक्ष्य ऐसी प्रणालियों को सक्षम बनाना है जो कुशल, एकीकृत और सेवा प्रदाताओं एवं लाभार्थियों दोनों की आवश्यकताओं के प्रति संवेदनशील हों। पिछले एक दशक में भारत के स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में हुए बदलावों पर विचार करते हुए मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में देश ने विकसित भारत के दृष्टिकोण की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति की है।

पंजाब-हरियाणा हाई कोर्ट पहुंचे हरभजन सिंह, सुरक्षा हटाने के फैसले को दी चुनौती

नई दिल्ली। राज्यसभा सांसद और पूर्व भारतीय क्रिकेटर हरभजन सिंह ने अपनी सुरक्षा वापस लिए जाने के फैसले को चुनौती दी है। उन्होंने इस मामले में पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट में पिटीशन दाखिल करते हुए अपनी सुरक्षा बहाल करने की मांग की है।

पूर्व क्रिकेटर ने अपनी याचिका में पूछा है कि आखिर किस आधार पर उनकी सुरक्षा हटाई गई। इसके साथ ही उन्होंने उस घटना पर कार्रवाई की मांग भी की है, जिसमें कथित तौर पर उनके घर के बाहर 'गद्दार' लिख दिया गया था और भीड़ ने हमला करने की कोशिश की थी।

इस मामले की सुनवाई करते हुए हाई कोर्ट ने पंजाब सरकार और केंद्र सरकार दोनों को नोटिस जारी करते हुए उनसे जवाब मांगा है। कोर्ट ने पंजाब सरकार से सुरक्षा समीक्षा के आधार पर जवाब मांगा है।

सुनवाई के दौरान कोर्ट ने पंजाब सरकार से यह स्पष्ट करने को कहा है कि किस आधार पर सुरक्षा समीक्षा करते हुए इसे हटाने का फैसला लिया गया। इसके साथ ही 'गद्दार' लिखे जाने की घटना पर अब तक क्या कार्रवाई हुई, इसकी जानकारी भी मांगी गई है।

उल्लेखनीय है कि कुछ दिनों पहले राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने आम आदमी पार्टी (आप) का साथ जोड़कर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का दामन थामा था। चड्ढा ने कहा था कि उनके सहित कई राज्यसभा सांसद भाजपा में शामिल होने वाले हैं। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान राघव चड्ढा ने पार्टी छोड़ने वाले अन्य सांसदों में उनके अलावा, संदीप पाठक, अशोक मित्तल, स्वाति मालीवाल, राजेंद्र गुप्ता और हरभजन सिंह का नाम लिया था।

इसके बाद रविवार को भगवंत मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार ने हरभजन सिंह की सुरक्षा वापस ली थी। राघव चड्ढा के इस बयान के बाद सियासी माहौल गर्मा गया था। पार्टी के कार्यकर्ताओं ने हरभजन सिंह के आवास के बाहर प्रदर्शन किया था। इस दौरान नारेबाजी भी हुई। कुछ घंटों बाद केंद्र सरकार ने मामले में हस्तक्षेप किया और हरभजन सिंह को सीआरपीएफ की ओर से वाई-कैटेगरी की सुरक्षा दी गई।

मलेशिया में खालिस्तान मूवमेंट करने की साजिश, आईएसआई का प्लान बेनकाब

नई दिल्ली। मलेशिया अब खालिस्तान के समर्थकों का अड्डा बन गया है और कहा जा रहा है कि वे अपना प्रोपेगेंडा चला रहे हैं और भारत में हमलों की साजिश भी रच रहे हैं। आईएसआई ने खालिस्तान के समर्थक टीम को मलेशिया भेजने से पहले कई बातों पर ध्यान दिया और उनकी एक प्राथमिकता उन्हें भारत के पास किसी भी देश में रखना थी।

यह इन लोगों की भारत में खालिस्तान मूवमेंट को फिर से शुरू करने की एक और कोशिश है। आईएसआई ने एक और बात का ध्यान रखा कि कनाडा और यूनाइटेड किंगडम जैसे देश अब ऑपरेशन के लिए मुमकिन नहीं हैं।

भारतीय एजेंसियां मलेशिया में हो रहे डेवलपमेंट पर करीब से नजर रख रही हैं। एक अधिकारी ने कहा कि जिस क्षेत्र पर नजर रखनी है, वह नारकोटिक स्मगलिंग का रास्ता है। आईएसआई और ये खालिस्तानी लोग भारत में ड्रग्स भेजने के लिए इसका इस्तेमाल करेंगे। अभी प्रोपेगेंडा ज्यादा चिंता की बात नहीं है, लेकिन नारको स्मगलिंग बहुत ज्यादा चिंता की बात है।

भारतीय एजेंसियों की बड़ी कार्रवाई की वजह से पंजाब में ड्रग्स की स्मगलिंग करना मुश्किल हो गया है। ड्रोन का इस्तेमाल करके नारकोटिक्स की स्मगलिंग की और कोशिशें पहले कामयाब हुई थीं, लेकिन आज एजेंसियों द्वारा डिटेक्शन रेट बहुत ज्यादा है।

इंटेलिजेंस ब्यूरो के एक अधिकारी का कहना है कि मलेशिया मॉड्यूल उतना बेशर्म नहीं होगा, जितना हमने कनाडा या ब्रिटेन में देखा है। ये लोग सड़कों पर उतरकर भारत विरोधी नारे नहीं लगाएंगे या तोड़-फोड़ नहीं करेंगे। आईएसआई नहीं चाहती कि यह मॉड्यूल कोई कट्टरपंथी सोच अपनाए और जांच के दायरे में आए। इसके बजाय, उसने एक ऐसा ऑपरेशन सुझाया है जिसे एजेंसियों के लिए ट्रेस करना मुश्किल होगा।

मलेशिया मॉड्यूल काफी छोटा होगा। इसके सदस्यों को पाकिस्तान से रिमोटली कंट्रोल किया जाएगा।

बांग्लादेश: मानवाधिकार कार्यकर्ता को धमकाने पर अंतरराष्ट्रीय संगठन ने खड़े किए सावल

डबलिन। बांग्लादेश के चिटगांव हिल ट्रैक्ट्स क्षेत्र की एक मानवाधिकार कार्यकर्ता को धमकाने और उसका उत्पीड़न किए जाने के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय संगठन ने चिंता जताई है।

आयरलैंड स्थित फ्रंट लाइन डिफेंडर्स ने बांग्लादेश सरकार से रानी यान यान को जारी चेतावनी पत्र तुरंत वापस लेने और इसके कानूनी आधार को स्पष्ट करने की मांग की है। संगठन ने यह भी कहा कि कार्यकर्ता के खिलाफ हर तरह की डराने-धमकाने की कार्रवाई बंद की जाए और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।

रानी यान यान चिटगांव हिल ट्रैक्ट्स (सीएचटी) के रंगामाटी इलाके में रहने वाली एक आदिवासी अधिकार कार्यकर्ता हैं। संगठन के मुताबिक, वह पिछले एक दशक से आदिवासी महिलाओं और युवाओं के सशक्तिकरण, सामाजिक न्याय और समानता के मुद्दों पर काम कर रही हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, रंगामाटी की डिप्टी कमिश्नर और जिला मजिस्ट्रेट नाजमा अशराफी ने 6 अप्रैल को गृह मंत्रालय के निर्देश पर रानी को एक औपचारिक चेतावनी पत्र जारी किया और उसे कई सरकारी दफ्तरों में भेजा।

इस पत्र में रानी पर आरोप लगाया गया कि उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बांग्लादेश सरकार और सेना के खिलाफ 'भ्रामक और गलत आरोप' लगाए और विभिन्न आदिवासी संगठनों को एकजुट करने की कोशिश की। साथ ही कहा गया कि उनकी गतिविधियां क्षेत्र की स्थिति को खराब कर सकती हैं।

प्रीमियर लीग से रेलिगेशन के बाद स्कॉट पार्कर ने बर्नले छोड़ी

बर्नले। स्कॉट पार्कर ने आपसी सहमति से बर्नले फुटबॉल क्लब के हेड कोच पद से इस्तीफा दे दिया है। क्लब ने गुरुवार को इसकी पुष्टि की। अब माइक जैक्सन मौजूदा सपोर्ट स्टाफ के साथ अंतरिम कोच की भूमिका निभाएंगे। जैक्सन की अगुवाई में टीम के बाकी चार प्रीमियर लीग मुकाबले खेले जाएंगे, जिसकी शुरुआत शुक्रवार को लीड्स यूनाइटेड के खिलाफ अवे मैच से होगी।

स्कॉट पार्कर का पद छोड़ना बर्नले के प्रीमियर लीग से रेलिगेशन के महज 8 दिन बाद हुआ। क्लब ने यह भी स्पष्ट किया है कि 2026/27 सीजन से पहले नए स्थायी मुख्य कोच की नियुक्ति की प्रक्रिया पहले ही शुरू कर दी गई है। बर्नले ने एक बयान में कहा, 'पिछले हफ्ते क्लब के प्रीमियर लीग से बाहर होने की पुष्टि के बाद, पार्कर और बोर्ड के बीच चर्चा हुई और आपसी सहमति से यह तय किया गया कि टर्फ मूर में उनका कार्यकाल अब समाप्त हो जाएगा।'

टर्फ मूर में अपने कार्यकाल के दौरान, पार्कर ने 2024/25 सीजन में क्लेरेट्स को एक रिकॉर्ड-तोड़ सीजन तक पहुंचाया। उन्होंने बर्नले को चैंपियनशिप से प्रीमियर लीग में प्रमोट करवाया, जिसमें 33 मुकाबलों की अजेय दौड़ शामिल थी और उन्होंने 30 क्लीन शीट का शानदार रिकॉर्ड भी बनाया। पार्कर ने 2024-25 सीजन से पहले जाने वाले विंसेंट कोम्पनी की जगह ली थी, उन्होंने बर्नले छोड़ने के बाद एक मैसेज में लिखा, 'पिछले 2 वर्षों से इस महान क्लब का नेतृत्व करना मेरे लिए एक बहुत बड़ा सौभाग्य रहा है। मैंने हमारी इस साझा यात्रा के हर पल का आनंद लिया है, लेकिन मुझे लगता है कि अब दोनों पक्षों के लिए अलग-अलग दिशाओं में आगे बढ़ने का सही समय आ गया है। मैं क्लब में अपने कार्यकाल के दौरान हमने जो कुछ भी हासिल किया, उस पर गर्व करता हूं, विशेष रूप से 2024/25 का हमारा अविस्मरणीय प्रमोशन सीजन। इस टीम को प्रीमियर लीग तक ले जाना मेरे लिए सम्मान की बात थी।' उन्होंने कहा, 'मैं एलन और क्लब के मालिक समूह को क्लब में मेरे कार्यकाल के दौरान उनके सहयोग के लिए धन्यवाद देना चाहूंगा। मेरा धन्यवाद पर्दे के पीछे काम करने वाले शानदार और अथक स्टाफ को भी जाता है।

एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप: ताशकंद में दमखम दिखाने को तैयार 56 भारतीय बॉक्सर

नई दिल्ली। 56 सदस्यों वाली भारतीय बॉक्सिंग टीम एशियन बॉक्सिंग अंडर-15 और अंडर-17 चैंपियनशिप 2026 में अपना अभियान शुरू करने के लिए पूरी तरह तैयार है। यह चैंपियनशिप शुक्रवार से उज्बेकिस्तान के ताशकंद में शुरू होगी।

भारत इस प्रतिष्ठित आयु-वर्ग टूर्नामेंट में लड़कों और लड़कियों, दोनों ही श्रेणियों में एक मजबूत और संतुलित टीम के साथ उतर रहा है। अंडर-17 टीमों में लड़कों और लड़कियों, दोनों ही श्रेणियों में 13-13 मुक्केबाज होंगे। ये मुक्केबाज 44-46 किलोग्राम से लेकर 80+ किलोग्राम भार वर्गों में मुकाबला करेंगे। प्रत्येक टीम के साथ चार कोच और एक फिजियोथेरेपिस्ट होंगे।

वहीं, अंडर-15 टीमों में लड़कों और लड़कियों, दोनों ही श्रेणियों में 15-15 बॉक्सर शामिल हैं। ये बॉक्सर 30-33 किलोग्राम से लेकर +70 किलोग्राम तक की श्रेणियों में मुकाबला करेंगे। प्रत्येक टीम के साथ पांच कोच और एक फिजियोथेरेपिस्ट होंगे।

टूर्नामेंट से पहले बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (बीएफआई) के अध्यक्ष अजय सिंह ने कहा, 'ये चैंपियनशिप हमारे युवा बॉक्सरों के लिए अंतरराष्ट्रीय अनुभव हासिल करने और एशिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के खिलाफ खुद को परखने का एक महत्वपूर्ण मंच हैं। पिछले दो वर्षों में, बॉक्सिंग ने खुद को भारत के सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले खेल के रूप में स्थापित किया है। इसने लगातार प्रमुख अंतरराष्ट्रीय आयोजनों में सबसे ज्यादा मेडल दिलाए हैं, जिनमें यूथ एशियन गेम्स जैसे बहु-खेल मुकाबले, साथ ही विश्व और महाद्वीपीय चैंपियनशिप शामिल हैं।'

उन्होंने कहा, 'यह लगातार मिली सफलता हमारे जमीनी स्तर के कार्यक्रम की बढ़ती गहराई को दर्शाती है। हमारे पास सभी आयु श्रेणियों में प्रतिभाशाली एथलीट्स का एक मजबूत ग्रुप है। हमें विश्वास है कि यह दल भारतीय बॉक्सिंग के लिए उभरती प्रतिभाओं और भविष्य के चैंपियनों की अगली पीढ़ी का प्रतिनिधित्व करता है।'

बिहार के राजस्व कर्मचारियों ने अनिश्चितकालीन हड़ताल वापस ली; 4 मई से काम पर लौटेंगे

पटना। बिहार में राजस्व कर्मचारियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल, जो 9 मार्च से जारी थी, गुरुवार को आधिकारिक तौर पर समाप्त कर दी गई।

यह फैसला बिहार राजस्व सेवा संयुक्त महासंघ ने लिया, जिससे पूरे राज्य में प्रशासनिक कामकाज को राहत मिली है।

इस घोषणा के साथ, सभी राजस्व कर्मचारी 4 मई से अपनी-अपनी पोस्टिंग पर काम पर लौटने के लिए तैयार हैं।

यह हड़ताल, जो सामूहिक छुट्टी के रूप में की गई थी, ने सार्वजनिक सेवाओं और रोजमर्रा के प्रशासनिक कामों पर काफी असर डाला था। संयुक्त मोर्चे के महासचिव रजनीश कांत ने कहा कि हड़ताल वापस लेने का फैसला जनता को होने वाली परेशानी को ध्यान में रखते हुए और शासन में निरंतरता बनाए रखने के लिए किया गया है। उन्होंने आगे कहा कि यह फ़ैसला मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में महासंघ के भरोसे को भी दिखाता है। महासंघ ने उम्मीद जताई कि राज्य सरकार जल्द ही राजस्व सेवा कैडर को मजबूत और सुव्यवस्थित करने के लिए ठोस कदम उठाएगी, और साथ ही 5 मार्च को सौंपे गए उनकी 11-सूत्रीय मांगों के चार्टर पर समय-सीमा के भीतर कार्रवाई करेगी।

महत्वपूर्ण मांगों में, संयुक्त मोर्चे ने फिर से जोर दिया है कि डिप्टी कलेक्टर (भूमि सुधार) के पद को पूरी तरह से राजस्व विभाग के प्रशासनिक और कार्यात्मक नियंत्रण में लाया जाए, और बिहार राजस्व सेवा के अधिकारियों की सभी कैडर-निर्धारित पदों पर उचित नियुक्ति या प्रभार का आवंटन सुनिश्चित किया जाए।

उत्तराखंड मंत्रिमंडल ने 17 अहम प्रस्तावों को दी मंजूरी, कई नियमावली में संशोधन

देहरादून। उत्तराखंड मंत्रिमंडल की बैठक में गुरुवार को विभिन्न विभागों से जुड़े 17 अहम प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। बैठक में परिवहन, औद्योगिक विकास, शिक्षा, वन, अल्पसंख्यक कल्याण समेत कई क्षेत्रों में नीतिगत फैसले लिए गए।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बताया कि कैबिनेट बैठक में राज्य के समग्र विकास, सुशासन और जनकल्याण को केंद्र में रखते हुए अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। परिवहन व्यवस्था को सशक्त बनाने, विधिक सेवाओं को अधिक प्रभावी और समावेशी बनाने, खनन नियमों में आवश्यक संशोधन तथा वन सेवा व्यवस्था को अधिक सक्षम बनाने की दिशा में ये फैसले प्रदेश के विकास को नई गति देंगे। हमारी सरकार जनहित सर्वोपरि के संकल्प के साथ उत्तराखंड के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर कार्यरत है। सबसे प्रमुख निर्णय के तहत मोटर यान (संशोधन) नियमावली 2026 को कैबिनेट की स्वीकृति मिल गई। इसके तहत परिवहन विभाग में पूर्व में सृजित पदों के सापेक्ष वर्दी निर्धारण को भी मंजूरी दी गई है। अब पुलिस विभाग के अनुरूप प्रवर्तन चालकों के लिए भी वर्दी तय की जाएगी।

हरिद्वार में प्रस्तावित कुंभ मेला 2027 के स्थायी एवं अस्थायी निर्माण कार्यों की स्वीकृति प्रक्रिया को सरल बनाया गया है। अब 1 करोड़ रुपए तक के कार्य मेलाधिकारी और 5 करोड़ रुपए तक के कार्य गढ़वाल मंडल के आयुक्त स्तर से स्वीकृत होंगे। इससे अधिक लागत वाले कार्यों के लिए पूर्व की तरह शासन से मंजूरी आवश्यक होगी।

उत्तराखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (संशोधन) नियमावली 2026 को मंजूरी देते हुए जिला सैनिक कल्याण अधिकारी को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण में पदेन सदस्य बनाया गया है। साथ ही एसिड अटैक पीड़ितों को भी नि:शुल्क विधिक सेवाओं के दायरे में शामिल किया गया है।

संपादकीय

कंकाल से उपजते व्यवस्था पर सवाल

महेन्द्र तिवारी

ओडिशा के क्योंझर जिले से आई कंकाल ढोने की खबर ने देश की सामूहिक चेतना को इस कदर झकझोर दिया कि उसने आधुनिक भारत के विकास और डिजिटल साक्षरता के दावों पर कई गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए। यह घटना केवल एक व्यक्ति के निजी दुख या उसकी अज्ञानता की कहानी नहीं है बल्कि यह उस अमानवीय स्थिति का जीवंत चित्रण है जहाँ एक निर्धन और असहाय नागरिक को अपनी मृत बहन के कंकाल को लेकर बैंक की दहलीज तक जाना पड़ा। 19402 रुपये की एक ऐसी राशि जो किसी संपन्न व्यक्ति के लिए बहुत मामूली हो सकती है पर एक गरीब के लिए वह उसके जीवन भर की संचित पूंजी थी। इस छोटी सी राशि को प्राप्त करने के लिए एक भाई का यह भयावह कदम समाज की संवेदनहीनता और हमारे प्रशासनिक ढांचे की चरम विफलता का एक ऐसा प्रमाण है जिसे इतिहास कभी भुला नहीं पाएगा। यह घटना स्पष्ट रूप से दर्शाती है कि जब सरकारी नियम और कानून मानवीय संवेदनाओं से ऊपर हो जाते हैं तो व्यवस्था किस प्रकार एक नागरिक को अपमानित और लाचार बना देती है। बहन की मृत्यु के लगभग 2 महीने बीत जाने के बाद भी जब वह व्यक्ति अपनी छोटी सी जमा राशि को प्राप्त करने के लिए दर-दर भटकता रहा तो उसकी गहरी हताशा ने उसे इस मार्ग को चुनने पर विवश कर दिया। वह व्यक्ति लगभग 3 किलोमीटर की लंबी दूरी तय करते हुए उस कंकाल को कंधे पर लादकर बैंक तक पहुंचा ताकि वह वहां बैठे अधिकारियों को यह अंतिम और अकाट्य प्रमाण दे सके कि उसकी बहन अब वास्तव में इस दुनिया में नहीं है। इस दृश्य ने न केवल वहां उपस्थित लोगों को स्तब्ध कर दिया बल्कि इसने पूरे देश के प्रशासनिक और बैंकिंग तंत्र की खामियों को भी सार्वजनिक रूप से नग्न कर दिया।

इस घटना की पृष्ठभूमि में यदि हम गहराई से उतरें तो यह स्पष्ट होता है कि भारत में एक मृत्यु प्रमाण पत्र केवल एक कागज का टुकड़ा नहीं है बल्कि यह एक ऐसा कानूनी दस्तावेज है जिसके बिना व्यक्ति का अस्तित्व समाप्त होने के बाद भी उसकी संपत्तियां और अधिकार एक कानूनी जाल में फंसे रहते हैं। भारत के नियमों के अनुसार किसी भी व्यक्ति की मृत्यु का पंजीकरण 21 दिनों के भीतर कराना अनिवार्य होता है। यह अवधि बीत जाने के बाद प्रक्रिया और भी जटिल हो जाती है जिसमें शपथ पत्र और विभिन्न स्तरों पर सत्यापन की आवश्यकता होती है। क्योंझर के उस आदिवासी व्यक्ति के पास न तो शिक्षा थी और न ही उसे इन जटिल कानूनी प्रक्रियाओं का कोई ज्ञान था। उसके लिए उसकी बहन की मृत्यु एक अपूरणीय क्षति थी लेकिन व्यवस्था के लिए वह केवल एक आंकड़ा भर थी जिसके लिए दस्तावेजों की पूर्ति अनिवार्य थी। जब वह व्यक्ति पहली बार बैंक गया होगा तो शायद उसे नियमों का हवाला देकर लौटा दिया गया होगा। उसके पास मृत्यु प्रमाण पत्र नहीं था और न ही वह कानूनी उत्तराधिकारी होने का कोई ठोस प्रमाण प्रस्तुत कर पा रहा था। यहाँ बैंकिंग प्रणाली की सुरक्षा और पारदर्शिता के तर्क तो सही हो सकते हैं लेकिन जिस संवेदनशीलता के साथ ऐसे मामलों का निपटारा किया जाना चाहिए था उसका वहां पूर्ण अभाव दिखा। बैंक अधिकारियों का यह कहना कि उन्होंने केवल कानूनी दस्तावेजों की मांग की थी और कभी भी मृत शरीर की उपस्थिति नहीं मांगी थी तकनीकी रूप से सही हो सकता है लेकिन एक अशिक्षित व्यक्ति की दृष्टि से यह उसकी असफलता और निराशा का अंत था। यह त्रासदी तीन मुख्य स्तरों पर हुई विफलता का परिणाम है। पहला स्तर प्रशासनिक है जहाँ स्थानीय प्रशासन और पंचायत स्तर पर उस व्यक्ति को कोई सहयोग प्राप्त नहीं हुआ। यदि स्थानीय प्रशासन ने समय पर मृत्यु प्रमाण पत्र जारी करने में उसकी सहायता की होती या उसे सही दिशा दिखाई होती तो शायद उसे इस अपमानजनक स्थिति से नहीं गुजरना पड़ता। दूसरा स्तर जागरूकता की कमी है जो हमारे देश के सुदूर ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में आज भी एक बड़ी समस्या बनी हुई है। सरकारें भले ही डिजिटल इंडिया का नारा देती हों लेकिन धरातल पर आज भी एक बड़ा वर्ग ऐसा है जिसे यह नहीं पता कि एक सामान्य प्रमाण पत्र प्राप्त करने की प्रक्रिया क्या है। तीसरा और सबसे महत्वपूर्ण स्तर संस्थागत संवेदनशीलता का है। बैंक जैसे वित्तीय संस्थानों में नियम अत्यंत कठोर होते हैं क्योंकि वहां धन की सुरक्षा का प्रश्न होता है। लेकिन क्या नियमों की इस कठोरता में मानवीय विवेक के लिए कोई स्थान नहीं होना चाहिए? जब एक व्यक्ति बार-बार आकर अपनी विवशता बता रहा था तो क्या बैंक प्रबंधक या स्थानीय अधिकारी किसी वैकल्पिक सत्यापन की प्रक्रिया को नहीं अपना सकते थे? इस पूरी घटना का सबसे विडंबनापूर्ण पहलू यह है कि जिस प्रशासनिक तंत्र ने उस व्यक्ति को महीनों तक चक्कर कटवाए उसी तंत्र ने इस घटना के तूल पकड़ते ही मात्र कुछ घंटों के भीतर सारे दस्तावेज तैयार कर दिए। जैसे ही यह मामला समाचारों की सुर्खियों में आया और उच्च अधिकारियों तक पहुंचा तो उसी दिन मृत्यु प्रमाण पत्र और कानूनी उत्तराधिकारी प्रमाण पत्र जारी कर दिए गए। यहाँ तक कि बैंक ने भी तुरंत 19402 रुपये की राशि संबंधित वारिसों को हस्तांतरित कर दी। यह गतिशीलता इस बात का प्रमाण है कि हमारी व्यवस्था अक्षम नहीं है बल्कि वह उदासीन है। जब तक कोई मामला राष्ट्रीय स्तर पर शर्मिंदगी का कारण नहीं बनता तब तक फाइलों के पहिए नहीं घूमते। यदि यही सक्रियता दो महीने पहले दिखाई गई होती तो उस व्यक्ति को अपनी बहन के अवशेषों के साथ 3 किलोमीटर तक पैदल चलकर समाज को अपनी विवशता का यह भयावह प्रदर्शन नहीं करना पड़ता।

आध्यात्मिक-पत्रकारिता की प्रेरक शताब्दी

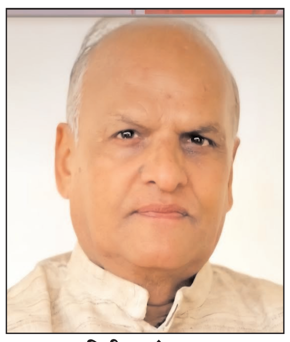

गिरीश पंकज

पिछली शताब्दी साहित्यिक पत्रकारिता की शताब्दी रही। सन् 1900 में प्रयागराज से 'सरस्वती' नामक पत्रिका निकाली। इसी समय छत्तीसगढ़ से पंडित माधवराव सप्रे ने 'छत्तीसगढ़ मित्र' नामक मासिक पत्रिका का प्रकाशन शुरू किया। और उसके बाद से विभिन्न शहरों से साहित्यिक पत्रिकाओं का प्रकाशन शुरू हुआ। 2027 में इंदौर से 'वीणा' का प्रकाशन शुरू हुआ। लेकिन एक युगांतरकारी घटना घटित हुई सन 1926 में, जब स्वप्नदर्शी चिंतक हनुमानप्रसाद पोद्दार जी के सम्पादन में 'कल्याण' का प्रकाशन शुरू हुआ। हालांकि गीता प्रेस की स्थापना सन 1923 में हो गई थी, जयदयाल गोयंदका , घनश्याम दास जालान और हनुमानप्रसाद पोद्दार आदि कुछ धर्मप्राण लोगों के मन में यह भाव जाग्रत हुआ कि समाज को धार्मिक और आध्यात्मिक दृष्टि से भी समृद्ध करने की दिशा में कुछ प्रयास होना चाहिए। साहित्य अगर मनुष्य के दिमाग को विकसित करता है, तो धर्म या आध्यात्मिकता मनुष्य की आत्मा को परिमार्जित करते हैं। यही सोचकर सन् 1926 में हनुमानप्रसाद पोद्दार जी के कुशल सम्पादन में 'कल्याण' नामक पत्रिका की शुरुआत हुई। इनको लोग सम्मानवश 'भाई जी' भी कहा करते थे। आप बड़े क्रांतिकारी भी थे। अंग्रेज़ों ने इन्हें राजद्रोह के आरोप में गिरफ्तार करके जेल भेज दिया था। भाईजी जीवनपर्यंत इस पत्रिका के संपादक रहे, और पत्रिका में समय-समय पर महान् चिंतन लिखते रहे और फिर इतिहास रच कर चले गए। सन् 1971 में उनका देवलोकगमन हुआ। उनके जाने के बाद भी कल्याण निरंतर प्रकाशित होती रही। बाद में आए संपादकों ने भी 'कल्याण' की तेजस्विता को कम नहीं होने दिया । देखते-ही-देखते कुछ वर्षों में गीता प्रेस ने पूरे देश और विदेश में एक ऐसा वातावरण निर्मित कर दिया, जिसने आम पाठकों के मन-मस्तिष्क में धर्म-कर्म और आध्यात्मिक के प्रति गहरी अभिरुचि जाग्रत कर दी। जो कार्य अपने समय में गोस्वामी तुलसीदास जी ने 'रामचरितमानस' के माध्यम से किया, लगभग वही कार्य बीसवीं शताब्दी में 'कल्याण' ने किया। यानी लोक जागरण, लोक परिमार्जन का। समय-समय पर निकलने वाले 'कल्याण' के संग्रहणीय विशेषांकों ने वैचारिक क्रांति की। हर जागरुक सनातनी भारतीय के घर में 'कल्याण' के न केवल अंक वरन् उनके संग्रहणीय विशेषांक मिल ही जाते थे। आज भी यही स्थिति है। हो सकता है, संख्या में कुछ कमी आई हो, लेकिन अब भी करोड़ों लोग 'कल्याण' और उसके विशेषांकों के दीवाने हैं।

एक लेखक के नाते मैंने यह महसूस किया है कि मेरी लेखनी में लोकमंगल के प्रारम्भिक संस्कार गीता प्रेस के किशोरोपयोगी साहित्य और बाद में 'कल्याण' को पढ़कर ही विकसित हुए। पिताजी बनारस में खादी भंडार में अपनी सेवाएं दे रहे थे और किशोर क्रांतिकारी थे। वह नियमित रूप से गीता प्रेस के साहित्य को खरीद कर उसका अध्ययन करते थे। बाद में ये सारी पुस्तकें मेरे काम आईं। इनका मनन करके मैंने आप अपने आप को लेखन की दुनिया में थोड़ा बहुत संपुष्ट किया। बहुत बाद में मैंने अनेक आध्यात्मिक दोहे 'कल्याण' के विभिन्न लेखों से प्रेरित हो कर लिखे। खासकर वेद-पुराण, उपनिषदों के जो अनुवाद 'कल्याण' में प्रकाशित हुए, उसने मुझे आध्यात्मिक शक्ति दी। कल्याण का जब 'गौ अंक' प्रकाशित हुआ, तो उससे प्रेरित होकर मैंने एक उपन्यास

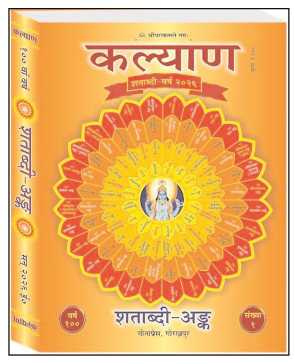

की रचना की, जिसका नाम है 'एक गाय की आत्मकथा'। इस उपन्यास को लिखने के लिए 'गौ अंक' ने मेरी बड़ी सहायता की। मैंने उनका आभार ज्ञापन भी उपन्यास के अंत में किया। आज भी 'कल्याण' के हर अंक मुझे नित नवीन करते रहते हैं। साहित्य के विद्यार्थी के नाते मैं साहित्य के साथ ही 'कल्याण' का गहन अध्येता हूँ। कल्याण को एक श्रद्धालु के साथ ही एक जिज्ञासु के रूप में पढ़ने की कोशिश करता हूँ। पढ़ने से ज्यादा सुंदर शब्द होगा कि मैं 'कल्याण' का मनन करता हूँ। इस मनन ने मुझे लीक से हटकर लेखन के नूतन अभिनव संस्कार दिए। मैं इसे अपना परम् सौभाग्य मानता हूँ कि 'कल्याण' के 'गंगा अंक' में मेरा एक गीत प्रकाशित हुआ। बाद के दो सामान्य अंकों में दो वैचारिक लेख भी प्रकाशित हुए। हालांकि जो तथाकथित साहित्यकार हैं, वे मेरे कल्याण में छपने के कारण नाक-भौं सिकुड़ने लगे और कहने लगे कि 'यह कल्याणछाप लेखक है ' लेकिन सच कहूँ, तो यह टिप्पणी ने मुझे गौरव से भर दिया। मैंने दो टूक उत्तर दिया कि 'इस कल्याणछाप लेखक ने ही अनेक सुंदर कृतियों की रचना की है, जिसमें 'एक गाय की आत्मकथा' जैसा उपन्यास शामिल है। व्यक्तित्व विकास को बढ़ाने वाली कृति 'स्वर्णिम जीवन के अनमोल टिप्स' भी मैं 'कल्याण' पढ़कर ही लिख सका।

गीता प्रेस, गोरखपुर ने घाटा उठाकर लागत मूल्य में अनेक पुस्तकें प्रकाशित कीं। जबकि दूसरे व्यावसायिक प्रकाशक मुनाफाखोरी में लगे रहते हैं। लेकिन गीता प्रेस ने कभी भी प्रकाशन को व्यवसाय नहीं बनाया। वरन् इसे लोक कल्याण के लिए समर्पित यज्ञ की तरह देखा। कई बार मैं सोचता हूँ कि अगर हमारे तथाकथित प्रगतिशील साहित्यकार 'कल्याण' के नियमित पाठक होते, तो उनकी साहित्यिक रचनाओं का रंग कुछ और होता। तब वे समलैंगिकता के महिमामंडन पर लिखकर समाज को दिशाहीन करने की कोशिश नहीं करते। नग्नता को स्त्री का अधिकार घोषित करने की भूल नहीं करते। लिव-इन रिलेशन जैसे मुद्दों पर अश्लील लेखन नहीं करते। आज समाज और साहित्य में अश्लीलता की भरमार है। इसके पीछे सबसे बड़ा कारण यही है कि हमारा अधिकांश समकालीन साहित्य-लेखन आधुनिकता के रौ में बहकर दिशाहीन हो चुका है। वह समाज को और पतन की ओर ले जाने पर आमादा है। लेकिन धारा के विपरीत बहते हुए 'कल्याण' जैसी पत्रिका योग,धर्म और अध्यात्म की त्रिवेणी बहा कर अपने पाठक के निरंतर पुनर्निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है। मैं तो यहाँ तक कहना चाहता हूँ कि अगर समाज में नैतिक मूल्यों की प्रतिस्थापना करनी है, तो देश भर के हर शैक्षणिक संस्था में 'कल्याण' की एक प्रति अवश्य उपलब्ध कराई जानी चाहिए। हर पुस्तकालय में 'कल्याण' के अंक होने चाहिए, जिसे पढ़कर नई पीढ़ी अपनी परंपरा, संस्कृति, अपने सनातन मूल्यों से परिचित हो सके। कल्याण की बोध कथाएँ, कल्याण के लेख पढ़ कर बच्चों में नैतिक संस्कार जाग्रत् होंगे। इस पत्रिका का आचमन करके ही बच्चे अपने अतीत को समझ सकेंगे। हमारे धर्मग्रंथों में पौराणिक आख्यानों के माध्यम से कितनी महान् बातें बताई गई हैं। यह सब 'कल्याण' के माध्यम से लोगों को पता चलता रहता है। प्राचीनतम धर्म ग्रंथों के हिंदी अनुवाद पढ़कर मैं अभिभूत होता हूँ। और अनेक बार ऐसा हुआ है कि मैं उस आधार पर अपने लेखन को परिमार्जन करता हूँ। अपनी कुछ कथा-कहानियों में मैंने 'कल्याण' में वर्णित घटनाओं या तथ्यों का उल्लेख भी किया है। नियमित स्तम्भ 'पढ़ें, समझें और करें' पढ़ कर मुझे हर बार कुछ-न-कुछ प्रेरणा मिलती है। 'शताब्दी वर्ष' में मेरी ही नहीं, करोड़ों भारतवासियों की हार्दिक इच्छा यही है कि 'कल्याण' इसी तरह निरंतर निकलती रहे, गीता प्रेस के पावन साहित्य निरंतर प्रकाशित होते रहें। यह संतोष की बात है कि गीता प्रेस ने भारतीय भाषाओं और अँग्रेज़ी में भी अपने साहित्य का प्रकाशन शुरू कर दिया है। इस कारण दक्षिण और विदेश में भी गीता प्रेस लोकप्रिय हो रहा है। जो सनातन संस्कृति की बात करते हैं, उन अभिभावकों का यह परम् दायित्व है कि अपने बच्चों को गीता प्रेस, गोरखपुर के सत् साहित्य से परिचित कराते रहें। इस महंगाई के ज़माने में आज भी गीता प्रेस की पुस्तकें अपेक्षाकृत काफी सस्ती हैं। उन्हें खरीद कर पढ़ना चाहिए और और अवसर विशेष पर स्वजनों को भेंट भी देना चाहिए । यह एक तरह से सामाजिक उन्नयन का भी काम होगा। जो काम या मार्गदर्शन हम बच्चों को बोलकर नहीं कर सकते, वह काम गीता प्रेस के साहित्य को पढ़वा कर भी कर सकते हैं। साहित्य-संस्कृति के विनम्र पाठक-लेखक के नाते मैं गीता प्रेस का आभारी हूँ कि उन्होंने मुझे भटकने से रोका वरना अगर तथाकथित प्रगतिशील साहित्य और उसको प्रकाशित करने वाली तथाकथित साहित्यिक पत्रिकाओं को ही पढ़ता रह जाता, तो शायद अनैतिक, अनुपयोगी लेखन की दिशा की ओर ही प्रवृत्त रहता। लेकिन गीता प्रेस और 'कल्याण' ने मुझे बचा लिया। मैं तथाकथित साहित्यिक गटरधारा के विपरीत बहते हुए अपनी सनातनी गंगा की धारा में प्रवहमान रहते हुए श्रेष्ठ साहित्य सृजन में रत रहा। उम्मीद करता हूँ कि निरंतर अविराम यात्रा करके शताब्दी तक पहुँचने वाली विश्वस्तरीय इस धर्मप्राण पत्रिका के महत्व को नई पीढ़ी के लोग भी समझेंगे और एक बार फिर घर-घर में कल्याण के अंक और गीता प्रेस का प्रेरक साहित्य नजर आएगा। अब तो ऑनलाइन आदेश देकर भी गीता प्रेस के सत् साहित्य को घर बुलाया जा सकता है। गीता प्रेस को पहले की भाँति देशभर में अपने चलित वाहन के द्वारा भ्रमण करके साहित्य के प्रचार पुन: शुरू करना चाहिए। और सन् 2026 को 'आध्यात्मिक पत्रकारिता वर्ष' के रूप में मनाते हुए 'घर-घर गीता प्रेस, घर-घर कल्याण' जैसा कोई अभियान भी शुरू करना चाहिए।

सर्वेक्षणों का वैज्ञानिक विश्लेषण

डॉ मुकेश गर्ग असीमित

जनता मूर्ख नहीं होती, उसे मूर्ख मान लेना सुविधाजनक होता है। लोकतंत्र में जनता की समझ उतनी ही उपयोगी मानी जाती है, जितनी सरकारी दफ्तर में लगी शिकायत-पेटी। चुनाव आते ही नेता वादों की मिठाइयों की दुकान खोल देते हैं और उसके ठीक बगल में ओपिनियन पोल वालों का स्टॉल सज जाता है। नेता वादे बेचते हैं, सर्वे वाले माहौल बेचते हैं और अंत में जनता की समझ का वैज्ञानिक श्राद्ध बड़ी श्रद्धा से किया जाता है।

हमारे देश में दो चीज़ें कभी बंद नहीं होतीं, उम्मीद और ओपिनियन पोल। वोट देने के बाद जनता घर लौटकर प्याज, आलू, स्कूल फीस, बेरोज़गारी और बिजली बिल की चिंता करना चाहती है, पर लोकतंत्र की वैज्ञानिक संस्थाएँ उसे रास्ते में रोककर पूछती हैं, 'भैया, वोट किसे दिया?' वह कहता है, 'दे दिया यार किसी को भी। जो आया माँगने, उसी को दे दिया। अब हमारे जात का खड़ा ही नहीं हुआ कि सोचते। गर्मी बहुत थी भैया, कौन लाइन में लगे!' लेकिन सर्वे कंपनी के रिकॉर्ड में दर्ज होता है, 'मतदाता जाति से ऊपर उठ चुका है और लोकतंत्र के प्रति अत्यंत जागरूक है।

सर्वे नेताओं के लिए परिणाम से पहले जीत का स्वाद चखने की व्यवस्था हैं। जो हारने वाला है, उसे कम से कम तीन दिन तक विजेता जैसा महसूस करा दिया जाता है। वह पटाखे फोड़ लेता है, जलेबी बाँट लेता है, ढोल वालों से कार्यकर्ताओं को ठुमके लगवा लेता है। फिर वास्तविक परिणाम आते हैं और जश्न मनाने का अवसर दूसरे खेमे को मिल जाता है। इस तरह लोकतंत्र में उत्सव कभी बंद नहीं होता, केवल माला पहनने वाला चेहरा बदल जाता है।

पहले सर्वे वाले सीधे बता देते थे कि फलाँ पार्टी जीत रही है। समस्या यह हुई कि अक्सर दूसरी पार्टी जीत जाती थी। अब उन्होंने भारतीय प्रशासनिक बुद्धिमत्ता अपना ली है। वे कहते हैं, 'पार्टी क को 0 से 450 सीटें मिल सकती हैं। पार्टी ख को 10 से 370 सीटें मिल सकती हैं। निर्दलीय 10 से 120 सीटों पर असर डाल सकते हैं। 100 सीटों पर कांटे की टक्कर है।' भविष्यवाणी इतनी व्यापक कर दी जाती है कि परिणाम कहीं भी जाए, भविष्यवक्ता सही ही निकलता है।

सर्वे की भाषा मौसम विभाग की भाषा की सगी बहन है। मौसम विभाग कहता था, 'जहाँ बादल हैं, वहाँ बारिश हो सकती है। जहाँ बादल नहीं हैं, वहाँ सूखा रह सकता है। इक्का-दुक्का छींटे भी पड़ सकते हैं।' सर्वे वाला कहता है, 'जहाँ मतदान हुआ है, वहाँ परिणाम आ सकते हैं। जहाँ मतदाता चुप हैं, वहाँ बड़ा उलटफेर संभव है। कुछ सीटें निर्णायक हो सकती हैं।' दोनों का उद्देश्य भविष्य बताना नहीं, भविष्य से सुरक्षित दूरी बनाए रखना होता है।

इन सर्वेक्षणों का वैज्ञानिक विश्लेषण करने पर पता चलता है कि सर्वे करने वाले प्राय: ऐसे युवा होते हैं जो बारहवीं में सम्मानजनक ढंग से असफल हुए हैं। हाथ में मोबाइल, आँखों में जासूसी कैमरा और चेहरे पर शोधार्थी जैसी गंभीरता लिए वे चाय की दुकान, बस स्टैंड, सब्जी मंडी या पान की गुमटी को राष्ट्रीय नमूना मान लेते हैं। पाँच सौ लोगों से पूछकर 140 करोड़ लोगों की आत्मा पढ़ लेते हैं।

सवाल भी ऐसे पूछे जाते हैं कि मूर्ख से मूर्ख आदमी स्वयं को महामनीषी समझने लगे। 'क्या आप विकास चाहते हैं?' अब कौन अभागा कहेगा कि नहीं, हमें विकास से एलर्जी है। 'क्या महँगाई बढ़ी है?' आदमी जेब टटोलता है, फिर सम्मान बचाते हुए कहता है, 'हाँ, कुछ तो बढ़ी है।' टीवी पर फ्लैश होता है, 'जनता महँगाई को मुद्दा मानती ही नहीं है, नेतृत्व पर भरोसा कायम है ।' उसी समय वह आदमी आधा किलो प्याज महँगा देखकर दुकान से लौट चुका होता है।

चाय की दुकान पर अक्सर वोट किसे दिया है यह पूछने पर कूटनीतिक जबाब 'वैसे वोट उसे ही दिया है जो जीतेगा।' इस एक वाक्य में भारतीय मतदाता की पूरी कूटनीति छिपी है।

मजदूर दिवस पर विशेष

हे! मजदूरों तुम्हें नमन

सतीश उपाध्याय

जो धरती की माटी लेकर
माथे तिलक लगाते हैं ,
जो खेतों से राजपथों तक
श्रम के गीत सुनाते हैं.
जिनके भीतर जलती रहती
सूरज जैसे कोई अगन
हे! मजदूरों तुम्हें नमन
हे! श्रमवीरों तुम्हें नमन ।
जिनका स्वेद गिरे धरा पर
वो चंदन बन जाता है
चट्टानों को काट-काट जो
गीत विजय के गाता है ।
संघर्षों में तपकर भी
अंदर जिंदा रखे लगन
हे! मजदूरों तुम्हें नमन
हे !श्रम वीरों तुम्हें नमन।

जो माटी को सींच रहे हैं
अपने खून पसीने से
और संवरती है ये धरती
श्रम के इसी नगीने से।

जिनके भीतर है पलती
पर्वत जैसी ठोस लगन
हे! मजदूरों तुम्हें नमन
हे ! श्रमवीरों तुम्हें नमन ।

जिनका जीवन है अर्पित
राष्ट्र के निर्माणो में
आंखों में विश्वास बसा है
मेहनत जिनके प्राणों में ।
ये माटी के सच्चे सैनिक
जो रखते खुशहाल वतन ।
हे! मजदूरों तुम्हें नमन
हे ! श्रमवीरों तुम्हें नमन। ।

कृष्ण-कुटी, वार्ड नंबर - 10, अग्रवाल लाज के पास मनेंद्रगढ़ जिला - एम.सी.बी छत्तीसगढ़ मो. 9300091563 satishupadhyay36@gmail.com

तीर तेवर — सागर कुमार

व्यंग्य केसरी

पान के नियम बदलने की पंचायत

वीरेंद्र बहादुर सिंह

पान की दुकान पर जमा भीड़ अभी 'धुरंधर टू' का रिव्यू, ईरान युद्ध का विश्लेषण और बंगाल चुनाव के नतीजे मतदान से पहले ही घोषित करने में लगी थी कि तभी पक्का पंचायतिया एंट्री मार गया।

'अरे, ये सब छोड़ो। किसी को पता है कि सरकार ने पान के नियम बदल दिए हैं?'

'ओ तेरी।' चच्चू ने ऐसे कहा जैसे पान में तंबाकू की जगह चूना ज्यादा पड़ गया हो, 'मतलब अब हमें नियम के अनुसार ही पान खाना पड़ेगा?'

गुल्लू ने थूकते-थूकते ही कहा, 'सरकार का क्या भरोसा! पान खाने के बाद थूकने के भी नियम बना दिए होंगे।'

पक्का खांसकर बोला, 'यही तो बात है। सरकार को पता है कि इस देश में पान खाने वालों की सबसे बड़ी आबादी है। इसलिए इतनी बड़ी आबादी भड़क न जाए, इसीलिए ये खबर दबा दी गई है।'

पक्का ऐसे बोला, जैसे पाकिस्तान से किसी आतंकी साजिश की सूचना भारतीय खुफिया एजेंसियों को दे रहा हो, 'पहली बात तो यह कि कोई भी खाली पेट पान नहीं खाता। '

गुल्लू रोने जैसे स्वर में बोला, 'मैं तो हमेशा आधा पान ही खाता हूं। आज से मैं पानवाले को कहूंगा कि मेरा रिकॉर्ड रखे।'

पक्का ने दूसरा बम फोड़ा, 'जैसे सरकार ने तंबाकू उत्पादों पर भारी टैक्स लगाया है, वैसे ही पान खाने वालों पर भी सफाई टैक्स लगाने वाली है।'

सोलू ने तुरंत विरोध किया, 'ऐसा कैसे? मैं तो कभी सार्वजनिक जगह पर थूकता ही नहीं। यहां दुकान के पास डिब्बे में थूकता हूं और घर पर भी मैंने अलग डिब्बा रखा है। मैं ये टैक्स नहीं दूंगा।'

चच्चू बोला, 'मेरे जैसे बिना तंबाकू वाले पान खाने वालों को भी टैक्स देना पड़ेगा?'

पक्का हंसते हुए बोला, 'देखो भाई, सरकारी काम में तो पहले टैक्स भरना पड़ता है और बाद में रिफंड लेना पड़ता है।'

सोलू कुछ बोलता उससे पहले ही पक्का ने नई जानकारी दी, 'सरकार ये भी जांच करेगी कि पान खाने वाले लोग भरपेट खाना खाते हैं तो उनके घर में खाना पाइप्ड गैस से बनता है या सिलेंडर से? अगर सिलेंडर से बनता है तो वह कहां से आया, उसका स्रोत भी बताना पड़ेगा।

इसके अलावा दिन में कितने पान खाए जा सकते हैं, पान की दुकान पर कितनी देर खड़े रह सकते हैं और पानवाले से कितने दिन और कितनी रकम तक उधार ले सकते हैं, इन सब पर भी नियम बनने वाले हैं।

चच्चू पानवाले के पास जाकर बोला, 'यार, मैं तो रोज कैश में पैसे दे देता हूं। तो क्या अब मुझे कम से कम कुछ दिन उधार रखना ही पड़ेगा?'

पानवाला हंसते हुए बोला, 'ये पक्का सबको बेवकूफ बना रहा है। सरकार ने पान यानी परमानेंट अकाउंट नंबर (PAN कार्ड) के नियम बदले हैं, इस पान के नहीं।'

इतिहास

30 अप्रैल को इतिहास में कई महत्वपूर्ण घटनाएँ दर्ज हैं। 1789 में जॉर्ज वाशिंगटन संयुक्त राज्य अमेरिका के पहले राष्ट्रपति बने। 1945 में एडोल्फ हिटलर ने बर्लिन में आत्महत्या की और सोवियत सेना ने बर्लिन पर कब्ज़ा किया। 1975 में वियतनाम युद्ध समाप्त हुआ और साइगॉन का पतन हुआ। इसके अलावा, 1994 में दक्षिण अफ्रीका में नेल्सन मंडेला राष्ट्रपति बने। 30 अप्रैल की प्रमुख ऐतिहासिक घटनाएँ: 1006: इतिहास का सबसे चमकीला सुपरनोवा (SN 1006) पहली बार दिखाई दिया। 1789: जॉर्ज वाशिंगटन ने न्यूयॉर्क में संयुक्त राज्य अमेरिका के पहले राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली। 1939: न्यूयॉर्क विश्व मेले में 'नेशनल ब्रॉडकास्टिंग कंपनी' (NBC) ने पहली बार सार्वजनिक टेलीविजन प्रसारण किया। 1945: हिटलर ने आत्महत्या की और अमेरिकी सैनिकों ने डाचाऊ एकाग्रता शिविर को मुक्त कराया।

गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुआ बाजार, सेंसेक्स और निफ्टी 0.7 प्रतिशत फिसले

मुंबई। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव के कारण ब्रेंट क्रूड की कीमतों में उछाल आने से वैश्विक बाजारों में गिरावट के चलते गुरुवार को भी भारतीय शेयर बाजार गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुआ। यह इस हफ्ते का दूसरा कारोबारी सत्र है जब घरेलू बाजार में बिकवाली का दबाव देखने को मिला।

बाजार बंद होने के समय 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 582.86 अंकों यानी 0.75 प्रतिशत की गिरावट के साथ 76,913.50 पर ट्रेड करते नजर आया, तो वहीं एनएसई निफ्टी50 180.10 (0.74 प्रतिशत) अंक गिरकर 23,997.55 पर पहुंच गया।

दिन के कारोबार के दौरान सेंसेक्स 77,014.21 पर खुलकर 77,254.33 का इंट्रा-डे हाई और 76,258.86 का इंट्रा-डे लो बनाया। वहीं निफ्टी50 23,996.95 पर खुलकर 24,087.45 का इंट्रा-डे हाई और 23,796.85 का इंट्रा-डे लो बनाया।

इस दौरान व्यापक बाजारों में भी मंदी का रुख रहा। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स में 0.98 प्रतिशत और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स में 0.48 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

सेक्टरवार देखें तो निफ्टी आईटी (0.37 प्रतिशत की बढ़त) और निफ्टी फार्मा (0.03 प्रतिशत की मामूली बढ़त) को छोड़कर तकरीबन सभी सेक्टर लाल निशान में कारोबार करते नजर आए।

निफ्टी मेटल में 2.12 प्रतिशत, निफ्टी पीएसयू बैंक में 1.68 प्रतिशत, निफ्टी रियल्टी में 1.50 प्रतिशत, निफ्टी एफएमसीजी में 1.35 प्रतिशत और निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज में 1.07 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

निफ्टी 50 पैक में 15 शेयरों में तेजी देखने को मिली और 34 शेयरों में गिरावट दर्ज की गई, जबकि एक शेयर में कोई बदलाव नहीं हुआ।

बजाज-ऑटो के शेयरों में सबसे ज्यादा 5.19 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई। इसके साथ ही सन फार्मा, इंफोसिस, बजाज फाइनेंस, टेक महिंद्रा, अदाणी पोर्ट्स, मारुति और कोटक बैंक के शेयरों में भी उछाल देखने को मिली। जबकि टीएमपीवी, इटरनल, हिंडाल्को, एचयूएल, टाटा स्टील, अल्ट्राटेक सीमेंट, श्रीराम फाइनेंस और ट्रेंट के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट दर्ज की गई।

खबरों के मुताबिक, अमेरिका ने ईरान के शांति प्रस्ताव को खारिज कर दिया है और होर्मुज जलडमरूमध्य पर नाकाबंदी को और तेज करने का निर्देश दिया है, जिसके बाद ब्रेंट क्रूड की कीमतों में उछाल आया।

मध्य पूर्व में तनाव के बीच भारत की घरेलू मांग मजबूत, वित्तीय प्रणाली भी लचीली: वित्त मंत्रालय

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया तनाव से आपूर्ति श्रृंखलाओं में बड़ी रुकावटें पैदा हुई हैं, लेकिन मजबूत घरेलू मांग, पॉलिसी बफर, लचीली वित्तीय प्रणाली और सरकारी निवेश अर्थव्यवस्था को मजबूत बना रहे हैं। यह जानकारी वित्त मंत्रालय की ओर से जारी की गई मासिक आर्थिक समीक्षा में दी गई।

रिपोर्ट में कहा गया कि मार्च में मांग मजबूत बनी हुई है, जो वाहनों और ट्रैक्टरों की खुदरा बिक्री से स्पष्ट होता है।

रिपोर्ट में आगे बताया गया कि आने वाले समय में मांग और आर्थिक गतिविधियां, इनपुट प्राइस और आपूर्ति श्रृंखलाओं पर दबाव से निर्धारित होंगी। हालांकि, मध्यपूर्व में 2026 की दूसरी छमाही में स्थिति में सुधार हो सकता है।

समीक्षा में चेतावनी दी गई कि पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के कारण आर्थिक गतिविधियों पर दबाव बढ़ने से 2026-27 में राजस्व प्राप्ति और व्यय प्रतिबद्धताओं दोनों पर सीधा प्रभाव पड़ेगा। इसमें राज्यों की राजकोषीय स्थिति का आकलन करने का भी जिक्र किया गया है, क्योंकि कुल सार्वजनिक व्यय में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

रिपोर्ट में बताया गया कि उभरती हुई चुनौतियों के बाद भी केंद्र इस वित्त वर्ष में विवेकपूर्ण स्थिति के साथ प्रवेश कर रहा है। हाल के वर्षों में अपनाई गई राजकोषीय समेकन के साथ, बजट में सकल कर राजस्व में 0.8 की वृद्धि दर का अनुमान (जो ऐतिहासिक औसत से कम है) और सार्वजनिक खाते में आर्थिक स्थिरीकरण कोष का निर्माण, राजकोषीय हस्तक्षेपों के लिए गुंजाइश प्रदान करता है।

हालांकि, समीक्षा में मध्य पूर्व संघर्ष के लंबे समय तक चलने की स्थिति में ऊर्जा और उर्वरक आपूर्ति में अनिश्चितता के जोखिम का भी जिक्र किया गया है। इससे मुद्रास्फीति, राजकोषीय और बाह्य घाटे के लिए जोखिम बढ़ने की संभावना है, जबकि आर्थिक विकास के लिए जोखिम घटने की संभावना है। हालांकि, आर्थिक विकास को बनाए रखने के प्रयास के साथ-साथ, नीति से मध्यम अवधि की राजकोषीय और बाह्य स्थिरता की रक्षा करने की उम्मीद है। बाह्य क्षेत्र के रुझानों का हवाला देते हुए, समीक्षा में कहा गया है कि वित्त वर्ष 2026 में भारत का व्यापार घाटा बढ़कर 333.2 अरब डॉलर हो गया, जो वित्त वर्ष 2025 में 283.5 अरब डॉलर था। वहीं, कुल व्यापार घाटा इसी अवधि में 94.7 अरब डॉलर से बढ़कर 119.3 अरब

मध्य पूर्व में तनाव के बीच सोने और चांदी में तेजी, कीमतों में आया 0.65 प्रतिशत तक का उछाल

मुंबई । मध्य पूर्व में तनाव के बीच सोने और चांदी की कीमतों में गुरुवार को उछाल देखने को मिली है और दाम 0.65 प्रतिशत तक बढ़ गए हैं।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने के 05 जून 2026 के कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 1,49,050 रुपए के मुकाबले 449 रुपए या 0.30 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,49,499 रुपए पर खुला।

सुबह 9:40 पर यह 200 रुपए या 0.13 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,49,250 रुपए पर था।

अब तक के कारोबार में सोने ने इंट्राडे में 1,49,526 रुपए का उच्च स्तर और 1,49,179 रुपए का न्यूनतम स्तर बनाया है।

चांदी का 3 जुलाई 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 2,38,254 रुपए के मुकाबले 2,530 रुपए या 1.06 प्रतिशत की तेजी के साथ 2,40,784 रुपए पर खुला।

खबर लिखे जाने तक चांदी 1,546 रुपए या 0.65 प्रतिशत की बढ़त के साथ 2,39,800 रुपए पर थी।

अब तक के कारोबार में चांदी ने 2,40,908 रुपए का उच्चतम स्तर और 2,39,339 रुपए का न्यूनतम स्तर छुआ है।

वैश्विक बाजारों में भी सोने और चांदी में तेजी देखी जा रही है। कॉमेक्स पर सोने 0.05 प्रतिशत की तेजी के साथ 4,563 डॉलर प्रति औंस और चांदी 0.43 प्रतिशत की बढ़त के साथ 72.40 डॉलर प्रति औंस पर थी।

सोने में तेजी की वजह ईरान-अमेरिका में तनाव को माना जा रहा है, जो कि लगातार बना हुआ है, जिससे वैश्विक स्तर पर अस्थिरता बढ़ रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से कहा गया कि जब तक ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम पर कोई समझौता नहीं करता, तब तक यह नाकेबंदी नहीं हटेगी। ईरान भी पीछे हटने के तैयार नहीं है, हालांकि, वह अमेरिका को शांति के प्रस्ताव दे चुका है।

वैश्विक अस्थिरता के चलते बीते एक साल में सोना का दाम 40 प्रतिशत से अधिक और चांदी की कीमत 120 प्रतिशत से अधिक बढ़ गई है।

कच्चे तेल में तेजी से डॉलर के मुकाबले रुपए में गिरावट, 95 के स्तर के नीचे लुढ़का

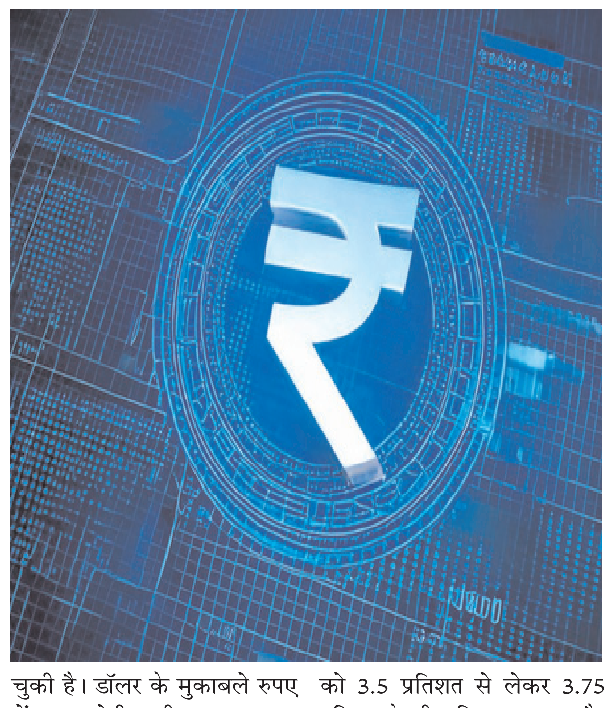

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को रुपए में बड़ी गिरावट देखने को मिली और यह 95 के स्तर के नीचे फिसल गया। इसकी वजह अमेरिका-ईरान संघर्ष के कारण कच्चे तेल की कीमतों में तेजी को माना जा रहा है।

इंटरकॉन्टिनेंटल एक्सचेंज (आईसीई) पर डॉलर के मुकाबले रुपया 94.82 पर खुला। इससे बाद शुरुआती कारोबार में ही डॉलर के मुकाबले रुपए में कमजोरी देखने को मिली और यह सुबह 11:15 पर 0.50 प्रतिशत गिरकर 95.29 के स्तर पर पहुंच गया।

वैश्विक अस्थिरता और फिर ईरान-अमेरिका युद्ध के कारण डॉलर के मुकाबले रुपए में लगातार गिरावट देखी जा रही है। इस साल की शुरुआत से अब तक अमेरिका मुद्रा के मुकाबले भारतीय मुद्रा 5.93 प्रतिशत गिर चुकी है। डॉलर के मुकाबले रुपए में कमजोरी की एक वजह अमेरिकी फेड के फैसले को भी माना जा रहा है, जिसमें ब्याज दरों को 3.5 प्रतिशत से लेकर 3.75 प्रतिशत के बीच स्थिर रखा गया है। साथ ही, कहा कि मध्य पूर्व में तनाव के चलते महंगाई में इजाफा हो रहा है। इससे डॉलर मजबूत हुआ है।

अमेरिका-ईरान में तनाव बढ़ने की संभावना के चलते कच्चे तेल की कीमत चार साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई है।

बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड का दाम 6 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 125 डॉलर प्रति बैरल से अधिक और डब्ल्यूटीआई क्रूड का दाम 3 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 110 डॉलर प्रति बैरल हो गया है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि परमाणु समझौते पर पहुंचने तक वह ईरान के बंदरगाहों की नौसैनिक नाकाबंदी नहीं हटाएंगे, जबकि ईरानी अधिकारियों ने पीछे हटने का कोई संकेत नहीं दिया है।इसके अलावा, रुपए में गिरावट और कच्चे तेल में तेजी के चलते भारतीय शेयर बाजार भी लाल निशान में थे और सेंसेक्स एवं निफ्टी में 1 प्रतिशत से अधिक की गिरावट थी।

अदाणी पोर्ट्स का मुनाफा वित्त वर्ष 26 में 16 प्रतिशत बढ़ा, आय 38 हजार करोड़ रुपए के पार

मुंबई। अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड (एपीएसईजेड) ने गुरुवार को वित्त वर्ष 26 के नतीजों का ऐलान किया है। इस दौरान कंपनी का मुनाफा सालाना आधार पर 16 प्रतिशत बढ़कर 12,782 करोड़ रुपए हो गया है।

कंपनी ने स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग में कहा कि भारत की सबसे बड़ी लॉजिस्टिक्स कंपनियों में से एक एपीएसईजेड की आय भी वित्त वर्ष 26 में सालाना आधार पर 25 प्रतिशत बढ़कर 38,736 करोड़ रुपए हो गई है। इसकी वजह कंपनी के लॉजिस्टिक्स और समुद्री बिजनेस में मजबूत उछाल आना है।

कंपनी ने कहा कि वित्त वर्ष 2026 में एबिटा सालाना आधार पर 20 प्रतिशत बढ़कर 22,851 करोड़ रुपए हो गया।

कंपनी के पूर्णकालिक निदेशक और सीईओ अश्विनी गुप्ता ने कहा, 'इस तिमाही में हमारा मजबूत प्रदर्शन हमारे व्यापारिक मॉडल की मजबूती और रणनीति के अनुशासित क्रियान्वयन को दर्शाता है।

गुप्ता ने आगे कहा, 'भू-राजनीतिक अस्थिरता और वैश्विक टैरिफ अनिश्चितता के बावजूद, हमने रिकॉर्ड 50 करोड़ मीट्रिक टन पोर्ट कार्गो वॉल्यूम के दम पर वित्त वर्ष 2026 के अपने अनुमानों को पार कर लिया। लॉजिस्टिक्स और समुद्री कारोबार में भी इस वर्ष क्रमश: 55 प्रतिशत और 134 प्रतिशत की तेज वृद्धि दर्ज की गई।

उन्होंने आगे कहा, 'यह एक सार्थक प्रगति का प्रतीक है, लेकिन हमारा सफर अभी पूरा नहीं हुआ है। एपीएसईजेड ने वित्त वर्ष 2031 तक राजस्व और एबिटा को दोगुने से अधिक करने के लिए एक मजबूत आधार तैयार किया है। यह दिसंबर 2030 तक एक अरब टन बंदरगाह कार्गो के लक्ष्य, एसेट लाइट और एसेट जीरो वाली सेवाओं के तीव्र विस्तार और समुद्री बेड़े के विस्तार पर आधारित है। अनुशासित पूंजी आवंटन यह सुनिश्चित करेगा कि भविष्य के पूंजीगत व्यय को आंतरिक स्रोतों से ही फंड किया जाए, साथ ही चुनिंदा इनऑर्गेनिक विकास के लिए लचीलापन भी बना रहे।

वर्ष की एक प्रमुख उपलब्धि यह थी कि एपीएसईजेड एक ही वर्ष में 50 करोड़ मीट्रिक टन से अधिक बंदरगाह कार्गो का प्रबंधन करने वाला पहला भारतीय एकीकृत परिवहन ऑपरेटर बन गया।

मार्च तिमाही (वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही) में, आय में वार्षिक आधार पर 26 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 10,738 करोड़ रुपए तक पहुंच गई है, जबकि एबिटा में 20 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 6,020 करोड़ रुपए तक पहुंच गया। कंपनी ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि मार्च तिमाही में शुद्ध लाभ 9 प्रतिशत बढ़कर 3,308 करोड़ रुपए हो गया है।

ऑस्ट्रेलिया में एनक्यूएक्सटी टर्मिनल के जुड़ने और कोलंबो में परिचालन में तेजी आने से अंतरराष्ट्रीय बंदरगाहों के राजस्व में 34 प्रतिशत की तेज वृद्धि दर्ज की गई, साथ ही एबिटा मार्जिन में भी तेज वृद्धि हुई।

अमेरिका-ईरान में तनाव बढ़ने से कच्चा तेल चार वर्षों के उच्चतम स्तर पर

नई दिल्ली। अमेरिका-ईरान में तनाव बढ़ने की संभावना के चलते गुरुवार को कच्चे तेल की कीमत चार साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई।

भारतीय समयानुसार सुबह 10:22 पर बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड का दाम 6.33 प्रतिशत बढ़कर 125.5 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है। वहीं, डब्ल्यूटीआई क्रूड का दाम 3.35 प्रतिशत बढ़कर 110 डॉलर प्रति बैरल हो गया है।

इससे पहले कच्चे तेल में यह कीमतें 2022 की शुरुआत में रूस-यूक्रेन में युद्ध शुरू होने के दौरान देखी गई थीं।

कच्चे तेल में तेजी ऐसे समय पर देखी गई है, जब कुछ अमेरिकी मीडिया की रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि अमेरिका की सेंट्रल कमांड ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को ईरान में संभावित कार्रवाई के विकल्पों के बारे में जानकारी देगी। इससे दोनों देशों में फिर से संघर्ष शुरू होने की संभावना में इजाफा हुआ है।

अमेरिका ने होर्मुज स्ट्रेट के ब्लॉक कर रखा है, जिससे ईरान का तेल निर्यात करीब रुक गया है। अमेरिका राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से कहा गया कि जब तक ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम पर कोई समझौता नहीं करता, तब तक यह नाकेबंदी नहीं हटेगी। ईरान भी पीछे हटने के तैयार नहीं है। हालांकि, वह अमेरिका के शांति के प्रस्ताव दे चुका है, जिसे ट्रंप ने ठुकरा दिया था।

इस हफ्ते की शुरुआत में मध्य पूर्व में तनाव के कारण अमेरिकी इन्वेस्टमेंट बैंक गोल्डमैन सैश ने 2026 की चौथी तिमाही के लिए कच्चे तेल की औसत कीमतों के अनुमान में फिर एक बार बढ़ोतरी की है।

अमेरिकी इन्वेस्टमेंट बैंक का कहना है कि इस साल के अक्टूबर से दिसंबर अवधि में ब्रेंट क्रूड की कीमत औसत 90 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड का दाम औसत 83 डॉलर प्रति बैरल रह सकता है।

औसत कीमतों में संशोधन की वजह, मध्य पूर्व में लगातार तनाव बने रहने के कारण कच्चे तेल की आपूर्ति प्रभावित रहना है। इससे पहले गोल्डमैन सैश ने 2026 की चौथी तिमाही में ब्रेट क्रूड का दाम औसत 80 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड का दाम औसत 75 डॉलर प्रति बैरल रहने का अनुमान लगाया था।

इन्वेस्टमेंट बैंक ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि तनाव के चलते मध्य पूर्व से आने वाला लगभग 14.5 मिलियन बैरल प्रतिदिन कच्चा तेल बाजार से बाहर हो गया है।

भारत में घरों की बिक्री 2026 की पहली तिमाही में 8 प्रतिशत बढ़ी, नए लॉन्च में 13 प्रतिशत का उछाल

नई दिल्ली। भारत में घरों की बिक्री 2026 की पहली तिमाही में सालाना आधार पर 8 प्रतिशत बढ़कर 70,631 यूनिट्स हो गई है। इस दौरान नए लॉन्च की संख्या 13 प्रतिशत बढ़कर 90,023 यूनिट्स पर पहुंच गई है। यह जानकारी गुरुवार को जारी रिपोर्ट में दी गई।

कमर्शियल रियल एस्टेट सर्विसेज फर्म जेएलएल की रिपोर्ट में कहा गया है कि 2026 की पहली तिमाही में प्रतिष्ठित डेवलपर्स से मजबूत आपूर्ति के कारण खरीदारों को विविध विकल्प मिले और बाजार की स्थिरता में विश्वास बढ़ा, जिससे बिक्री में लगातार वृद्धि हुई।

रिपोर्ट में बताया गया कि आवासीय बाजार में नए लॉन्च में तिमाही-दर-तिमाही आधार पर 32 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। हालांकि, समग्र बाजार की गति में थोड़ी नरमी आई है, बिक्री में वृद्धि लॉन्च की तुलना में 5 प्रतिशत कम रही, जो मौजूदा आर्थिक परिस्थितियों के जवाब में खरीदारों के अधिक सतर्क दृष्टिकोण को दर्शाती है। जेएलएल के वरिष्ठ प्रबंध निदेशक (चेन्नई और कोयंबटूर), भारत में आवासीय सेवाओं के प्रमुख, शिव कृष्णन ने कहा, 'बिक्री और नए लॉन्च के बीच अस्थायी अंतर असामान्य नहीं है और यह एक मजबूत बाजार समायोजन को दर्शाता है, न कि किसी संरचनात्मक चिंता को। रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रीमियम आवास ने वृद्धि को बढ़ावा दिया, जिसमें 1 करोड़ रुपए से अधिक कीमत वाले घरों की बिक्री में 71 प्रतिशत हिस्सेदारी रही, जो 2025 की पहली तिमाही में 59 प्रतिशत से बढ़कर 30 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर्शाती है।

1.5-3 करोड़ रुपए के बीच के घरों में 67 प्रतिशत की असाधारण वार्षिक वृद्धि देखी गई, जो खरीदारों के बीच प्रमुख स्थानों पर स्थित विशाल, लग्जरी घरों की बढ़ती मांग को दर्शाता है। इसके विपरीत, 1 करोड़ रुपए से कम कीमत वाले सेगमेंट में 24 प्रतिशत की वार्षिक गिरावट आई, जिससे इसकी बाजार हिस्सेदारी 41 प्रतिशत से घटकर 29 प्रतिशत हो गई।

अगर सैटेलाइट नष्ट हो जाएं तो क्या होगा? कैसे अंतरिक्ष युद्ध धरती पर जिंदगी को प्रभावित कर सकता है

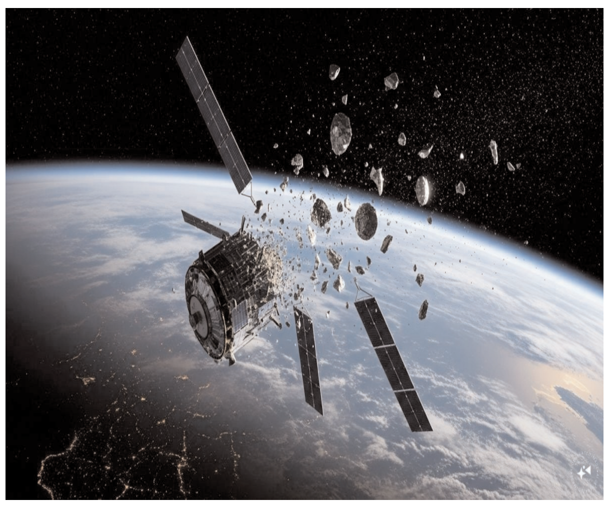

कल्पना कीजिए कि सुबह उठते ही मैप काम नहीं कर रहे, UPI पेमेंट फेल हो रहे हैं, हवाई उड़ानें देरी से चल रही हैं और मोबाइल नेटवर्क बार-बार कट रहा है। मौसम की जानकारी अपडेट नहीं हो रही और टीवी प्रसारण भी रुक-रुक कर आ रहा है। यह किसी अस्थायी तकनीकी खराबी जैसा लग सकता है, लेकिन सैटेलाइट सिस्टम में गड़बड़ी होने पर ऐसा ही असर दिख सकता है।

अब यह सिर्फ कल्पना नहीं रह गई है। संयुक्त राज्य अमेरिका की चेतावनियों, रूस की एंटी-सैटेलाइट क्षमताओं और चीन के तेजी से बढ़ते स्पेस कार्यक्रमों के बीच अंतरिक्ष में संघर्ष एक वास्तविक रणनीतिक चिंता बनता जा रहा है।

स्पेस वेपन्स क्या होते हैं

स्पेस वेपन्स कोई एक तकनीक नहीं, बल्कि कई तरह के सिस्टम का समूह हैं जो सैटेलाइट को निष्क्रिय या नष्ट करने के लिए बनाए जाते हैं। कुछ सीधे हमले करते हैं, जैसे पृथ्वी से छोड़ी गई मिसाइलें। वहीं कुछ तरीके कम दिखाई देते हैं लेकिन उतने ही खतरनाक होते हैं।

इनको तीन हिस्सों में बांटा जाता है:

पृथ्वी से अंतरिक्ष (Earth-to-space), अंतरिक्ष से अंतरिक्ष (space-to-space) और अंतरिक्ष से पृथ्वी (space-to-Earth)। अभी सबसे बड़ा खतरा Earth-to-space हथियारों से माना जाता है।

इसके अलावा जैमिंग सिस्टम सिग्नल को बाधित कर सकते हैं, साइबर हमले सैटेलाइट को कंट्रोल करने वाले सिस्टम को बंद कर सकते हैं, और उच्च ऊंचाई पर होने वाले विस्फोट कई सैटेलाइट्स को एक साथ प्रभावित कर सकते हैं।

अंतरिक्ष अब युद्ध का अहम हिस्सा क्यों

आज की आधुनिक सेनाएं सैटेलाइट पर काफी निर्भर हैं। संचार, नेविगेशन, निगरानी और टारगेटिंग—सब कुछ इन पर आधारित है। इनके बिना सैन्य ऑपरेशन धीमे और कम सटीक हो जाते हैं।

इसी वजह से अब अंतरिक्ष को जमीन, समुद्र और हवा की तरह एक नया युद्धक्षेत्र माना जा रहा है। जो देश अंतरिक्ष पर नियंत्रण पा लेता है, उसे रणनीतिक बढ़त मिल सकती है।

सुपरपावर देशों की तैयारी

संयुक्त राज्य अमेरिका ने 2019 में स्पेस फोर्स बनाई, जो सैटेलाइट और मिसाइल सिस्टम संभालती है।

चीन ने अपने सैन्य स्पेस प्रोग्राम को तेजी से बढ़ाया है और अपना BeiDou नेविगेशन सिस्टम विकसित किया है।

रूस भी निगरानी और संचार सैटेलाइट्स के साथ एंटी-सैटेलाइट तकनीक पर काम कर रहा है।

भारत भी इस दौड़ में पीछे नहीं है। 2019 में 'मिशन शक्ति' के जरिए उसने एंटी-सैटेलाइट क्षमता का प्रदर्शन किया और अब रक्षा से जुड़े सैटेलाइट लगातार विकसित कर रहा है। अगर सैटेलाइट पर हमला हो जाए तो क्या होगा

अगर बड़ी संख्या में सैटेलाइट नष्ट हो जाएं, तो आधुनिक जीवन तुरंत प्रभावित हो जाएगा।

नो शुगर ड्रिंक में जब नहीं होती चीनी, तो मीठा करने के लिए क्या डाला जाता है? क्या यह फायदेमंद है?

आजकल बाजार में नो शुगर, जीरो शुगर और शुगर-फ्री ड्रिंक्स तेजी से लोकप्रिय हो रही हैं। कई लोग वजन कम करने, डायबिटीज कंट्रोल करने या कम कैलोरी लेने के लिए इन्हें चुनते हैं। लेकिन जब बोतल पर साफ लिखा होता है कि इसमें चीनी नहीं है, तब सबसे बड़ा सवाल यही उठता है कि फिर इसका स्वाद मीठा कैसे होता है? आखिर बिना चीनी के कोई ड्रिंक मीठी कैसे लग सकती है? इसका जवाब स्वाद बढ़ाने वाले खास तत्वों में छिपा होता है, जिन्हें कम मात्रा में मिलाकर मीठापन दिया जाता है।

असल में, इन ड्रिंक्स में साधारण चीनी की जगह ऐसे पदार्थ डाले जाते हैं जो जीभ के स्वाद रिसेप्टर्स को मीठा महसूस कराते हैं। यानी शरीर को मीठा स्वाद मिलता है, लेकिन उसमें सामान्य चीनी जैसी कैलोरी या ब्लड शुगर बढ़ाने वाला असर कम या बिल्कुल नहीं होता। यही वजह है कि ये ड्रिंक्स उन लोगों के बीच लोकप्रिय हैं, जो मीठा स्वाद चाहते हैं लेकिन चीनी से बचना चाहते हैं।

आर्टिफिशियल स्वीटनर क्या होते हैं

कई नो शुगर ड्रिंक्स में आर्टिफिशियल स्वीटनर मिलाए जाते हैं। इनमें एस्पार्टेम, सुक्रालोज और एसेसल्फेम पोटैशियम जैसे नाम शामिल हैं। ये सामान्य चीनी से कई गुना ज्यादा मीठे होते हैं, इसलिए बहुत कम मात्रा में ही इस्तेमाल किए जाते हैं। थोड़ी-सी मात्रा में भी ये ड्रिंक को मीठा स्वाद दे देते हैं। इसी वजह से कैलोरी भी काफी कम रहती है।

नेचुरल विकल्प भी होते हैं

कुछ कंपनियां प्राकृतिक स्रोतों से मिलने वाली मिठास का इस्तेमाल करती हैं, जैसे स्टीविया और मोंक फ्रूट एक्सट्रैक्ट। स्टीविया एक पौधे की पत्तियों से मिलता है और यह बिना चीनी के मीठा स्वाद देता है। इसी तरह मोंक फ्रूट भी प्राकृतिक विकल्प माना जाता है। ये दोनों आमतौर पर उन लोगों को पसंद आते हैं, जो आर्टिफिशियल चीजों से बचना चाहते हैं।

शुगर अल्कोहल क्या है

कई जीरो शुगर या लो-कार्ब ड्रिंक्स और प्रोडक्ट्स में एरिथ्रिटॉल, जाइलिटॉल जैसे तत्व मिलाए जाते हैं। इन्हें शुगर अल्कोहल कहा जाता है। ये स्वाद में मीठे होते हैं, लेकिन सामान्य चीनी की तुलना में कम कैलोरी देते हैं। हालांकि, कुछ लोगों को ज्यादा मात्रा में लेने पर पेट फूलना या गैस जैसी परेशानी हो सकती है।

बिना मीठा डाले भी मीठा स्वाद कैसे बढ़ता है

कुछ ड्रिंक्स में फ्लेवर एन्हांसर, एसिड्स और खुशबू वाले तत्व भी डाले जाते हैं। ये दिमाग को मीठा स्वाद ज्यादा महसूस कराने में मदद करते हैं। यानी कभी-कभी वास्तविक मिठास कम होने पर भी स्वाद मीठा लग सकता है। यह स्वाद-विज्ञान का हिस्सा है।

क्या ये फायदेमंद हैं

अगर कोई व्यक्ति बहुत ज्यादा चीनी वाले ड्रिंक्स पीता है और उसकी जगह सीमित मात्रा में नो शुगर ड्रिंक चुनता है, तो यह बेहतर विकल्प हो सकता है। इससे कैलोरी कम हो सकती है और शुगर इनटेक भी घट सकता है।

खासकर वजन कंट्रोल या डायबिटीज मैनेजमेंट में कुछ लोगों को फायदा मिल सकता है। नो शुगर का मतलब यह नहीं है कि आप इसे जितना चाहें उतना पी सकते हैं। ज्यादा मात्रा में लेने से मीठे स्वाद की आदत बनी रह सकती है। कुछ लोगों को कुछ स्वीटनर सूट नहीं करते, इसलिए लेबल पढ़ना जरूरी है और सीमित मात्रा में सेवन करना बेहतर है।

इज़राइल की आक्रामक युद्ध रणनीति के पीछे क्या कारण हैं? कैसे इतिहास आज भी उसकी सैन्य सोच को आकार देता है

8 अप्रैल को जब इज़राइल की सेना ने कुछ ही मिनटों में लेबनान में 100 से अधिक ठिकानों पर हमला किया, तो इसने उसकी सैन्य कार्रवाई की तीव्रता और पैमाने को एक बार फिर उजागर कर दिया। इस हमले की तुलना 2023 के गाजा पट्टी संघर्ष जैसे पहले के टकरावों से की गई, जहां भारी जनहानि और तेज़ प्रतिशोध का चक्र देखने को मिला था।

इज़राइल को दुनिया की सबसे सक्षम और युद्ध-अनुभवी सेनाओं में माना जाता है। वह बार-बार हमास और हिज़्बुल्लाह जैसे संगठनों से टकराता रहा है, साथ ही ईरान के साथ भी तनाव बना रहता है।

लेकिन सवाल यह है कि उसकी प्रतिक्रिया इतनी तीव्र क्यों होती है, और उसकी रणनीति में भारी सैन्य बल का इस्तेमाल इतना अहम क्यों है?

संघर्ष से जन्मा एक देश

इज़राइल की रणनीतिक सोच की जड़ें 1948 में उसकी स्थापना के समय तक जाती हैं, जब उसे तुरंत अरब-इज़राइल युद्ध 1948 में उतरना पड़ा। चारों ओर विरोधी देशों से घिरे और सीमित क्षेत्र व जनसंख्या वाले इस नए राष्ट्र में अस्तित्व के खतरे की भावना हमेशा बनी रही।

इतिहासकार यारोन पेलेग के अनुसार, यह कड़ा सैन्य दृष्टिकोण 19वीं सदी के ज़ायनिस्ट आंदोलन से ही विकसित होने लगा था। यूरोप में यहूदियों के खिलाफ गहरे जमे भेदभाव से बचकर आए लोगों में आत्मरक्षा, ताकत और सम्मान की पुनर्स्थापना पर जोर बढ़ा।

इस असुरक्षा ने एक ऐसी सैन्य नीति को जन्म दिया जो 'जीवित रहने' पर केंद्रित थी। इज़राइल जैसे छोटे देश के लिए लंबे युद्ध या बार-बार नुकसान

उठाना संभव नहीं था, इसलिए हर संघर्ष को निर्णायक मानकर तेज़ और सख्त प्रतिक्रिया देना उसकी रणनीति का हिस्सा बन गया।

इज़राइली सैन्य रणनीति के मुख्य तत्व

इज़राइल की रणनीति का एक प्रमुख पहलू है—खतरा महसूस होते ही पहले हमला करने की तैयारी। यह मान्यता है कि अस्थिर क्षेत्र में इंतज़ार करना खतरनाक हो सकता है।

उसकी सैन्य नीति तीन मुख्य सिद्धांतों पर आधारित रही है:

डिटरेंस (निवारण), अर्ली वार्निंग (पहले से चेतावनी) और तेज़, निर्णायक जीत हासिल करने की क्षमता।

इसका सबसे स्पष्ट उदाहरण सिक्स-डे वॉर 1967 है, जब इज़राइल ने मिस्र, जॉर्डन और सीरिया पर पहले हवाई हमला कर कुछ ही घंटों में उनकी वायु सेनाओं को निष्क्रिय कर दिया और तेज़ जीत हासिल की।

समय के साथ इसमें जमीनी अभियानों और साइबर क्षमताओं का भी विस्तार हुआ है। हालांकि, कई बार अत्यधिक बल प्रयोग के कारण इसकी आलोचना भी होती है, खासकर 'दहिया सिद्धांत' को लेकर।

दहिया सिद्धांत और नई तकनीक

'दहिया डॉक्ट्रिन' का नाम दहिया से पड़ा, जहां 2006 के लेबनान युद्ध के दौरान भारी बमबारी की गई थी। इस सिद्धांत का मूल विचार है—इतना बड़ा नुकसान पहुंचाना कि दुश्मन भविष्य में हमला करने से पहले सोचे।

हाल के वर्षों में इसमें तकनीक भी जुड़ी है, जैसे AI आधारित सिस्टम जो तेजी से लक्ष्य पहचानने में मदद करते हैं, खासकर घनी आबादी वाले क्षेत्रों जैसे गाजा में।

हालांकि, इस रणनीति पर विवाद भी है। आलोचकों का कहना है कि इससे नागरिक क्षेत्रों को असमान रूप से नुकसान होता है, जबकि समर्थकों का मानना है कि यह इज़राइल की सुरक्षा जरूरतों का हिस्सा है।

तेज़ और भारी बल पर जोर क्यों

इज़राइल की सैन्य सोच लंबे समय तक 'छोटे लेकिन निर्णायक युद्ध' की रही है। सीमित संसाधनों और भौगोलिक सीमाओं के कारण वह जल्दी जीत हासिल करना चाहता है।

लेकिन 2023 के बाद संघर्ष का स्वरूप बदल गया है। अब उसे कई मोर्चों पर लंबे समय तक चलने वाले टकराव का सामना करना पड़ रहा है।

इसकी एक बड़ी वजह गैर-राज्य अभिनेता जैसे हमास और हिज़्बुल्लाह हैं, जो शहरी इलाकों में काम करते हैं, जिससे तेज़ और साफ जीत हासिल करना मुश्किल हो जाता है। इज़राइल समय-समय पर सीमित सैन्य अभियान चलाकर विरोधियों को कमजोर करता है ।

एग्जिट पोल में 'गायब': करीबी मुकाबलों में साइलेंट वोटर क्यों बन सकते हैं सबसे बड़ा ब्लाइंड स्पॉट

कड़े मुकाबले वाले चुनावों में सबसे निर्णायक मतदाता अक्सर वे नहीं होते जो सबसे ज़्यादा मुखर हों, बल्कि वे होते हैं जो सबसे कम दिखाई देते हैं। 'साइलेंट वोटर' चुनावी राजनीति में एक अहम और बढ़ती हुई अप्रत्याशित ताकत के रूप में उभरे हैं, जो एग्जिट पोल में तय दिख रहे नतीजों को भी पलटने की क्षमता रखते हैं।

बुधवार को जारी एग्जिट पोल तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में करीबी मुकाबले दिखा रहे हैं। ऐसे में विश्लेषक एक बार फिर इस सवाल पर विचार कर रहे हैं कि क्या पारंपरिक सर्वेक्षण तरीके मतदाताओं की वास्तविक पसंद को पूरी तरह पकड़ पा रहे हैं, खासकर उन लोगों की जो अपनी पसंद बताना नहीं चाहते। साइलेंट वोटर कौन हैं और वे क्यों मायने रखते हैं?

साइलेंट वोटर वे होते हैं जो सर्वेक्षणों और एग्जिट पोल में अपनी पसंद बताने से इनकार कर देते हैं या जानबूझकर उसे छिपाते हैं। करीबी मुकाबलों में यह समूह बेहद महत्वपूर्ण हो जाता है, क्योंकि थोड़ी-सी भी कमी या गलत आकलन सीटों के अनुमान को काफी हद तक बदल सकता है।

पोलिंग विशेषज्ञ लंबे समय से चेतावनी देते रहे हैं कि बड़ी संख्या में लोग अपनी पसंद जाहिर नहीं करते। एक्सिस माई इंडिया के संस्थापक और अध्यक्ष, चुनाव विश्लेषक प्रदीप गुप्ता ने कई इंटरव्यू में कहा है कि कई बार लगभग 60 प्रतिशत मतदाता भी अपनी पसंद खुलकर नहीं बताते। इसके पीछे उन्होंने 'डर का कारक' या राजनीतिक रूप से संवेदनशील माहौल में असहजता को वजह बताया।

यह चुप्पी उदासीनता का संकेत नहीं है, बल्कि अक्सर गोपनीयता की चिंता, स्थानीय राजनीतिक संवेदनशीलता और कड़े मुकाबलों में रणनीतिक चुप्पी का मिश्रण होती है।

एग्जिट पोल इन्हें पकड़ने में क्यों संघर्ष करते हैं

एग्जिट पोल मतदान के तुरंत बाद मतदाताओं द्वारा स्वेच्छा से दी गई जानकारी पर निर्भर करते हैं। लेकिन अगर लोग जवाब देने से बचते हैं या गलत जानकारी देते हैं, तो आंकड़े विकृत हो सकते हैं।

'द प्रिंट' में प्रकाशित एक विश्लेषण के अनुसार, साइलेंट वोटर पोलिंग मॉडल में एक संरचनात्मक ब्लाइंड स्पॉट पैदा करते हैं, खासकर ध्रुवीकृत माहौल में, जहां लोग गुमनाम रूप से भी अपनी पसंद बताने में हिचकिचाते हैं। यह समस्या 'नॉन-रिस्पॉन्स बायस' से और बढ़ जाती है, जहां जो लोग जवाब नहीं देते, वे अक्सर सर्वे के सैंपलिंग ढांचे में ठीक से फिट नहीं बैठते।

डर, गोपनीयता या रणनीतिक चुप्पी?

चुप्पी के पीछे कई कारण हो सकते हैं। कुछ विशेषज्ञ इसे संवेदनशील क्षेत्रों में स्थानीय राजनीतिक असर के डर से जोड़ते हैं, जबकि अन्य मानते हैं कि कड़े मुकाबलों में मतदाता अपनी पसंद जाहिर करना अनावश्यक या जोखिम भरा समझते हैं।

मेरठ से प्रयागराज तक एकतरफा 1,800 रुपये: गंगा एक्सप्रेसवे का टोल इतना महंगा क्यों?

नया शुरू हुआ गंगा एक्सप्रेसवे इन दिनों चर्चा में है। वजह सिर्फ यह नहीं कि इससे उत्तर प्रदेश में यात्रा का समय कम हो रहा है, बल्कि यह भी है कि इस पर सफर करना कितना महंगा पड़ रहा है। मेरठ से प्रयागराज तक एकतरफा यात्रा के लिए कार चालक को करीब 1,500 से 1,800 रुपये तक टोल देना पड़ सकता है, जो पहली नजर में काफी ज्यादा लगता है।

लेकिन दिलचस्प बात यह है कि प्रति किलोमीटर के हिसाब से यह राज्य का सबसे महंगा एक्सप्रेसवे नहीं है, फिर भी कुल खर्च सबसे ज्यादा में शामिल हो जाता है।

गंगा एक्सप्रेसवे पर कितना टोल लगता है

ारों के लिए टोल लगभग 2.55 रुपये प्रति किलोमीटर तय किया गया है। पूरे 594 किलोमीटर के रास्ते पर यह रकम तेजी से बढ़कर 1,500 से 1,800 रुपये तक पहुंच जाती है।

अन्य वाहनों के लिए यह शुल्क और ज्यादा है। हल्के वाणिज्यिक वाहन, बस, ट्रक और मल्टी-एक्सल वाहनों को काफी अधिक टोल देना पड़ता है, जिसमें सबसे ऊंची श्रेणी का शुल्क एक तरफ के सफर के लिए 9,000 रुपये से भी ऊपर जा सकता है। यह सिस्टम दूरी-आधारित है, यानी जितनी दूरी तय करेंगे, उतना ही भुगतान करेंगे। मल्टी-लेन फ्री-फ्लो तकनीक के कारण टोल प्लाजा पर रुके बिना FASTag के जरिए शुल्क अपने आप कट जाता है।

टोल ज्यादा क्यों लगता है

सबसे बड़ा कारण इसकी लंबाई है। 594 किलोमीटर के साथ यह उत्तर प्रदेश का सबसे लंबा एक्सप्रेसवे है। इसलिए भले ही प्रति किलोमीटर दर मध्यम स्तर की हो, लेकिन कुल दूरी ज्यादा होने के कारण अंतिम बिल बड़ा हो जाता है। छोटे एक्सप्रेसवे पर दर थोड़ी ज्यादा भी हो, तो कुल रकम ज्यादा महसूस नहीं होती। दूसरे शब्दों में, आप प्रति किलोमीटर ज्यादा नहीं दे रहे, बल्कि ज्यादा किलोमीटर के लिए भुगतान कर रहे हैं।

भारत में हीट स्ट्रोक अब सिर्फ 'दोपहर की तेज़ गर्मी' की समस्या क्यों नहीं रहा

पहले हीट स्ट्रोक को दिन के सबसे गर्म घंटों—खासतौर पर दोपहर—से जोड़ा जाता था। लेकिन अब स्थिति बदल चुकी है। यह समस्या अब सिर्फ कुछ घंटों की तेज़ गर्मी नहीं, बल्कि पूरे दिन और रात में जमा होने वाली गर्मी (heat accumulation) से जुड़ी हो गई है। यानी जोखिम अब 24 घंटे बना रहता है।

लंबे समय तक गर्मी का असर (थर्मल एक्यूम्युलेशन)

हमारा शरीर पसीने और हीट रिलीज़ के जरिए तापमान संतुलित रखता है। लेकिन जब लंबे समय

तक गर्मी में रहना पड़ता है, तो यह सिस्टम धीरे-धीरे कमजोर पड़ने लगता है।

इसका मतलब है कि शरीर में गर्मी जमा होती रहती है और लक्षण तुरंत नहीं, बल्कि शाम या रात में भी दिख सकते हैं। डिहाइड्रेशन और इलेक्ट्रोलाइट असंतुलन इस जोखिम को और बढ़ा देते हैं। रात में भी नहीं मिलती राहत पहले रात का समय शरीर को ठंडा होने और रिकवर करने का मौका देता था। लेकिन अब रात का तापमान भी ज्यादा रहने लगा है। जब शरीर रात में ठंडा नहीं हो पाता, तो अगला दिन पहले से ही 'हीट स्ट्रेस' के साथ शुरू होता है। इससे लगातार कई दिनों तक शरीर पर दबाव बना रहता है और हीट स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है।

शहरी गर्मी (Urban Heat Effect)

शहरों में कंक्रीट, कम हरियाली और घनी आबादी के कारण गर्मी फंस जाती है। इसे 'अर्बन हीट आइलैंड' प्रभाव कहा जाता है।

इस वजह से सूरज ढलने के बाद भी तापमान ज्यादा बना रहता है। साथ ही, ज्यादा नमी (humidity) पसीने को जल्दी सूखने नहीं देती, जिससे शरीर की कूलिंग प्रक्रिया कमजोर हो जाती है—यहां तक कि घर के अंदर भी।

अब रुक-रुक कर नहीं, लगातार गर्मी का असर

जो लोग बाहर काम करते हैं या रोज़ यात्रा करते हैं, उनके लिए गर्मी अब बीच-बीच में नहीं, बल्कि लगातार बनी रहती है।

रिजेक्शन की वजह से खुली अनुष्का शर्मा की किस्मत, ऐसे मिला 'रब ने बना दी जोड़ी' में तानी का किरदार

मुंबई। कहते हैं कि जो कुछ भी होता है, उसके पीछे कोई न कोई कारण होता है। रिजेक्शन को लेकर हिंदी सिनेमा में कई कहानियां है। रिजेक्शन की वजह से अभिनेता और अभिनेत्रियों को डिप्रेशन का सामना करना पड़ा लेकिन अनुष्का शर्मा के लिए रिजेक्शन वरदान साबित हुआ। ये जानकर आपको हैरानी होगी कि मल्टीपल रिजेक्शन की वजह से ही अनुष्का शर्मा को पर्दे पर पहली बार शाहरुख खान के साथ काम करने का मौका मिला था। 1 मई को उत्तर प्रदेश के अयोध्या में जन्मी अनुष्का ने कभी नहीं सोचा था कि वह फिल्मी दुनिया में कदम रखेंगी क्योंकि अभिनेत्री आर्मी बैकग्राउंड से आती हैं। अनुष्का पत्रकारिता और मॉडलिंग में अपना करियर बनाना चाहती थी और यही कारण था कि उन्होंने 15 साल की उम्र में मॉडलिंग शुरू कर दी थी। मॉडलिंग के दौरान भी उन्हें कई बार रिजेक्शन का सामना करना पड़ा लेकिन पहली फिल्म साइन करने से पहले लगभग 1 महीने में उन्हें चार बार रिजेक्शन झेलना पड़ा था। अनुष्का का फिल्मों में आने का इरादा नहीं था लेकिन वे विज्ञापन के लिए ट्राई कर रही थीं। विज्ञापन के ऑडिशन को क्रैक कर पाना उनके लिए मुश्किल हो रहा था। फाइनल ऑडिशन में भी उन्हें हर बार रिजेक्शन का सामना करना पड़ा, और जब उन्होंने पहली बार 'रब ने बना दी जोड़ी' के लिए स्क्रीन टेस्ट दिया, तब भी उन्हें अपनी किस्मत पर भरोसा नहीं था। उन्हें लगता था कि यहां भी रिजेक्शन का सामना ही करना पड़ेगा। खुद अनुष्का ने इस बात का खुलासा किया था कि ऑडिशन के दौरान वे बिल्कुल भी सीरियस नहीं थी और बिना मेकअप और बालों को संवारे ही स्क्रीन टेस्ट देने के लिए पहुंच गई थी। कुछ दिन बात आदित्य चोपड़ा की टीम की तरफ से फोन आया कि आपको फाइनल ऑडिशन और बातचीत के लिए बुलाया गया है लेकिन तब भी उन्हें लग रहा था कि अब फाइनल में पहुंचकर निकाल देंगे लेकिन हुआ उसका उल्टा।

'तुम मेरी ताकत हो', बिपाशा बसु और करण सिंह ग्रोवर ने शादी के 10 साल पूरे होने पर लुटाया प्यार

मुंबई। बिपाशा बसु और करण सिंह ग्रोवर की गिनती बॉलीवुड के बोल्ड और क्यूट कपल के तौर पर होती है। कपल ने साल 2016 में शादी कर ली थी और आज तक रिश्ते को बखूबी निभा रहे हैं, और उसका सबूत है बिपाशा और करण का सोशल मीडिया, जो प्यारी और पारिवारिक फोटोज से भरा है।

आज कपल की शादी को 10 साल पूरे हो चुके हैं, और करण ने अभिनेत्री पर जमकर प्यार लुटाया है।

करण सिंह ग्रोवर ने इंस्टाग्राम पर शादी के 10 साल पूरे होने पर एक प्यारा वीडियो शेयर किया है, जिसमें दोनों के क्वालिटी टाइम मोमेंट्स हैं। कभी दोनों साथ में फिल्म देखते दिख रहे हैं, तो कभी एक दूसरे को किस कर रहे हैं। वीडियो बहुत प्यारा है। अभिनेता ने वीडियो और कैप्शन दोनों के जरिए बिपाशा पर ढेर सारा प्यार लुटाया है। अभिनेता ने अपनी पत्नी को अपनी ताकत और जीवन को सार्थक करने वाला शख्स बताया है। उन्होंने लिखा, तुम मेरे लिए सब कुछ थे, हो और हमेशा रहोगे। तुम मेरी हर धड़कन, हर सांस, मेरी ताकत, मेरी परी हो। तुम मेरी वजह हो, तुम मेरे जीवन को अर्थ देते हो। तुम्हारा प्यार मेरा कवच है, मेरी महाशक्ति है। मैं जो हूं, वह तुम्हारे

कारण हूं। मैं तुम्हें अनंत काल तक, अनंत काल तक, बीते और अनबीते जन्मों से भी अधिक समय तक, अनंत काल तक और एक दिन तक प्यार करूंगा! मैं तुमसे प्यार करता हूं, 10वीं सालगिरह मुबारक!

बिपाशा बसु और करण सिंह ग्रोवर की लव स्टोरी किसी फिल्म से कम नहीं है। दोनों की मुलाकात अलोन के सेट पर हुई थी, और धीरे-धीरे दोनों की दोस्ती प्यार में बदल गई। हालांकि बिपाशा का मानना था कि वे तब तक शादी नहीं करेंगी, जब तक खुद करण उन्हें शादी के लिए प्रपोज नहीं करते। अभिनेता ने नए साल के दिन थाईलैंड की खाड़ी में स्थित तीसरे सबसे बड़े और एक खूबसूरत द्वीप पर अभिनेत्री को डायमंड रिंग के साथ प्रपोज किया था।

30 अप्रैल 2016 में कपल ने बंगाली रीति-रिवाज के साथ सात फेरे लिए थे। हालांकि शादी के समय करण ग्रोवर को काफी ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा था क्योंकि यह उनकी तीसरी शादी

कुछ तो शर्म बची होगी या सिर्फ ट्रोलिंग की सैलरी मिलती है, एक्टर्स की सर्जरी पर कमेंट करने वालों को पवित्रा पुनिया ने लगाई लताड़

मुंबई। अभिनेत्री पवित्रा पुनिया ने सोशल मीडिया पर एक्टर्स की सर्जरी को लेकर ट्रोलिंग करने वालों पर सख्त नाराजगी जताई है। उन्होंने ट्रोलर्स और कुछ मीडिया पेजों को आड़े हाथों लिया और कहा कि एक्टर्स की निजी जिंदगी और उनकी पसंद में दखल देना बंद करें।

हाल के दिनों में कई एक्टर्स को उनकी लुक को लेकर सोशल मीडिया पर ट्रोल किया गया है, जिसके खिलाफ पवित्रा पुनिया ने खुलकर आवाज उठाई है। पोस्ट किए वीडियो में वह साफ कहती नजर आईं कि सर्जरी करवाने के लिए एक्टर्स ने न उनसे सलाह मांगी और न पैसे तो सब मुंह बंद करके रहो।

पवित्रा पुनिया ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें मौनी रॉय की 'द डेविल वियर्स प्राडा 2' स्क्रीनिंग की तस्वीर भी है। वीडियो में उन्होंने साफ-साफ कहा, 'सभी ट्रोलर्स के लिए - एक्टर्स को ट्रोल करना और परेशान करना बंद करो। यह तुम्हारी रसोई नहीं है और न ही तुम्हारा खाना है।'

अभिनेत्री ने कहा कि कुछ लोग लगातार एक्टर्स पर टिप्पणी करते रहते हैं कि उन्होंने सर्जरी करवाई है, 500 सर्जरी करवाई हैं या 1 लाख सर्जरी करवाई हैं। पवित्रा ने कहा किसी भी एक्टर ने कितनी भी सर्जरी करवाई हो वह उनकी सलाह लेने नहीं आते और न ही उनसे पैसे लिए।

उन्होंने कहा, 'कम से कम इंडस्ट्री में कुछ लोग तो ईमानदारी से कहते हैं कि हां, हम सर्जरी करवा रहे हैं। अगर तुम्हें या तुम्हारे परिवार को करवानी है तो बेझिझक करवाओ, लेकिन ट्रोल मत करो। बस चुप रहो।

पवित्रा पुनिया ने मीडिया पेजों पर भी निशाना साधते हुए कहा कि वे तस्वीरें लगाकर दोहरे अर्थ वाले कैप्शन लिखते हैं, जिससे दर्शक अटकलें लगाते हैं और उनका एंगेजमेंट बढ़ता है। उन्होंने अपील की कि ऐसे लोग यह सब करना बंद करें। कैप्शन में पवित्रा ने लिखा, 'कुछ तो शर्म बची होगी या सिर्फ ट्रोलिंग की ही सैलरी मिलती है तुम लोगों को भाई?

'इंडियाज गॉट लेटेंट' विवाद के बाद कपिल शर्मा के शो में साथ दिखेंगे समय रैना और रणवीर अल्लाहबादिया

मुंबई। 'इंडियाज गॉट लेटेंट' में आपत्तिजनक कंटेंट की वजह से विवादों में आने के बाद समय रैना और रणवीर अल्लाहबादिया दोबारा एक साथ एक ही शो में दस्तक देने वाले हैं।

दोनों को एक साथ नेटफ्लिक्स पर टेलीकास्ट हो रहे शो 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' में देखा जाएगा, जिसका प्रोमो भी रिलीज हो चुका है।

नेटफ्लिक्स ने 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' का नया प्रोमो जारी किया है, जिसमें कॉमेडियन समय रैना दिख रहे हैं और कपिल शर्मा के शो पर आने की खुशी जता रहे हैं, लेकिन उन्हें नहीं पता कि उनके साथ दूसरा गेस्ट कौन होने वाला है; तभी एंट्री होती है होस्ट रणवीर अल्लाहबादिया की, जो डांस करते हुए फ्रेम में एंट्री लेते हैं। यह देखकर समय रैना माथा पकड़ लेते हैं और कहते हैं— 'अब फिर से नहीं।'

समय रैना के शो 'इंडियाज गॉट लेटेंट' में ही रणवीर अल्लाहबादिया ने माता-पिता के नीची संबंध को लेकर बहुत आपत्तिजनक बाद बोली थी, जिसके बाद पूरा विवाद खड़ा हुआ था। दोनों पर कई एफआईआर भी दर्ज हुई और दोनों को कोर्ट के ट्रायल का भी सामना करना पड़ा। हालांकि हाल ही में समय रैना ने यूट्यूब पर धमाकेदार वापसी की थी और 'स्टिल अलाइव' शो लेकर अपने बुरे फेज के बारे में खुलकर बात की थी।

उन्होंने शो में खुलासा किया था कि जिस बात को लेकर विवाद हुआ था, उसे शो में रणवीर अल्लाहबादिया ने सात बार बोला था, और उन्होंने एडिट के बाद एक ही जोक को रखा था, जिसके लेकर पूरा विवाद हो गया। उन्होंने बताया कि कैसे वीडियो वायरल होने के बाद उन्हें तनाव से मुक्ति पाने के लिए नींद की दवा का सहारा लेना पड़ा था और उनके माता-पिता को जान से मारने की धमकियां मिली थीं। हालांकि अब विवाद के बाद समय रैना और रणवीर अल्लाहबादिया को दोबारा एक साथ कपिल शर्मा के शो पर देखा जाएगा।

अब देखना होगा कि दोनों मिलकर दोबारा किसी नए विवाद को जन्म न दें। बता दें कि शो 2 मई को नेटफ्लिक्स पर टेलीकास्ट होगा। नेटफ्लिक्स ने प्रोमो जारी कर लिखा, विश्व हंसी दिवस पर हंसी की डबल डोज, समय रैना और रणवीर अल्लाहबादिया करेंगे एक साथ मस्ती।

दिल्ली हाईकोर्ट ने संजय कपूर की संपत्ति बेचने पर लगाई रोक, करिश्मा कपूर को मिली राहत

नई दिल्ली। संजय कपूर की संपत्ति मामले में बॉलीवुड अभिनेत्री करिश्मा कपूर और उनके बच्चों समायरा और कियान को दिल्ली हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। कोर्ट ने साफ किया है कि जब तक करिश्मा कपूर के बच्चों द्वारा दायर मामले का निपटारा नहीं होता है, तब भी संजय कपूर की संपत्ति को बेचा नहीं जा सकता।

कोर्ट ने कहा, बैंक खातों के

ट्रांजैक्शन की जानकारी भी कोर्ट को देनी होगी और इसकी जिम्मेदारी प्रिया कपूर की होगी।

दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा कि प्रिया कपूर संजीव कपूर की संपत्ति को बेच नहीं सकती। प्रिया कपूर को बच्चों द्वारा वसीयत की प्रमाणिकता पर उठाए गए शक को दूर करना चाहिए।

अब प्रिया कपूर किसी भी प्रॉपर्टी को न तो बेच सकती हैं और न ही ट्रांसफर कर सकती हैं। मामले पर सुनवाई करते हुए जस्टिस ज्योति सिंह ने कहा, 'संपत्ति को खत्म नहीं किया जाना चाहिए। संपत्ति को बचाकर रखने की जरूरत है।'

कोर्ट ने बैंक अकाउंट्स के ऑपरेशन पर रोक लगा दी है। संजय कपूर के बैंक अकाउंट्स फ्रीज करने के आदेश भी दिए हैं। दिल्ली हाईकोर्ट का कहना है कि अगर ट्रायल स्टेज पर वसीयत जाली साबित होती है, तो यह समायरा और कियान के साथ अन्याय होगा। हाईकोर्ट ने कहा, करिश्मा कपूर और संजय कपूर की मां ने संजय की छोड़ी हुई वसीयत की वैलिडिटी और असली होने पर शक जताया है और इसलिए अब उन शकों को दूर करने की जिम्मेदारी प्रिया कपूर पर है।

कोर्ट ने कहा कि वसीयत कितनी असली है, यह अब ट्रायल का मामला है और इस बीच वसीयत करने वाले (संजय कपूर) की संपत्ति को सुरक्षित रखने की जरूरत है।

कोहिनूर को लेकर न्यूयार्क के मेयर का बड़ा बयान, बोले–हीरा भारत से की ब्रिटिश लूट का प्रतीक

न्यूयॉर्क। उपनिवेश-विरोधी बयानों से सुर्खियों में रहने वाले न्यूयॉर्क सिटी के मेयर जोहरान ममदानी ने कहा है कि अगर ब्रिटेन के किंग चार्ल्स उनसे मिलते, तो वे उनसे कोहिनूर हीरा भारत को लौटाने के लिए कहते। उन्होंने कहा कि कोहिनूर हीरा ब्रिटिश शासन द्वारा भारत से की गई लूट का प्रतीक बन चुका है।

ममदानी के इस बयान को उपनिवेशवाद के इतिहास और उससे जुड़े मुद्दों पर एक स्पष्ट रुख के रूप में देखा जा रहा है।

ममदानी बुधवार (स्थानीय समय) को 9/11 हमलों के पीड़ितों को श्रद्धांजलि देने के लिए आयोजित एक समारोह के दौरान किंग चार्ल्स III से मिले। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में दोनों को संक्षिप्त बातचीत करते हुए देखा गया, जिसमें किंग चार्ल्स मुस्कुराते नजर आए।

हालांकि यह स्पष्ट नहीं हो सका कि दोनों के बीच क्या बातचीत हुई और किंग चार्ल्स के हावभाव से यह भी नहीं लगा कि कोई गंभीर मुद्दा उठाया गया। यह मुलाकात भीड़भाड़ वाले माहौल में अन्य विशिष्ट लोगों के बीच हुई।

इस मुलाकात से पहले न्यूयॉर्क सिटी के मेयर ने कहा था कि अगर उन्हें अलग से बात करने का मौका मिला, तो वे किंग चार्ल्स से कोहिनूर हीरा भारत को लौटाने का आग्रह करेंगे।

चार्ल्स अमेरिका के चार दिन के दौरे पर हैं। अमेरिका अपनी आजादी की 250वीं सालगिरह मनाने की तैयारी में है। यह आजादी अमेरिका ने एक समय जॉर्ज तृतीय के शासन से जुड़ी ताकतों को खूनी क्रांति के जरिए हटाकर हासिल की थी।

किंग चार्ल्स 9/11 मेमोरियल पर फूल चढ़ाने, बिजनेस लीडर्स से मिलने और एक सांस्कृतिक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए न्यूयॉर्क गए।

उपनिवेशवाद के प्रभावों पर व्यापक लेखन करने वाले प्रोफेसर महमूद ममदानी के बेटे जोहरान ममदानी ने ब्रिटेन के राजा के दौरे को लेकर खास उत्साह नहीं दिखाया और संकेत दिया कि वे अपनी बातचीत को केवल औपचारिकताओं तक ही सीमित रखेंगे।

पूर्व मेयर माइकल ब्लूमबर्ग ने किंग चार्ल्स III और उनकी पत्नी क्वीन कैमिला को स्मारक स्थल तक ले जाकर फूल अर्पित कराए, न कि ममदानी ने।

106 कैरेट का कोहिनूर अब किंग चार्ल्स की दादी के ताज पर जड़ा है और टावर ऑफ लंदन में है। दुनिया के सबसे बड़े हीरों में से एक कोहिनूर को 1949 में ईस्ट इंडिया कंपनी ने दूसरे एंग्लो-सिख युद्ध के बाद 11 साल के महाराज दलीप सिंह से जब्त कर लिया था। ब्रिटेन का दावा है कि यह हीरा कानूनी तौर पर इसलिए मिला क्योंकि एक 11 साल के बच्चे ने उन्हें यह दिया था। भारत की आजादी के बाद से ही देश इस हीरे को वापस करने की मांग कर रहा है।

पाकिस्तान के साथ झड़पों के कारण अफगानिस्तान में बिगड़ रहे मानवीय हालात : संयुक्त राष्ट्र

नई दिल्ली। संयुक्त राष्ट्र मानवीय मामलों के समन्वय कार्यालय (ओसीएचए) के अनुसार, अफगानिस्तान और पाकिस्तान के सैनिकों के बीच बॉर्डर पर फिर से हुई झड़पों से पूर्वी अफगानिस्तान में मानवीय हालात खराब हो गए हैं।

बता दें कि 27 अप्रैल को अफगानिस्तान के असदाबाद शहर और कुनार प्रांत के कुछ हिस्सों में हवाई हमलों और गोलाबारी में कम से कम सात लोग मारे गए और 79 दूसरे घायल हो गए।

ओसीएचए के मुताबिक, हिंसा से सिविलियन इंफ्रास्ट्रक्चर को नुकसान हुआ है, जिसमें एक फ्यूल स्टेशन, एक यूनिवर्सिटी डॉरमेट्री के कुछ हिस्से, एक धार्मिक मामलों का ऑफिस और एक ड्रग रिहैबिलिटेशन सेंटर शामिल हैं।

अफगानिस्तान की न्यूज एजेंसी खामा प्रेस ने बताया कि इस तरह की तबाही पहले से ही कमजोर पब्लिक सेवाओं पर और प्रभाव डाल रही है। ओसीएचए ने कहा कि हाल के हफ्तों में सिविलियन सुविधाओं, खासकर स्वास्थ्य केंद्रों और स्कूलों को बढ़ते नुकसान की जानकारी मिली है।

एजेंसी के मुताबिक, फरवरी से चल रही झड़पों की वजह से पूर्वी और दक्षिण-पूर्वी अफगानिस्तान में 10,000 से ज्यादा लोग बेघर हो गए हैं। कुनार, नंगरहार और खोस्त जैसे प्रांतों में बड़े पैमाने पर लोगों को बेघर होना पड़ा है, जिससे वहां के लोगों को रहने की जगह, खाना और मेडिकल केयर तक कम पहुंच के साथ भागना पड़ा है।

ओसीएचए के मुताबिक, कम से कम 19 स्वास्थ्य केंद्र बंद कर दिए गए हैं, रोक दिए गए हैं या कम क्षमता पर काम कर रहे हैं। इसकी वजह से करीब 78,000 लोग प्रभावित हुए हैं। कई गांवों में पानी की सप्लाई भी रुक गई है, जिससे बीमारियां फैलने का खतरा बढ़ गया है। खामा प्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, कुनार और नंगरहार में दर्जनों स्कूलों को नुकसान पहुंचने की वजह से 13,000 से ज्यादा स्टूडेंट्स प्रभावित हुए हैं।

ओसीएचए ने चेतावनी दी है कि लगातार असुरक्षा, इंफ्रास्ट्रक्चर को नुकसान और सीमित मानवीय मदद संकट को और बढ़ा रही है और प्रभावित लोगों के ठीक होने में देरी कर रही है।

चीन में भारत के राजदूत विक्रम दोराईस्वामी ने राष्ट्रपति मुर्मु से की मुलाकात

नई दिल्ली। चीन में भारत के राजदूत विक्रम दोराईस्वामी ने भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से अपने परिचय पत्र प्राप्त किए हैं। चीन में भारतीय दूतावास ने इसकी जानकारी दी। मार्च में 1992 बैच के आईएफएस अधिकारी दोराईस्वामी को चीन में भारत का राजदूत नियुक्त किया गया था।

चीन में भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'विक्रम दोराईस्वामी को चीन में राजदूत के तौर पर उनके असाइनमेंट के लिए भारत की राष्ट्रपति से क्रेडेंशियल्स मिले।' 1992 बैच के आईएफएस अधिकारी विक्रम दोराईस्वामी को चीन में भारत का अगला राजदूत नियुक्त किया गया है। विदेश मंत्रालय की ओर से साझा जानकारी के मुताबिक उन्होंने दिल्ली यूनिवर्सिटी से इतिहास में मास्टर डिग्री ली। 1992-1993 में नई दिल्ली में अपनी इन-सर्विस ट्रेनिंग पूरी करने के बाद, दोराईस्वामी मई 1994 में हांगकांग में भारतीय दूतावास में थर्ड सचिव नियुक्त हुए। उन्होंने हांगकांग के चीनी विश्वविद्यालय के न्यू एशिया येल-इन-एशिया लैंग्वेज स्कूल से चीनी भाषा में डिप्लोमा पूरा किया। विदेश मंत्रालय की ओर से साझा जानकारी में बताया गया कि विक्रम दोराईस्वामी अभी ब्रिटेन में भारत के हाई कमिश्नर हैं और उन्हें चीन में भारत का अगला राजदूत नियुक्त किया गया है। उम्मीद है कि वह जल्द ही यह काम संभाल लेंगे।

सितंबर 1996 में उन्हें बीजिंग में भारतीय दूतावास में नियुक्त किया गया था, जहां उन्होंने लगभग चार साल तक जिम्मेदारी संभाली।

रेड क्रॉस-रेड क्रिसेंट से लेबनानी राष्ट्रपति ने की मुलाकात, इजरायली हमलों को बताया नियम विरुद्ध

बेरूत। लेबनान के राष्ट्रपति जोसेउ आउन ने अंतरराष्ट्रीय रेड क्रॉस और रेड क्रिसेंट के प्रतिनिधियों से मुलाकात में इजरायल की कार्रवाई पर चिंता जताई और कहा कि नागरिकों पर हो रहे हमले रोके जाएं और इसे मानवाधिकार नियमों के विरुद्ध बताया।

लेबनानी राष्ट्रपति के आधिकारिक एक्स अकाउंट से इसे लेकर एक बयान जारी किया गया है। इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ रेड क्रॉस एंड रेड क्रिसेंट सोसाइटीज के प्रतिनिधिमंडल से बातचीत में उन्होंने कहा कि दक्षिण लेबनान में हमले अभी भी जारी हैं, जबकि संघर्षविराम की घोषणा हो चुकी है। उनके अनुसार, इन हमलों में आम लोग, पैरामेडिक्स, सिविल डिफेंस के कर्मचारी और राहत कार्य में लगे लोग भी इसकी जद में आ रहे हैं।

राष्ट्रपति ने कहा कि घरों और पूजा स्थलों को भी नुकसान पहुंचाया जा रहा है और हर दिन मरने और घायल होने वालों की संख्या बढ़ रही है। उन्होंने बताया कि अब तक लेबनानी रेड क्रॉस और अन्य संगठनों के करीब 17 पैरामेडिक्स और स्वयंसेवकों की जान जा चुकी है। पत्रकारों को भी निशाना बनाया गया है।

उन्होंने कहा कि घायल लोगों को बचाने में लगे स्वयंसेवक बहुत बड़ा त्याग कर रहे हैं। यह काम वे पूरी निष्ठा और मानवता की भावना से कर रहे हैं, भले ही इसमें उनकी जान का खतरा क्यों न हो। उन्होंने यह भी कहा कि बचाव कार्य पहले से बता कर किए जाते हैं, ताकि उनकी सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके, फिर भी उन पर हमले हो रहे हैं। राष्ट्रपति ने यह भी मांग की कि लेबनानी कैदियों की जानकारी साझा करने में मदद की जाए। उनका आरोप है कि इजरायल कैदियों से मिलने या उनकी सेहत की जानकारी लेने के लिए अंतर्राष्ट्रीय रेड क्रॉस समिति को अनुमति नहीं दे रहा है।

इस बीच, दक्षिण लेबनान में हमले जारी हैं। नेशनल न्यूज एजेंसी के मुताबिक, इजरायली हमलों में नौ लोगों की मौत हो गई। जेबचित में तीन लोगों की जान गई और सात घायल हुए। टूल में चार लोगों की मौत और छह लोग घायल हुए। हारूफ में दो लोगों की मौत हुई और एक घर पूरी तरह तबाह हो गया।

वहीं, इजरायली सेना ने दक्षिण लेबनान के कई कस्बों—अल-समनिएह, अल-हनिएह, अल-कलीला, वादी जिलों, अल-कनिसा, कफ्र, मजदल जून और सिद्दिकीन—के लोगों को नए चेतावनी संदेश भी जारी किए हैं, क्योंकि हमले तेज किए जा रहे हैं।

यूरोप में जलवायु परिवर्तन की स्थिति और गंभीर होने का खतरा, गर्मी बढ़ने का अलर्ट जारी

जिनेवा। यूरोप किसी भी अन्य महाद्वीप की तुलना में अधिक तेजी से गर्म हो रहा है। कई रिपोर्टों में तेजी से बढ़ती जलवायु चरम स्थितियों की स्पष्ट तस्वीर सामने आई है। रिपोर्ट के अनुसार, जलवायु परिवर्तन अब एक ऐसी सच्चाई बन चुका है, जो पूरे यूरोप में पारिस्थितिकी तंत्र, अर्थव्यवस्था और मानव स्वास्थ्य को प्रभावित कर रहा है और इससे निपटने के लिए बड़े कदम उठाने की जरूरत है।

वर्ल्ड मेटियोरोलॉजिकल ऑर्गनाइजेशन (डब्ल्यूएमओ) की मुख्य सचिव सेलेस्टे साउलो ने बुधवार (स्थानीय समय) को जारी यूरोपीय स्टेट ऑफ द क्लाइमेट रिपोर्ट 2025 को पेश करते हुए कहा, 1980 से, यूरोप ग्लोबल एवरेज से दोगुनी तेजी से गर्म हो रहा है, जिससे यह धरती पर सबसे तेजी से गर्म होने वाला महाद्वीप बन गया है। ईयू समर्थित कोपरनिकस क्लाइमेट चेंज सर्विस और डब्ल्यूएमओ की रिपोर्ट के अनुसार, 2025 में यूरोप को रिकॉर्ड या लगभग रिकॉर्ड स्तर की चरम जलवायु परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है। इसमें पूरे महाद्वीप में हीटवेव, जंगल की आग, समुद्री तापमान में बढ़ोतरी और बर्फ के तेजी से पिघलने जैसी घटनाएं शामिल हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, यूरोप के कम से कम 95 फीसदी हिस्से में सालाना तापमान सामान्य से ज्यादा रिकॉर्ड किया गया, जिसमें मेडिटेरेनियन से आर्कटिक सर्कल तक लंबे समय तक गर्मी फैली रही। यूरोप ने रिकॉर्ड पर अपनी दूसरी सबसे गंभीर हीटवेव का अनुभव किया, जबकि सब-आर्कटिक फेनोस्कैंडिया ने जुलाई में 21 दिन की हीटवेव का सामना किया।

अमेरिकी 'नाकेबंदी' रणनीति विफल, खाड़ी में बढ़ेगा तनावः ईरान

तेहरान। ईरान के शीर्ष नेतृत्व ने अमेरिकी प्रशासन की कथित नौसैनिक नाकेबंदी रणनीति को विफल और भ्रामक करार देते हुए कहा है कि इससे न तो ईरान पर दबाव बढ़ेगा और न ही क्षेत्र में स्थिरता आएगी, बल्कि फारस की खाड़ी में तनाव और बढ़ेगा।

ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने स्पष्ट कहा कि किसी भी प्रकार की समुद्री नाकेबंदी अंतरराष्ट्रीय कानून के खिलाफ है और 'विफल होकर ही रहेगी'। तस्नीम न्यूज एजेंसी के अनुसार, उन्होंने कहा कि ऐसे कदम क्षेत्रीय सुरक्षा को मजबूत करने के बजाय तनाव बढ़ाते हैं और स्थायी शांति को बाधित करते हैं।

पर्शियन गल्फ नेशनल डे के अवसर पर अपने संदेश में, पेजेश्कियन ने इस रणनीतिक जलमार्ग को ईरानियों की राष्ट्रीय पहचान का एक अभिन्न अंग और ईरान की संप्रभुता का प्रतीक बताया।

वहीं, ईरानी संसद के स्पीकर एमबी गालिबाफ ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और अमेरिकी ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट के बयानों पर तंज कसते हुए कहा कि 'तीन दिन बीत गए, कोई तेल कुआं नहीं फटा। इसे 30 दिन तक बढ़ाकर लाइव भी दिखाया जा सकता है।' उन्होंने आरोप लगाया कि अमेरिकी प्रशासन को गलत सलाह दी जा रही है, जिससे तेल कीमतों में उछाल आया है और स्थिति और जटिल हो रही है।

इससे पहले ट्रंप ने दावा किया था कि अमेरिकी नाकेबंदी जारी रहने पर ईरान का तेल ढांचा 'तीन दिनों में फट सकता है।' वहीं, बेसेंट ने सोशल मीडिया पर कहा कि अमेरिकी 'ब्लॉकेड' के चलते ईरान का तेल उत्पादन ठप होने की कगार पर है और जल्द ही पेट्रोल की कमी हो सकती है।

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज और फारस की खाड़ी वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिहाज से अत्यंत महत्वपूर्ण क्षेत्र हैं, जहां से दुनिया के बड़े हिस्से को तेल निर्यात होता है। संयुक्त अमेरिका और ईरान के बीच लंबे समय से चले आ रहे तनाव, विशेषकर ईरान के परमाणु कार्यक्रम और प्रतिबंधों को लेकर, अक्सर इस क्षेत्र में टकराव का कारण बने हैं।

नौसैनिक नाकेबंदी न केवल क्षेत्रीय स्थिरता, बल्कि वैश्विक तेल आपूर्ति और व्यापार पर भी गंभीर असर डाल रही है।

रणनीतिक साझेदारियों को मजबूत करने के लिए अमेरिका में विधेयक पेश

वाशिंगटन। अमेरिकी सांसद कोरी बुकर और डेव मैककॉर्मिक ने एक द्विदलीय विधेयक पेश किया है, जिसका उद्देश्य ऊर्जा सुरक्षा, सप्लाई चेन और रणनीतिक साझेदारियों को मजबूत करना है। इस विधेयक में भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारा में पूर्वी भूमध्य सागर की भूमिका को बढ़ाने पर जोर दिया गया है। इस पहल का लक्ष्य वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति को सुरक्षित करना और अंतरराष्ट्रीय सप्लाई चेन को मजबूत बनाना है।

इस विधेयक के जरिए अमेरिका अपने सहयोगी देशों के साथ रणनीतिक संबंधों को और मजबूत करने की दिशा में काम करेगा, खासकर उन क्षेत्रों में जो व्यापार और ऊर्जा मार्गों के लिए महत्वपूर्ण हैं।

प्रस्तावित पूर्वी भूमध्यसागर गेटवे एक्ट का मकसद एक ऐसे इलाके में अमेरिका की भागीदारी बढ़ाना है, जिसे अमेरिका, भारत, मिडिल ईस्ट और यूरोप के बीच एक जरूरी कड़ी के तौर पर देखा जा रहा है। यह बिल पोर्ट, डिजिटल कॉरिडोर और इंफ्रास्ट्रक्चर पर फोकस करता है ताकि एनर्जी फ्लो को सुरक्षित किया जा सके और व्यापार और कूटनीतिक संबंधों को गहरा किया जा सके।

सीनेटर बुकर ने कहा, वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा और सप्लाई चेन पर दबाव बढ़ रहा है और ईस्टर्न मेडिटेरेनियन कई साझा रणनीतिक हितों पर स्थिरता और सहयोग बढ़ाने के लिए एक जरूरी इलाके के तौर पर उभर रहा है, जिसमें अमेरिका-भारत-मिडिल ईस्ट-यूरोप आर्थिक कॉरिडोर के लिए समर्थन भी शामिल है।

नेपाली एयरलाइंस ने नेटवर्क मैप में जम्मू-कश्मीर को पाकिस्तान का हिस्सा दिखाया, बवाल मचने पर मांगी माफी

काठमांडू। नेपाल की सरकारी स्वामित्व वाली नेपाल एयरलाइंस ने गुरुवार को सोशल मीडिया पर साझा किए गए अपने नेटवर्क मैप में भारत के जम्मू-कश्मीर को पाकिस्तान का हिस्सा दिखाने पर माफी मांगी है। एयरलाइन ने इसे एक त्रुटि बताते हुए खेद व्यक्त किया और कहा कि यह गलती अनजाने में हुई।

दरअसल यह नेटवर्क मैप एक दिन पहले सोशल मीडिया पर साझा किया गया था, जिसमें जम्मू-कश्मीर को पाकिस्तान का हिस्सा दिखाया गया था। एयरलाइन ने स्पष्ट किया कि इस तरह की गलती को सुधारा जा रहा है और भविष्य में ऐसी त्रुटि न हो, इसके लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

मैप की तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद इसकी कड़ी आलोचना शुरू हो गई। एयरलाइन ने सोशल मीडिया पर कहा, 'हम हाल ही में हमारे सोशल मीडिया चैनल पर शेयर किए गए नेटवर्क मैप में हुई गलती के लिए सच में माफी मांगते हैं। हमने तुरंत पोस्ट हटा दिया है और यह सुनिश्चित करने के लिए आंतरिक समीक्षा कर रहे हैं कि हमारा मटीरियल एक्यूरेसी के सबसे ऊंचे स्टैंडर्ड को पूरा करता है।

नेपाल एयरलाइंस ने कहा कि मैप में अंतरराष्ट्रीय सीमा के बारे में मानचित्रकला में काफी गलतियां थीं, जो नेपाल या एयरलाइंस के आधिकारिक रुख को नहीं दिखातीं। एयरलाइन ने आगे कहा, 'हम इस इलाके में अपने पड़ोसियों और दोस्तों के साथ अपने मजबूत संबंधों को बहुत महत्व देते हैं और इस पोस्ट से हुई किसी भी गलती के लिए हमें अफसोस है।

बलूचिस्तान में फर्जी मुठभेड़ में हत्या, दो महिलाओं के जबरन गायब किए जाने का आरोप

क्वेटा। बलूचिस्तान में नागरिकों के खिलाफ हिंसा जारी रहने के बीच प्रमुख मानवाधिकार संगठनों ने एक व्यक्ति की कथित गैर-न्यायिक हत्या और दो महिलाओं के जबरन गायब किए जाने के मामले उठाए हैं। इन घटनाओं के लिए पाकिस्तानी सुरक्षा बलों पर आरोप लगाए गए हैं।

बलूचिस्तान मानवाधिकार परिषद (एचआरसीबी) ने बताया कि केच जिले के तुंप क्षेत्र निवासी आमिर नूर को 28 अप्रैल को पाकिस्तान समर्थित डेथ स्क्वॉड ने गोली मार दी। वह अपनी पत्नी और बहन के साथ इलाज के लिए कराची जा रहे थे।

संगठन के अनुसार रास्ते में बस को रोककर हथियारबंद लोगों ने आमिर नूर को नीचे उतारा और उन पर गोलीबारी कर दी, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। इस हमले में उनकी पत्नी और बहन भी घायल हुईं।

एचआरसीबी ने दावा किया कि आमिर नूर को 4 नवंबर 2024 को पाकिस्तानी बलों ने जबरन हिरासत में लिया था और लंबे समय तक बंदी बनाए रखने के बाद 24 अप्रैल 2026 को रिहा किया गया था।

मानवाधिकार संगठन ने चिंता जताते हुए कहा कि जनवरी 2025 से अप्रैल 2026 के बीच 11 लोगों को जबरन गायब किए जाने के बाद रिहाई मिलने पर निशाना बनाया गया। इनमें से 10 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि एक व्यक्ति हमले में बच गया।

संगठन ने कहा कि इन घटनाओं को स्थानीय डेथ स्क्वॉड ने अंजाम दिया, जिससे रिहाई के बाद भी लगातार उत्पीड़न को लेकर गंभीर सवाल उठते हैं।

वहीं बलूच महिला फोरम (बीडब्ल्यूएफ) ने बलूचिस्तान में महिलाओं के जबरन गायब किए जाने की लगातार मिल रही खबरों पर गंभीर चिंता जताई है। संगठन ने कहा कि इससे लोगों में डर, अनिश्चितता और मानसिक तनाव बढ़ा है।

दिल्ली-एनसीआर में बदला मौसम का मिजाज तेज आंधी और बारिश से गिरा तापमान

नोएडा। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में गुरुवार को दिन भर पड़ रही भीषण गर्मी और तेज धूप के बाद मौसम ने अचानक करवट ले ली। दोपहर बाद तेज हवाओं के साथ धूल भरी आंधी चली, जिसके बाद आसमान में काले बादल छा गए और कई इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश शुरू हो गई।

मौसम में आए इस बदलाव से लोगों को गर्मी से काफी राहत मिली है। भारतीय मौसम विभाग द्वारा पहले ही 30 अप्रैल के लिए पूर्वानुमान जारी किया गया था। जारी रिपोर्ट के अनुसार, इस दिन अधिकतम तापमान 39 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस दर्ज होने का अनुमान था। वहीं, आर्द्रता (ह्यूमिडिटी) का स्तर 48 प्रतिशत से 30 प्रतिशत के बीच रहने की संभावना जताई गई थी।

मौसम विभाग ने साफ तौर पर चेतावनी दी थी कि दिन के दौरान आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे और बहुत हल्की से हल्की बारिश के साथ गरज-चमक देखने को मिल सकती है। मौसम विभाग ने यह भी बताया था कि दोपहर और शाम के समय 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं, जो झोंकों के दौरान 50 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकती हैं। यही कारण रहा कि अचानक आई आंधी ने वातावरण को ठंडा कर दिया और उसके बाद बारिश ने मौसम को सुहावना बना दिया। आईएमडी के अनुसार, दोपहर में हल्की बारिश और तेज हवाओं के साथ बिजली कड़कने की संभावना जताई गई थी, जबकि शाम के समय भी इसी तरह का मौसम बने रहने की चेतावनी दी गई थी। यह पूर्वानुमान पूरी तरह सटीक साबित हुआ, जब शाम होते-होते एनसीआर के कई हिस्सों में बारिश दर्ज की गई। वहीं, 1 मई के लिए मौसम विभाग ने अनुमान लगाया है कि अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 24 डिग्री सेल्सियस रहेगा। इस दिन भी आंशिक रूप से बादल छाए रहने की संभावना है, हालांकि किसी प्रकार की चेतावनी जारी नहीं की गई है।

उत्तर प्रदेश में आयुर्वेद, योग, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी के साथ अमची चिकित्सा को भी मिलेगा स्थान

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के आयुष कॉलेजों में 2500 वर्ष पुरानी पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली 'सोवा रिग्पा' (अमची चिकित्सा) और सिद्ध पद्धति की पढ़ाई शुरू करने की तैयारी की जा रही है। इससे न सिर्फ पारंपरिक चिकित्सा को नई पहचान मिलेगी, बल्कि प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं का दायरा भी व्यापक होगा।

योगी सरकार का लक्ष्य है कि आयुर्वेद, योग, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी के साथ-साथ सोवा रिग्पा पद्धति को भी मुख्यधारा में लाया जाए। यह पहल खासतौर पर उन बीमारियों के इलाज में कारगर साबित होगी, जिनमें आधुनिक चिकित्सा पद्धतियों के साथ पूरक उपचार की जरूरत होती है, जैसे कैंसर, जोड़ों का दर्द, मानसिक रोग और दीर्घकालिक बीमारियां आदि।

प्रमुख सचिव आयुष रंजन कुमार ने बताया कि सोवा रिग्पा और सिद्ध पद्धति के डिग्री कोर्स शुरू करने की प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ रही है। इन कोर्सों के लिए जरूरी मानकों, पाठ्यक्रम और इंफ्रास्ट्रक्चर को विकसित किया जा रहा है। योगी सरकार ने इसके लिए हरी झंडी दे दी है और जल्द ही प्रदेश के चयनित आयुष कॉलेजों में इनकी पढ़ाई शुरू हो जाएगी। इन कोर्सों की शुरुआत के साथ ही डिग्री लेने वाले चिकित्सकों का पंजीकरण भी किया जाएगा, जिससे वे अधिकृत रूप से अपने उपचार केंद्र खोल सकेंगे। इससे प्रदेश में पारंपरिक चिकित्सा सेवाओं का विस्तार होगा और मरीजों को वैकल्पिक उपचार के अधिक विकल्प मिलेंगे। प्रमुख सचिव ने बताया कि वाराणसी में सोवा रिग्पा का एक प्रमुख केंद्र विकसित किया जाएगा। यह केंद्र शोध, प्रशिक्षण और उपचार का हब बनेगा, जहां जटिल बीमारियों के इलाज पर विशेष फोकस रहेगा।

संक्षिप्त खबर

उत्तर प्रदेश में बनेगा देश का पहला बासमती और जैविक प्रशिक्षण केंद्र, सरकार ने 70 साल की लीज पर जमीन को दी मंजूरी

नई दिल्ली। सरकार ने गुरुवार को बताया कि उत्तर प्रदेश के पीलीभीत जिले के टांडा बिजैसी में बासमती और जैविक प्रशिक्षण केंद्र (ऑर्गेनिक ट्रेनिंग सेंटर) तथा डेमो फार्म बनाने के लिए करीब 7 एकड़ जमीन 70 साल की लीज पर देने का फैसला किया गया है। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि इस केंद्र में ऑडिटोरियम, संग्रहालय और बासमती और जैविक खेती पर गैलरी, कॉन्फ्रेंस रूम, लैब और जैविक खेती के लिए आवश्यक सामान रखने के लिए भंडारण स्थान सहित अन्य सुविधाएं होंगी।

यह केंद्र किसानों को प्रशिक्षण देने और उनकी क्षमता बढ़ाने में मदद करेगा। साथ ही यह कृषि विशेषज्ञों और छात्रों के लिए भी एक महत्वपूर्ण संसाधन केंद्र बनेगा। यह देश का पहला ऐसा केंद्र होगा, जहां पारंपरिक और जैविक दोनों तरह की बासमती खेती का प्रशिक्षण और प्रदर्शन किया जाएगा। इसकी लोकेशन के कारण उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के किसानों को इसका फायदा मिलेगा।

इस केंद्र को राष्ट्रीय स्तर पर बासमती के परीक्षण के लिए 'ऑल इंडिया कोऑर्डिनेटेड रिसर्च प्रोजेक्ट (एआईसीआरपी)' केंद्र भी बनाया गया है, जिससे पीलीभीत, उत्तर प्रदेश के बासमती क्षेत्र में तीसरा ऐसा केंद्र बन गया है। इससे नए बासमती बीजों का परीक्षण और क्षेत्र के अनुसार उनकी उपयुक्तता का मूल्यांकन किया जा सकेगा। इसके अलावा, केंद्रीय राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने भारत के पहले एआई-आधारित बासमती धान सर्वे प्रोजेक्ट (2026-2028) की शुरुआत की। यह प्रोजेक्ट एपीईडीए और अखिल भारतीय चावल निर्यातक संघ (एआईआरईए) के सहयोग से लागू किया जाएगा। इस प्रोजेक्ट के तहत करीब 40 लाख हेक्टेयर क्षेत्र को कवर किया जाएगा, 1.5 लाख से ज्यादा जगहों से डेटा लिया जाएगा और 5 लाख से ज्यादा किसानों को इसमें शामिल किया जाएगा। इसका उद्देश्य फसल का सही आकलन, किस्मों की पहचान, वैज्ञानिक सलाह और निर्यात योजना को बेहतर बनाना है।

बासमती चावल, जो भारत का एक जीआई (जियोग्राफिकल इंडिकेशन) उत्पाद है, का निर्यात 2025-26 में 5.67 अरब डॉलर का रहा, जबकि मात्रा लगभग 65 लाख मीट्रिक टन रही। यह क्षेत्र भारत के कृषि निर्यात में महत्वपूर्ण योगदान देता है और मध्य पूर्व, यूरोप और उत्तर अमेरिका जैसे बाजारों में इसकी मजबूत मांग है।

तमिलनाडुः चित्रा पूर्णिमा उत्सव के लिए स्पेशल ट्रेन और बस सेवा की घोषणा

चेन्नई। तमिलनाडु के तिरुवन्नामलाई में इस साल के चित्रा पूर्णिमा गिरिवलम में लगभग 25 लाख भक्तों के शामिल होने की उम्मीद है। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को संभालने के लिए अधिकारियों ने परिवहन के व्यापक इंतजाम किए हैं, जिनमें विशेष ट्रेन और बस सेवाएं शामिल हैं।

दक्षिणी रेलवे ने 1 मई से शुरू होने वाले तीन दिनों के लिए विलुप्पुरम-तिरुवन्नामलाई और काटपाडी-तिरुवन्नामलाई-विलुप्पुरम सेक्शन पर कई अनारक्षित विशेष ट्रेनों और मेमू सेवाओं की घोषणा की है। इसका उद्देश्य अरुणाचल पहाड़ी की पवित्र परिक्रमा करने वाले श्रद्धालुओं की यात्रा को आसान बनाना है।

रेलवे अधिकारियों के अनुसार, विलुप्पुरम और तिरुवन्नामलाई के बीच बिना रिजर्वेशन वाली स्पेशल ट्रेनें 1 और 2 मई को विलुप्पुरम से सुबह 10 बजे और रात 9.15 बजे रवाना होंगी और क्रमशः सुबह 11.45 बजे और रात 10.45 बजे तिरुवन्नामलाई पहुंचेंगी। वापसी में ट्रेनें उन्हीं दिनों तिरुवन्नामलाई से दोपहर 12.15 बजे रवाना होंगी और दोपहर 1.45 बजे विलुप्पुरम पहुंचेंगी। इसके अलावा, सुबह-सवेरे यात्रा करने वाले यात्रियों की सुविधा के लिए मेमू स्पेशल सेवाओं का भी शेड्यूल तय किया गया है। तिरुवन्नामलाई-विलुप्पुरम मेमू ट्रेनें 1, 2 और 3 मई को रात 2 बजे रवाना होंगी और सुबह 4 बजे तक विलुप्पुरम पहुंच जाएंगी। आगे की कनेक्टिविटी सुनिश्चित करने के लिए विलुप्पुरम-कटपाडी मेमू सेवाएं भी उपलब्ध हैं, जो 1 और 2 मई को रात 10.40 बजे विलुप्पुरम से रवाना होंगी और अगले दिन सुबह 1.50 बजे कटपाडी पहुंचेंगी। कटपाडी से लौटने वाली मेमू ट्रेनें 1, 2 और 3 मई को रात 2.05 बजे रवाना होंगी और सुबह 5 बजे विलुप्पुरम पहुंचेंगी। सड़क परिवहन के क्षेत्र में तमिलनाडु परिवहन विभाग ने त्योहारों के दौरान चेन्नई से तिरुवन्नामलाई के लिए 1,613 विशेष बसों की भारी तैनाती की घोषणा की है। तीर्थयात्रियों की सुचारू आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए नियमित सेवाओं समेत कुल 11,823 बसें चेन्नई और राज्य के अन्य हिस्सों से संचालित होंगी।

किलंबक्कम के 'कलाईनार शताब्दी बस टर्मिनस' (केसीबीटी) से बड़ी संख्या में बस सेवाएं शुरू होंगी। 1 मई को 565 और 2 मई को 35 बसें निर्धारित हैं।

माधवराम मोफुसिल बस टर्मिनस (एमएमबीटी) से 1 मई को 174 बसें चलेंगी। इसके अलावा, शहर में ट्रैफिक की मांग को पूरा करने के लिए दो दिनों तक अड्यार से 105 विशेष बसें चलाई जाएंगी।

राष्ट्रीय राजमार्ग के डिवाइडर के डिजाइन में खामियां, धार सड़क हादसे की जांच में उजाकर चिंताजनक तथ्य

धार। मध्य प्रदेश के धार जिले में हुई घातक सड़क दुर्घटना की पुलिस जांच में राष्ट्रीय राजमार्गों के लिए निर्धारित सुरक्षा मानदंडों के गंभीर उल्लंघन की ओर इशारा किया गया है, जिनमें अनिवार्य साइनेज का अभाव, डिवाइडर का अनुचित डिजाइन, परावर्तक सड़क चिह्नों की कमी और असुरक्षित डिवाइडर संरचनाएं शामिल हैं। इन खामियों के साथ-साथ तेज गति को दुर्घटना का एक प्रमुख कारण माना जा रहा है, जिसमें 16 लोगों की जान चली गई।

इंदौर-अहमदाबाद राष्ट्रीय राजमार्ग पर चिक्लिया क्रॉसिंग के पास घटनास्थल का निरीक्षण करने वाले इंदौर ग्रामीण उप महानिरीक्षक (डीआईजी) मनोज कुमार सिंह ने गुरुवार को बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि दुर्घटना न केवल अत्यधिक गति के कारण हुई, बल्कि सड़क सुरक्षा मानकों के पालन में गंभीर चूक के कारण भी हुई।

सिंह ने गुरुवार को प्रेस को जानकारी देते हुए कहा कि प्रथम दृष्ट्या, तेज गति ही मुख्य कारण प्रतीत होती है। हालांकि, हमारी जांच में पता चला कि घटनास्थल पर कई आवश्यक सुरक्षा उपाय मौजूद नहीं थे। उन्होंने बताया कि आगे आने वाले मोड़ या चौराहे के बारे में चालकों को सचेत करने के लिए कोई अग्रिम चेतावनी बोर्ड नहीं थे, न ही वाहनों की गति को नियंत्रित करने के लिए कोई स्टॉप या चेतावनी संकेत थे।

कनेक्टिविटी बेहतर बनाने के लिए तीन शहरों में 17 नए शहरी बस मार्गों को मंजूरी

गांधीनगर। अधिकारियों ने गुरुवार को बताया कि गुजरात के तीन शहरों में शहरी बस सेवाओं के विस्तार से कनेक्टिविटी बेहतर होने और आने-जाने का खर्च कम होने की उम्मीद है। यह विस्तार 'मुख्यमंत्री शहरी बस परिवहन योजना' के तहत 17 नए रूटों को मंजूरी मिलने के बाद किया जा रहा है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के मार्गदर्शन में लिए गए इस फैसले को उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी ने मंजूरी दी। ये नए रूट नवसारी, वापी और पालनपुर में शुरू किए जाएंगे। इनका मकसद पब्लिक ट्रांसपोर्ट सिस्टम को मजबूत करना और उन इलाकों तक पहुंच बढ़ाना है जहां अभी तक ठीक से सुविधाएं नहीं पहुंची हैं या जो शहर के बाहरी हिस्सों में हैं। सरकारी जानकारी के मुताबिक, नवसारी नगर निगम क्षेत्र के लिए सात नए रूट मंजूर किए गए हैं। इन सेवाओं के शुरू होने से उम्मीद है कि शहर के लोगों के लिए एक जगह से दूसरी जगह जाना ज्यादा आसान और सस्ता हो जाएगा, जिससे अलग-अलग इलाकों के बीच कनेक्टिविटी बेहतर होगी। वापी में चार नए रूट मंजूर किए गए हैं। एक इंडस्ट्रियल हब होने के नाते, इस शहर में हर दिन मजदूरों और कर्मचारियों की काफी आवाजाही होती है। अधिकारियों ने बताया कि इन अतिरिक्त रूटों से यात्रियों को राहत मिलेगी और प्राइवेट गाड़ियों पर उनकी निर्भरता कम करने में मदद मिलेगी। पालनपुर नगरपालिका को छह नए रूट मिलेंगे। यह फैसला शहर के बढ़ते शहरी स्वरूप और बनासकांठा जिले के मुख्यालय के तौर पर उसकी अहमियत को ध्यान में रखते हुए लिया गया है।

जम्मू-श्रीनगर वंदे भारत इस क्षेत्र के विकास में परिवर्तनकारी दौर की शुरुआत : उमर अब्दुल्ला

श्रीनगर। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुरुवार को जम्मू से श्रीनगर के बीच सीधी 20-कोच वाली वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन सेवा को हरी झंडी दिखाई। यह ट्रेन सेवा आम जनता के लिए 2 मई से शुरू होगी। इस मौके पर जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह भी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि यह नई सेवा इस क्षेत्र के विकास में एक परिवर्तनकारी दौर की शुरुआत है, क्योंकि यह जम्मू और कश्मीर घाटी के बीच निर्बाध और हर मौसम में बनी रहने वाली कनेक्टिविटी को बेहतर बनाती है, जिससे पूरे क्षेत्र में आवागमन, पर्यटन और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलता है।

जितेंद्र सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर लिखा, 'जम्मू रेलवे स्टेशन पर 20 कोच वाली नई वंदे भारत को हरी झंडी दिखाई। यह इस क्षेत्र में रेल कनेक्टिविटी को एक बड़ी मजबूती देगा। इस मौके पर केंद्रीय रेल मंत्री, जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री और अन्य गणमान्य व्यक्ति भी मौजूद थे। उन्होंने आगे लिखा, '20 कोचों का जोड़ा जाना आधुनिक, हाई-स्पीड रेल यात्रा की बढ़ती मांग को दर्शाता है और जम्मू-कश्मीर में यात्रियों की क्षमता, आराम और बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है।

जम्मू-कश्मीर अपनी पार्टी के अध्यक्ष अल्ताफ बुखारी ने एक्स पोस्ट में लिखा, 'जम्मू और कश्मीर की जुड़वां राजधानियों को जोड़ने वाली सीधी ट्रेन की शुरुआत एक लंबे समय से प्रतीक्षित मील का पत्थर है। इससे कनेक्टिविटी में काफी सुधार होगा, जिससे घाटी और जम्मू के बीच यात्रा और भी ज्यादा सुविधाजनक और आरामदायक हो जाएगी।

जम्मू से श्रीनगर के बीच शुरू हुई यह सीधी ट्रेन सेवा पर्यटन को बढ़ावा देगी, दोनों शहरों के बीच यात्रा समय कम करेगी, और खराब मौसम में अक्सर बंद रहने वाले जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग का एक भरोसेमंद विकल्प भी बनेगी। इससे पहले 6 जून 2025 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कटरा से श्रीनगर के बीच इस सेवा का उद्घाटन किया था, जिसे अब जम्मू तवी रेलवे स्टेशन तक बढ़ा दिया गया है। करीब 70 वर्षों से कश्मीर घाटी को देश के बाकी हिस्सों से रेल नेटवर्क से जोड़ने का सपना अधूरा था। इसे पूरा करने के लिए 43,780 करोड़ रुपए की लागत से इस महत्वाकांक्षी परियोजना की शुरुआत 1990 के दशक के अंत में हुई थी।

24 राज्यों में 274 साइबर अपराध को अंजाम देने वाले गिरोह का खुलासा, 4 आरोपी गिरफ्तार

रामगढ़। झारखंड के रामगढ़ जिले में पुलिस ने एक संगठित साइबर ठगी गिरोह का पर्दाफाश करते हुए उसके चार सदस्यों को गिरफ्तार किया है। यह गिरोह बैंक खातों के जरिए देशभर में लोगों को ठगने के नेटवर्क से जुड़ा हुआ था।

पुलिस के मुताबिक, इस नेटवर्क के खिलाफ देश के 24 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में कुल 274 शिकायतें दर्ज हैं। मामले का खुलासा तब हुआ, जब गृह मंत्रालय की 'आई फोर सी' परियोजना के तहत संचालित 'प्रतिबिम्ब पोर्टल' पर एक संदिग्ध बैंक खाते में असामान्य लेनदेन की जानकारी सामने आई। भारतीय स्टेट बैंक के एक करंट अकाउंट पर नजर गई, जिसके जरिए लगातार अलग-अलग राज्यों से रकम जमा की जा रही थी। सूचना मिलते ही एसपी मुकेश लुनायत के निर्देश पर विशेष टीम गठित की गई और तकनीकी निगरानी शुरू हुई। जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ी, एक परत दर परत खुलती चली गई। पता चला कि 'गणेश इंटरप्राइजेज' के नाम से एमएसएमई परियोजना के तहत खुलवाया गया यह खाता असल में ठगी के पैसे इकट्ठा करने का माध्यम था। पुलिस ने छापेमारी कर राहुल गुप्ता (37), रवि कुमार वर्मा (34), रितेश अग्रवाल उर्फ मुन्ना (40) और सोनू कुमार झा (34) को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपियों ने खुलासा किया कि खाते खोलने से लेकर उसे ऑपरेट करने तक एक सुनियोजित तंत्र काम कर रहा था।

हांसी के लोगों को जल्द मिलेगा भाखड़ा नहर का पानी, दूर होगी पानी किल्लत

हांसी (हरियाणा)। हरियाणा के हांसी जिले के लोगों को हर वर्ष गर्मी के मौसन में पानी की किल्लत का सामना करना पड़ता है। इस वजह से उन्हें अपने दिनचर्या के कार्यों को पूरा करने में कई दिक्कतें होती हैं। अब इन्हीं दिक्कतों को देखते हुए भाखड़ा नहर का पानी जिले को देने का फैसला किया।

पाइपलाइन के जरिए भाखड़ा नहर के पानी को जिले के लोगों को देने का फैसला किया गया। प्रशासन की तरफ से इसकी पूरी रूपरेखा निर्धारित की गई है, जिसे अब लगभग जमीन पर उतारा जा चुका है। आगामी 30 मई को यह परियोजना पूरी तरह से तैयार हो जाएगी। पहले 15 मई तक इस परियोजना को जमीन पर उतारे जाने का फैसला किया गया था, लेकिन, एनएचएआई और बीएसएनएल से तालमेल स्थापित नहीं होने की वजह से यह अपने तय समय तक पूरा नहीं हो पाई। इसके बाद अब खबर आई है कि 30 मई तक इस परियोजना को पूरा कर लिया जाएगा। इसे जिले के लोगों के लिए राहत के रूप में देखा जा रहा है। प्रशासन का कहना है कि अगर अपने तय समय तक यह परियोजना धरातल पर उतरने में सफल हुई, तो जिले के लोगों को गर्मियों के मौसम में बहुत राहत मिलेगी, क्योंकि यहां के लोगों को गर्मियों के मौसम में पानी की किल्लत का सामना करना पड़ता है।

परियोजना को पूरा करने में 68 करोड़ रुपए खर्च हुए हैं। आधा काम हो चुका है। अब बचा आधा काम भी जल्द ही पूरा हो जाएगा। इस परियोजना को कैसे अपने निर्धारित समय अवधि तक पूरा करना है, इस दिशा में पूरी रूपरेखा निर्धारित की जा चुकी है और इसे जल्द ही धरातल पर उतारने जाने की प्रक्रिया जारी है। अगर अपने निर्धारित समय तक इस परियोजना से जुड़ा काम पूरा हुआ है, तो 1 जून से जिले के लोगों को स्वच्छ पानी मिलना शुरू हो जाएगा। हांसी के एसडीएम ने बताया कि 27 किलोमीटर लंबी पाइपलाइन बिछाई जा रही है। अब तक लगभग 13 किलोमीटर तक का काम पूरा हो चुका है। पाइपलाइन के लिए 1 मीटर व्यास वाली डक्टाइल आयरन पाइप का इस्तेमाल किया जा रहा है, जो पानी की सप्लाई को मजबूत और टिकाऊ बनाएगी। एसडीएम ने बताया कि प्रशासन की तरफ से इस परियोजना को पूरा करने की दिशा में हो रहे कार्यों की उच्चस्तरीय निगरानी की जा रही है। जहां कहीं पर भी किसी भी प्रकार की विसंगति पाई जा रही है, तो उसे तत्काल दूर किया जा रहा है।

ट्राई ने व्हीकल-टू-एवरीथिंग कम्युनिकेशन के लिए नियामक ढांचे पर परामर्श पत्र जारी किया

नई दिल्ली। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने व्हीकल-टू-एवरीथिंग (वी2एक्स) कम्युनिकेशन के लिए नियामक ढांचे पर एक परामर्श पत्र जारी किया है। यह जानकारी गुरुवार को संचार मंत्रालय की ओर से दी गई।

आधिकारिक बयान में कहा गया कि संचार मंत्रालय के दूरसंचार विभाग (डीओटी) ने एक दिसंबर 2025 को पत्र के माध्यम से ट्राई से वी2एक्स के लिए नियामक तंत्र पर ट्राई अधिनियम 1997 (संशोधित) के खंड 11(1)(ए) के तहत सिफारिशें प्रदान करने का अनुरोध किया है।

इस संबंध में, व्हीकल-टू-एवरीथिंग (वी2एक्स) कम्युनिकेशन के लिए विनियामक ढांचे पर एक परामर्श पत्र ट्राई की वेबसाइट पर उपलब्ध कराया गया है। हितधारकों से परामर्श पत्र में उठाए गए मुद्दों पर 28 मई, 2026 तक लिखित टिप्पणियां और 11 जून, 2026 तक प्रति-टिप्पणियां आमंत्रित की गई हैं।

मंत्रालय ने कहा कि टिप्पणियां या प्रति-टिप्पणियां इलेक्ट्रॉनिक रूप में ट्राई के सलाहकार (नेटवर्क, स्पेक्ट्रम और लाइसेंसिंग) अखिलेश कुमार त्रिवेदी को एडीवीएमएनएटदरेटट्राईडॉटगावडॉटइन पर भेज सकते हैं। वहीं, किसी अन्य जानकारी के लिए टेलीफोन नंबर +91-11-20907758 पर संपर्क किया जा सकता है।

व्हीकल-टू-एवरीथिंग (वी2एक्स) कम्युनिकेशन एक वायरलेस तकनीक है जो वाहनों को अन्य वाहनों (वी2वी), बुनियादी ढांचे (वी2आई), पैदल यात्रियों (वी2पी) और नेटवर्क (वी2एन) के साथ इंटरैक्ट करने में सक्षम बनाती है।

यह तकनीक सड़क सुरक्षा और यातायात दक्षता में सुधार करती है, साथ ही स्थान, गति और परिवेश पर वास्तविक समय डेटा साझा करके ऑटोनॉमस ड्राइविंग में सहायता करती है। काउंटरपॉइंट रिसर्च की एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार, भारत कनेक्टेड कारों के लिए सबसे तेजी से बढ़ते बाजार के रूप में उभरा है, जिसने 2024 में 25 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर्ज की है।

इस तेजी से बढ़ते उपयोग का कारण घरेलू ऑटोमोबाइल निर्माताओं द्वारा अपने सभी वाहनों में कनेक्टिविटी सुविधाओं को एकीकृत करना है। रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि 2028 तक वैश्विक स्तर पर बेची जाने वाली आधी से अधिक कारों में 5जी कनेक्टिविटी होगी।

जिससे न(वी2एक्स) संचार, तेज डेटा ट्रांसमिशन और ऑटोनॉमस ड्राइविंग क्षमताओं में वृद्धि होगी।

डीपफेक और डिजिटल उत्पीड़न का असर, महिलाएं सार्वजनिक मंचों से बना रहीं दूरी: अध्ययन में खुलासा

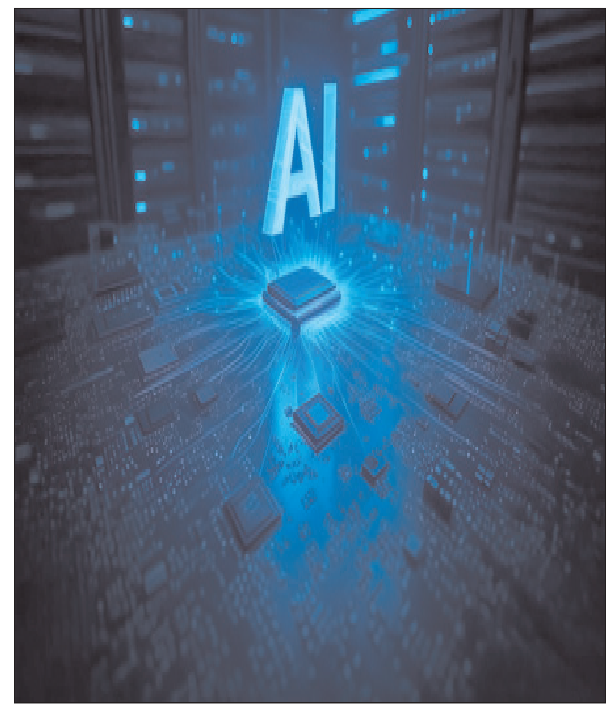

नई दिल्ली । वैश्विक शोधकर्ताओं की एक टीम ने गुरुवार को आगाह किया कि डीपफेक, एआई-सहायता प्राप्त यौन उत्पीड़न और बढ़ती ऑनलाइन हिंसा महिलाओं पर नाकारात्मक असर डाल रही हैं। इसके चलते कई महिलाएं सार्वजनिक जीवन से दूरी बनाने को मजबूर हो रही हैं।

यूएन वीमेन, सिटी सेंट जॉर्ज्स (यूनिवर्सिटी ऑफ लंदन) और डेटा फोरेंसिक कंपनी दनर्व की संयुक्त रिपोर्ट में पाया गया कि सार्वजनिक जीवन में सक्रिय महिलाओं के खिलाफ ऑनलाइन हिंसा अब तकनीकी रूप से अधिक जटिल और संगठित हो गई है। जिसका असर महिलाओं के जीवन पर पड़ रहा है।

रिपोर्ट की प्रमुख लेखिका और सिटी सेंट जॉर्ज के सेंटर फॉर जर्नलिज्म एंड डेमोक्रेसी की चेयर जूली पोजैट्टी ने कहा कि एआई-सर्पोटेड 'वर्चुअल रेप' अब अपराधियों के हौसले बुलंद कर रहा है। ये उनके लिए आसानी से उपलब्ध है, जिससे ऑनलाइन हिंसा और तेजी से बढ़ रही है।

उन्होंने कहा, 'यह प्रवृत्ति महिलाओं के अधिकारों में गिरावट को बढ़ावा देती है और दमन चक्र को और बढ़ाती है। खासकर ऐसे दौर में ऐसे माहौल में, जहां सत्ता सख्त है, लोकतंत्र कमजोर पड़ रहा है और महिलाओं के खिलाफ नफरत संगठित रूप से फैल रही है, यह हिंसा महिलाओं से मुश्किल से हासिल किए गए अधिकारों को छीनती है।'

अध्ययन में 119 देशों की 641 महिला पत्रकारों, मीडिया कर्मियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और मानवाधिकार रक्षकों के अनुभवों का विश्लेषण किया गया। सर्वेक्षण 2025 के अंत में किया गया था।

रिपोर्ट के अनुसार, 27 फीसदी महिलाओं को अवांछित यौन संदेश या सामग्री का सामना करना पड़ा, 12 फीसदी की निजी तस्वीरें बिना अनुमति साझा की गईं, और 6 फीसदी महिलाएं डीपफेक या मॉर्फ्ड कंटेंट का शिकार बनीं।

इन वजहों से मानसिक स्वास्थ्य पर भी नकारात्मक असर पड़ा। 24 फीसदी ने चिंता या अवसाद का अनुभव किया, 13 फीसदी को पोस्ट-ट्रॉमेटिक स्ट्रेस डिसऑर्डर (पीटीएसडी) का सामना करना पड़ा और 41 फीसदी ने सोशल मीडिया पर खुद को सीमित कर लिया।

रिपोर्ट की सह-लेखिका लिया हेलमुलर ने कहा कि ऑनलाइन हिंसा का असर महिलाओं की सार्वजनिक भागीदारी को कम कर रहा है और कई मामलों में उन्हें पीछे हटने के लिए मजबूर कर रहा है।

गर्मियों में शहद का सेवन हानिकारक या लाभदायक, जानें क्या कहता है आयुर्वेद

नई दिल्ली। गर्मियों में गर्म तासीर वाली चीजों के सेवन को कम करने की सलाह दी जाती है, क्योंकि पहले से ही बाहरी वातावरण गर्म होता है और शरीर के अंदर भी पित्त बढ़ने लगता है।

ऐसे में शरीर बाहरी और आंतरिक गर्मी से प्रभावित होता है। यही कारण है कि गर्मियों में ठंडी तासीर वाली चीजों की मांग बढ़ जाती है और गर्म तासीर वाली चीजों को किनारे कर दिया जाता है, लेकिन इसी के साथ एक बड़ा सवाल यह भी है कि क्या गर्मी में शहद का सेवन करना हानिकारक हो सकता है।

आयुर्वेद में शहर को अमृत माना जाता है, लेकिन उसकी तासीर गर्म और नमी देने वाली होती है। गर्मियों में पहले ही वायुमंडल में ताप और नमी होती है। ऐसे में क्या गर्मियों में शहद का सेवन करना सही रहेगा। आयुर्वेद मानता है कि भले ही शहद की तासीर गर्म होती है, लेकिन उसे 'योगवाही' द्रव्य भी कहा गया है यानी शहद को जिस वस्तु के साथ मिलाकर लिया जाए, वो वैसे ही गुण आत्मसात कर लेता है।

अगर शहद का सेवन सीधे तौर पर किया जाए, तो यह शरीर का पित्त बढ़ाकर गर्मी और जलन पैदा कर सकता है, लेकिन अगर इसी विधि और खाद्य पदार्थ

के साथ लिया जाए, तो इसकी तासीर दोनों बदल जाती है। जैसे गर्मियों में शहद का सेवन मिट्टी के घड़े के पानी के साथ मिलाकर सुबह कर सकते हैं। इसमें नींबू मिलाकर सुबह खाली पेट लें। यह शरीर को ठंडा रखने में मदद करेगा और वजन को भी नियंत्रित रखेगा।

गर्मियों में सत्तू का सेवन हर घर में किया जाता है। कुछ लोग मीठा सत्तू लेना पसंद करते हैं और उसमें चीनी का प्रयोग करते हैं, लेकिन चीनी की बजाय सत्तू में शहद का प्रयोग किया जा सकता है। यह शरीर को ठंडक और ऊर्जा दोनों प्रदान करेगा। यह मिश्रण न केवल शरीर को हाइड्रेटेड रखेगा, बल्कि मांसपेशियों की थकान को भी पल भर में दूर कर देगा।

शहद को दोपहर के वक्त दही के साथ भी लिया जा सकता है। शहद और दही का मिश्रण एक बेहतरीन प्रोबायोटिक खाद्य पदार्थ है, जो पाचन तंत्र को मजबूत करता है और लू से बचाने में भी मदद करता है। इसके साथ ही ध्यान रखने वाली बात यह भी है कि शहद को कभी भी घी के साथ न लें। यह विरुद्ध आहार की श्रेणी में आता है। दोनों का साथ में सेवन करने से शरीर में अधिक गर्मी बनने लगती है और वात और पित्त का असंतुलन भी होता है।

भारत में एआई इमेज टूल का बढ़ता क्रेज, चैटजीपीटी इमेज 2.0 के सबसे बड़े यूजर बने भारतीय

नई दिल्ली। ओपेनएआई द्वारा चैटजीपीटी इमेज 2.0 लॉन्च करने के सिर्फ एक हफ्ते के अंदर ही भारत इसके सबसे बड़े यूजर बेस के रूप में सामने आया है। गुरुवार को यह जानकारी सामने आई है।

लेकिन आंकड़ों से परे, जो बात सबसे अलग दिखती है, वह यह कि भारत के लोग इस एआई टूल का इस्तेमाल नए तरीके से कर रहे हैं — इसे क्रिएटिविटी, पहचान और डिजिटल स्टोरीटेलिंग के लिए उपयोग किया जा रहा है।

जहां पहले एआई को सिर्फ काम आसान करने वाला टूल माना जाता था, वहीं अब भारत में लोग इसे अपनी अभिव्यक्ति का माध्यम बना रहे हैं।

भारत के यूजर्स एनीमे स्टाइल पोर्ट्रेट, सिनेमैटिक फोटो, फैंटेसी न्यूजपेपर कवर और टैरो कार्ड जैसी इमेज बना रहे हैं। खासकर युवा वर्ग इसे अपनी स्टाइल और पहचान दिखाने के लिए इस्तेमाल कर रहा है।

इसकी लोकप्रियता इसलिए भी बढ़ी है क्योंकि चैटजीपीटी इमेज 2.0 में नई तकनीक जोड़ी गई है। यह कम शब्दों में भी डिटेल वाली इमेज बना सकता है, सही टेक्स्ट लिख सकता है (कई भाषाओं में), और जटिल निर्देशों को भी समझ सकता है।

इसमें सोचने-समझने की क्षमता भी जोड़ी गई है, जिससे यह यूजर के निर्देशों को बेहतर तरीके से समझकर अलग-अलग विकल्प दे सकता है और जरूरत पड़ने पर इंटरनेट की जानकारी का उपयोग भी कर सकता है।

लेकिन असली कहानी इस बात में छिपी है कि लोग इसका इस्तेमाल कैसे कर रहे हैं। भारत यूजर्स इस टूल की सीमाओं को आगे बढ़ा रहे है, और इससे प्रोफेशनल फोटो, लिंक्डइन स्टाइल हेडशॉट, पैपराजी से प्रेरित 'फ्लैश' फोटो से लेकर मनमोहक पेस्टल 'स्प्रिंग' सौंदर्य और फैशन-केंद्रित 'स्टाइल मी' रूपांतरण तक सब कुछ बना रहे हैं।

रोजमर्रा की तस्वीरों को भी लोग इसमें बदलकर शानदार लुक दे रहे हैं, और पुरानी या खराब फोटो को भी बेहतर बना रहे हैं।

कुछ लोग इससे अलग तरह के प्रयोग भी कर रहे हैं, जैसे खुद को अखबार के पहले पेज पर दिखाना, टैरो कार्ड इमेज बनाना या भविष्य के घर और डिजाइन तैयार करना।

इसके अलावा भारत में खास ट्रेंड भी देखने को मिल रहे हैं, जैसे फिल्मी पोट्रेट कोलाज और पुराने (वाई2के) स्टाइल के रोमांटिक एडिट।

पेट की समस्याओं और तनाव से मुक्ति दिलाएगा यह योगासन

नई दिल्ली। आज की आधुनिक जीवनशैली में रीढ़ की हड्डी का लचीलापन और पाचन तंत्र का स्वस्थ होना एक बड़ी चुनौती बन गया है। 'मारीच्यासन' इन्हीं में से एक प्रभावशाली आसन है, जो न केवल रीढ़ की हड्डी के लिए लाभदायक है, बल्कि शरीर के आंतरिक अंगों की गहराई से डिटॉक्स करने में मदद करता है।

मारीच्यासन, ऋषि 'मारीचि' के नाम पर रखा गया है। 'मारीच्यासन' शब्द संस्कृत से बना है। इसमें 'मारीच' का अर्थ प्रकाश की किरण (सूर्य या चंद्रमा की किरण) होता है और 'आसन' का अर्थ बैठने की 'मुद्रा' या फिर योग की स्थिति होती है।

भारत सरकार के आयुष मंत्रालय ने मारीच्यासन के महत्व पर जोर दिया है। उनके अनुसार, यह बैठकर किया जाने वाला ट्विस्टिंग (मेरुदंड को मोड़ने वाला) आसन है, जिसे ऋषि

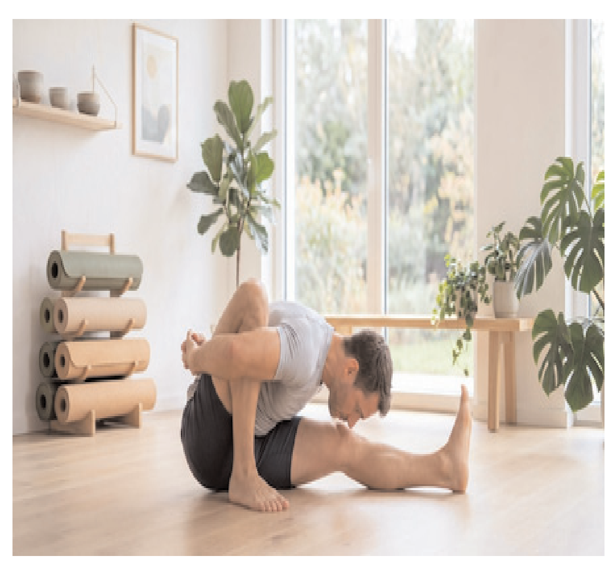

मारीचि के नाम पर रखा गया है।

इस आसान को करना बेहद आसान है। इसका अभ्यास करने के लिए सबसे पहले योगा मैट पर दंडासन की मुद्रा में बैठ जाएं। अब अपना दाहिना घुटना मोड़ें और बाएं हाथ को दाहिनी जांघ के बाहर रखें। सांस को छोड़ते हुए दाईं ओर मुड़ें और पीछे की तरफ देखें। संभव हो, तो हाथों को पीठ के पीछे पकड़ें। 5-10 गहरी सांसें लेकर दूसरी तरफ दोहराएं। शुरुआत में आसन को धीरे-धीरे और योग शिक्षक की देखरेख में करें। सांस पर पूरा ध्यान दें, जल्दबाजी न करें।

इस आसन का अभ्यास करने से ब्लड सर्कुलेशन बेहतर, तनाव कम और पेट के कई अंग सक्रिय होते हैं, जैसे लिवर, किडनी, प्लीहा, पेट, अग्न्याशय, छोटी आंत, पित्ताशय और प्रजनन तंत्र।

नियमित योग से न सिर्फ शारीरिक स्वास्थ्य बेहतर होता है, बल्कि मानसिक शांति भी मिलती है। यह आसन शरीर को लचीला बनाता है और मन को शांत रखता है। वहीं, सही तरीके से सांस लेना और ध्यान केंद्रित करना इस आसन का सबसे बड़ा रहस्य है। इसके अभ्यास से शरीर को कई तरह के लाभ मिलते हैं, लेकिन योग करने के साथ-साथ संतुलित आहार ग्रहण करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। सही खान-पान पाचन को दुरुस्त रखता है, मन को शांत करता है और शारीरिक-मानसिक शुद्धि में मदद करता है।

सांस लेने में दिक्कत से ब्रोंकियल इन्फेक्शन तक, श्वसन क्रिया सुधारने में कपालभाति कारगर

नई दिल्ली । विश्व योग दिवस को कुछ ही दिन शेष रह गए हैं। इस बीच भारत सरकार का आयुष मंत्रालय आए दिन नए -नए योगासनों के अभ्यास के साथ ही उनसे मिलने वाले फायदों के बारे में जानकारी दे रहे है। बढ़ते प्रदूषण, धूल और मौसम के तेज बदलाव के कारण आजकल सांस लेने में दिक्कत, साइनस, खांसी, जुकाम और ब्रोंकियल इन्फेक्शन जैसी श्वसन संबंधी समस्याएं आम हो गई हैं। ऐसे में मंत्रालय ने श्वसन क्रिया को मजबूत और स्वस्थ रखने के लिए प्राचीन योग क्रिया कपालभाति को अपनाने की सलाह दी है।

कपालभाति एक शक्तिशाली प्राणायाम है,

जो फेफड़ों को साफ करने, सांस की नलियों को खोलने और पूरे श्वसन तंत्र को बेहतर बनाने में बेहद कारगर माना जाता है। आयुष मंत्रालय के अनुसार, हर दिन कपालभाति के कुछ सावधानीपूर्वक चक्र करने से सांस को ताजगी मिलती है, शरीर में ऊर्जा का संचार होता है और श्वसन क्रिया मजबूत होती है। जिन लोगों को साइनस कंजेशन, लगातार खांसी, जुकाम, राइनाइटिस, साइनसाइटिस, अस्थमा या ब्रोंकियल इन्फेक्शन की शिकायत है, उनके लिए कपालभाति विशेष रूप से फायदेमंद साबित हो सकती है।

यह क्रिया फेफड़ों से पुरानी हवा और विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालती है, जिससे सांस लेने में आसानी होती है और संक्रमण का खतरा कम होता है।

जड़ी-बूटियों का संतुलित मिश्रण 'बुकनू', पाचन तंत्र के लिए वरदान से कम नहीं

कानपुर । गर्मियों में पाचन संबंधी समस्याएं आम हो जाती हैं। ऐसे में प्राकृतिक और आयुर्वेदिक उपायों की मांग बढ़ जाती है। इन्हीं में से एक लोकप्रिय और बेहद फायदेमंद मसाला है बुकनू, जो आयुर्वेद में पाचन तंत्र के लिए खास तौर पर बेहद कारगर बताया जाता है।

उत्तर प्रदेश के कानपुर समेत कई शहरों में सदियों से प्रसिद्ध यह मसाला जड़ी-बूटियों का संतुलित मिश्रण है, जो पाचन तंत्र के लिए वरदान साबित होता है। यूपी टूरिज्म डिपार्टमेंट के अनुसार, बुकनू केवल साधारण मसाला नहीं है, बल्कि आयुर्वेदिक परंपरा का एक स्वादिष्ट हिस्सा है। इसमें सोंठ, काला नमक, हींग, मेथी, अजवाइन, हल्दी, जीरा और कई अन्य दुर्लभ जड़ी-बूटियों

को सही अनुपात में मिलाया जाता है। यह मिश्रण न सिर्फ भोजन का स्वाद बढ़ाता है, बल्कि पेट को स्वस्थ रखने में भी अहम भूमिका निभाता है।

गर्मी के मौसम में भोजन के बाद एक चुटकी बुकनू लेने से पाचन संबंधी अधिकांश परेशानियां दूर रहती हैं। यह मसाला न सिर्फ स्वाद बढ़ाता है, बल्कि भोजन को पचाने में भी आसानी प्रदान करता है। यही कारण है कि कई परिवारों में बुकनू को पीढ़ी दर पीढ़ी घरेलू नुस्खे के रूप में इस्तेमाल किया जाता है। बुकनू जैसे प्राकृतिक मसालों का नियमित उपयोग न सिर्फ पाचन तंत्र को मजबूत रखता है, बल्कि स्वास्थ्य को भी बेहतर बनाता है।

कानपुर और आसपास के इलाकों में बुकनू को खासा लोकप्रियता प्राप्त है।

लोग इसे परांठे, पूरी, दाल-चावल,सलाद, चटनी या किसी भी भोजन पर हल्का-सा छिड़ककर खाते हैं। बुकनू का सबसे बड़ा फायदा यह है कि यह पाचन क्रिया को मजबूत करता है। गर्मियों में भारी भोजन के बाद होने वाली अपच, कच्ची डकार, गैस, एसिडिटी और पेट फूलने जैसी समस्याओं में यह बेहद कारगर साबित होता है।

आईपीएल 2026: जीटी ने आरसीबी को 4 विकेट से हराया

अहमदाबाद। गुजरात टाइटंस (जीटी) ने गुरुवार को नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए आईपीएल 2026 के 42वें मुकाबले मे रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को 4 विकेट से मात दी। इस मुकाबले के बाद प्वाइंट्स टेबल में किसी भी टीम की स्थिति में कोई बदलाव नहीं हुआ है। जीटी 9 में से 5 मैच जीतकर पांचवें पायदान पर है, जबकि आरसीबी 9 में से 3 मैच गंवाकर दूसरे स्थान पर है।

नरेंद्र मोदी स्टेडियम में टॉस गंवाकर बल्लेबाजी करने उतरी आरसीबी 19.2 ओवरों में 155 रन पर सिमट गई। इस टीम को जैकब बेथेल और विराट कोहली की सलामी जोड़ी ने संभली हुई शुरुआत दिलाई। दोनों खिलाड़ियों ने 2.4 ओवरों में 34 रन जोड़े।

जैकब बेथेल 5 रन बनाकर आउट हुए। अगले ही ओवर में विराट कोहली भी पवेलियन लौट गए, जिन्होंने 13 गेंदों में 1 छक्के और 5 चौकों के साथ 28 रन की पारी खेली। आरसीबी ने 3.2 ओवरों में 35 के स्कोर तक दोनों सलामी बल्लेबाजों के विकेट गंवा दिए थे। यहां से देवदत्त पड्डिकल ने कप्तान रजत पाटीदार (19) के साथ तीसरे विकेट के लिए 26 गेंदों में 44 रन की साझेदारी करते हुए टीम को संभालने की कोशिश की, लेकिन इस जोड़ी के टूटते ही विकेटों का पतझड़ लग गया। इस बीच पड्डिकल ने रोमारियो शेफर्ड के साथ सातवें विकेट के लिए 30 रन जुटाए। पड्डिकल 24 गेंदों में 2 छक्कों और 5 चौकों के साथ 40 रन बनाकर आउट हुए, जबकि शेफर्ड ने 17 रन का योगदान टीम के खाते में दिया। इसके बाद वेंकटेश अय्यर (12) ने भुवनेश्वर कुमार (नाबाद 15) के साथ 9वें विकेट के लिए 29 रन जुटाकर टीम को चुनौतीपूर्ण स्कोर तक पहुंचाया।

विपक्षी खेमे से अरशद खान ने 3.2 ओवरों में 22 रन देकर सर्वाधिक 3 विकेट हासिल किए, जबकि जेसन होल्डर और राशिद खान ने 2-2 विकेट निकाले। मोहम्मद सिराज और कगिसो रबाडा को 1-1 सफलता मिली। इसके जवाब में गुजरात टाइटंस ने 15.5 ओवरों में मुकाबला अपने नाम कर लिया। साईं सुदर्शन ने कप्तान शुभमन गिल के साथ 3 ओवरों में 42 रन की साझेदारी की। सुदर्शन 6 रन बनाकर पवेलियन लौटे, जबकि गिल ने 18 गेंदों में 43 रन बनाए। उनकी इस पारी में 3 छक्के और 4 चौके शामिल रहे। इस टीम ने 5 ओवरों में 57 के स्कोर तक सलामी जोड़ी को गंवा दिया था।

रोहित शर्मा बर्थडे: आईपीएल की सभी 10 फ्रेंचाइजियों ने 'हिटमैन' को खास अंदाज में दी जन्मदिन की बधाई

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और अपनी कप्तानी में टीम इंडिया को टी20 विश्व कप 2024 और चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का विजेता बनाने वाले रोहित शर्मा गुरुवार को अपना 39वां जन्मदिन मना रहे हैं। भारतीय क्रिकेट और आईपीएल के सबसे सफल कप्तान और बल्लेबाजों में से एक रोहित को आईपीएल की सभी 10 फ्रेंचाइजियों ने अलग-अलग अंदाज में जन्मदिन की बधाई दी है।

मुंबई इंडियंस (एमआई) ने एक्स पर लिखा, 'मुंबई के राजा और एकमात्र हिटमैन को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं।

रोहित शर्मा ने अपनी कप्तानी में मुंबई इंडियंस को पांच बार आईपीएल चैंपियन बनाया है।

कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने लिखा, 'दो आईसीसी ट्रॉफी, एक हिटमैन। जन्मदिन मुबारक हो, रोहित शर्मा।'

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने एक्स पर लिखा, 'अरे, आज है ना, हिटमैन का वो है। उस आदमी को जन्मदिन की बधाई जो बल्लेबाजी को आसान बनाता है और क्रिकेट को और मजेदार बनाता है। हिट करते रहो, रो-हिट शर्मा। राजस्थान रॉयल्स (आरआर) ने रोहित शर्मा के साथ रवींद्र जडेजा की दो तस्वीरें साझा करते हुए उन्हें जन्मदिन की बधाई दी है। गुजरात टाइटंस (जीटी) ने अपने एक्स पर दो तस्वीरें साझा करते हुए रोहित शर्मा को जन्मदिन की बधाई दी है। एक तस्वीर टी20 विश्व कप 2024 जीतने वाली है और दूसरी तस्वीर आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के बाद की है।

संदीप कुमार: रेस वॉकिंग को देश में दिलाई बड़ी पहचान

नई दिल्ली। भारतीय एथलेटिक्स में संदीप कुमार का नाम बेहद जाना पहचाना है। संदीप ने ओलंपिक में देश का प्रतिनिधित्व किया है।

संदीप कुमार का जन्म 1 मई 1986 को महेंद्रगढ़, हरियाणा में हुआ था। उनका पूरा नाम संदीप कुमार पुनिया है। वह भारतीय सेना में कार्यरत हैं। संदीप की दिलचस्पी बचपन से ही खेलकुद में रही, लेकिन उन्होंने उस खेल को चुना जिसकी लोकप्रियता देश में बहुत कम है। पैदल दौड़ (रेस वॉकिंग) के महारथी संदीप ने इस खेल में ओलंपिक में देश का प्रतिनिधित्व किया है। एक साधारण परिवार से संबंध रखने वाले संदीप का ओलंपिक तक का सफर उनकी मेहनत, अनुशासन और निरंतर प्रदर्शन का परिणाम है। पैदल दौड़ में संदीप ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई है।

रेस वॉकिंग एक कठिन और तकनीकी खेल है, जिसमें गति के साथ-साथ सही तकनीक बनाए रखना बेहद जरूरी होता है। संदीप ने इस चुनौती को स्वीकार किया और लगातार अभ्यास के जरिए अपनी तकनीक को निखारा।

राष्ट्रीय स्तर पर सफलता हासिल करने और पहचान बनाने के बाद उन्हें अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भारत का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिला। संदीप ने एशियाई खेलों, राष्ट्रमंडल खेलों और अन्य अंतरराष्ट्रीय इवेंट्स में देश का प्रतिनिधित्व किया।

संदीप को सबसे बड़ा मौका 2016 में रियो में आयोजित हुए ओलंपिक में मिला था। उन्होंने 50 किलोमीटर रेस वॉक में हिस्सा लिया था। इसके बाद उन्होंने टोक्यो ओलंपिक 2020 में 20 किलोमीटर रेस वॉक में हिस्सा लिया। हालांकि, संदीप पदक नहीं जीत सके, इस मंच पर पहुंचना ही किसी भी खिलाड़ी के लिए बड़ी उपलब्धि होती है, और उन्होंने यहां अपनी पूरी क्षमता के साथ प्रदर्शन किया।

संदीप ने 2022 कॉमनवेल्थ गेम्स में 10 किलोमीटर रेस वॉक में कांस्य पदक जीता था।

संदीप कुमार की सफलता के पीछे उनकी कड़ी ट्रेनिंग, मजबूत मानसिकता और कोचों का मार्गदर्शन है।

रेस वॉकिंग में लंबी दूरी तय करनी होती है, जिसके लिए शारीरिक फिटनेस के साथ-साथ मानसिक दृढ़ता भी आवश्यक होती है। संदीप ने इन दोनों पहलुओं पर बराबर ध्यान दिया और खुद को लगातार बेहतर बनाते रहे हैं।

रेस वॉकिंग को देश में बड़ी पहचान दिलाने में उनका बड़ा योगदान रहा है।

'हम सब फिर से बुमराह के नाम का गाना गाएंगे': पोलार्ड

मुंबई । जसप्रीत बुमराह के लिए आईपीएल 2026 बेहद निराशाजनक साबित हुआ है। उन्हें विकेट नहीं मिल रहे, साथ ही उनकी गेंदों पर रन भी बन रहे हैं। गुरुवार को मुंबई इंडियंस और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच मैच खेला गया। जसप्रीत बुमराह के रहते मुंबई इंडियंस वानखेड़े में 243 रन का बचाव नहीं कर सकी।

बुमराह ने अपने 4 ओवर के स्पेल में बिना कोई विकेट लिए 54 रन दिए। आईपीएल करियर में बुमराह का यह तीसरा सबसे महंगा स्पेल था। मुंबई की लगातार असफलता में बुमराह की असफलता भी एक कारण है। इस वजह से उनकी आलोचना हो रही है। आलोचनाओं के बीच इस सुपरस्टार गेंदबाज को अपनी टीम के बल्लेबाजी कोच कीरोन पोलार्ड का समर्थन मिला है।

बुमराह के फॉर्म से जुड़े सवालों का जवाब देते हुए पोलार्ड ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'हम बदकिस्मत हैं, आप जानते हैं, कि हम हमेशा लोगों की नजरों में रहते हैं। इसलिए जब हम बुरा करते हैं, तो उसे हमेशा हाईलाइट किया जाता है। लेकिन जब आम लोगों के पास नौकरी होती है और वे गलत ईमेल भेजते हैं, तो उनके पास शब्दों को एडिट करने और इन सब चीजों का मौका होता है। हमारे पास मौका नहीं है। इसलिए जब आप अच्छा नहीं कर रहे होते हैं, तो यह सही और ठीक है, आप कुछ चीजों को मान लेते हैं। और उस इंसान को जानने के बाद, मुझे पता है कि वह और भी ज्यादा ऊंचाइयों के साथ वापसी करेगा और विकेट लेगा।

उन्होंने कहा, 'हम सब, फिर से, 'बुमराह, बुमराह' गाने वाले हैं, न सिर्फ मुंबई इंडियंस के लिए, बल्कि इंडिया के लिए भी। तो, फिर से, उसे थोड़ी मोहलत देते हैं।

पोलार्ड ने मुंबई के प्रदर्शन पर कहा, 'प्रदर्शन उम्मीदों के अनुरूप नहीं रहा है। यह कुछ ऐसा है जिससे आप पीछे नहीं हट सकते। आप बैठकर इसकी हर छोटी-छोटी बात को समझने की कोशिश कर सकते हैं, लेकिन, फिर से, सब मिलाकर, मुझे लगता है कि हम उतने अच्छे नहीं रहे हैं। टीम ने भरोसा नहीं खोया है और बाकी टूर्नामेंट में चीजों को बदलने के लिए पक्का इरादा रखती है।

मार्टा कोस्त्युक ने करियर के दूसरे डब्ल्यूटीए 1000 के सेमीफाइनल में जगह बनाई

मैड्रिड । मार्टा कोस्त्युक ने बुधवार को चेक गणराज्य की 13वीं सीड लिंडा नोस्कोवा के खिलाफ 7-6(1), 6-0 से जीत हासिल करते हुए अपने करियर के दूसरे डब्ल्यूटीए 1000 के सेमीफाइनल में जगह बनाई।

यूक्रेनी खिलाड़ी अपने पहले डब्ल्यूटीए 1000 फाइनल में जगह बनाने के लिए लकी लूजर अनास्तासिया पोटापोवा से भिड़ेंगी। कोस्त्युक डब्ल्यूटीए टूर लेवल पर पोटापोवा के खिलाफ 2-2 से बराबर हैं, लेकिन उन्होंने अपने पिछले दो मैच सीधे सेटों में जीते हैं, जिसमें पिछले साल मैड्रिड में उनका सबसे हालिया मैच भी शामिल है। दूसरे सेमीफाइनल में मीरा एंड्रीवा और हैली बैप्टिस्ट का मुकाबला होगा।

पहले सेट में कुल मिलाकर आठ सर्व ब्रेक हुए। दोनों खिलाड़ियों को मनोलो सैंटाना स्टेडियम के ठंडे तापमान में सर्व पर संघर्ष करते देखा गया। कोस्त्युक ने ब्रेकर में शानदार खेल दिखाया और उसके बाद कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। 23 साल की कोस्त्युक ने पूरे मैच में नोस्कोवा की सर्व पर 23 ब्रेक पॉइंट के मौके बनाए, जिनमें से सात को गोल में बदला।

शुरुआती सेट के उलट, कोस्त्युक को जीरो ब्रेक पॉइंट का सामना करना पड़ा और पूरे दूसरे फ्रेम में सर्व पर सिर्फ एक पॉइंट गंवाया। कोस्त्युक ने 2018 में टूर्नामेंट में डेब्यू किया था और अपने पहले पांच मेन ड्रॉ में सिर्फ एक मैच जीता था।

इस सीजन में वह बेहतर कर रही हैं क्योंकि उन्होंने इस दो सप्ताह में अभी तक एक भी सेट नहीं गंवाया है, जिसमें उन्होंने कुछ शानदार जीत हासिल कीं। इसमें राउंड ऑफ 32 में पांचवीं सीडेड जेसिका पेगुला पर एक जीत भी शामिल है।

नोस्कोवा के खिलाफ जीत कोस्त्युक की लगातार 10वीं जीत थी, जो बिली जीन किंग कप में जीत और उसके बाद मुटुआ मैड्रिड ओपन से एक दिन पहले रूएन में टाइटल जीतने पर बनी थी। जीत के बाद मार्टा कोस्त्युक ने कहा, 'यह अविश्वसनीय लगता है। अगर किसी ने मुझे कुछ सप्ताह पहले बताया होता कि ऐसा होगा, तो शायद मुझे यकीन नहीं होता। मैं इसके लिए बहुत शुक्रगुजार हूं।

थॉमस कप क्वार्टर फाइनल में भारत का मुकाबला ताइपे से होगा

हॉर्सेंस । बीडब्ल्यूएफ थॉमस कप फाइनल में गुरुवार को खेला गया नॉकआउउट ड्रॉ होने के बाद क्वार्टर फाइनल में भारतीय पुरुष टीम का सामना चीनी ताइपे से होगा। साल 2022 के चैंपियन ग्रुप-ए में दूसरे स्थान पर रहे और अपने शुरुआती दो मुकाबलों में कनाडा और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ क्रमश: 4-1 और 5-0 से जीत हासिल करके पहले ही क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालीफाई कर चुके थे, लेकिन बुधवार को अपने आखिरी ग्रुप मैच में उन्हें चीन के हाथों 3-2 से हार का सामना करना पड़ा। चीनी ताइपे ने हार के कगार पर पहुंचने के बावजूद, किसी तरह सबसे मुश्किल रास्ते से गुजरते हुए थॉमस कप के क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह बनाई। ग्रुप-सी के आखिरी मुकाबले में मेजबान डेनमार्क को हराना जरूरी था, जिन्हें सिर्फ एक मैच जीतना था, ऐसे में चीनी ताइपे ने बुधवार को अपनी दूसरी और तीसरी सिंगल्स की ताकत पर भरोसा किया, ताकि वे आगे बढ़ सकें। डिफेंडिंग चैंपियन चीन, जो ग्रुप-ए में अजेय रहते हुए शीर्ष पर रहा, उसका मुकाबला मलेशिया से होगा। ग्रुप-बी के शीर्ष पर रहे जापान का मुकाबला फ्रांस से होगा, जिसने टूर्नामेंट से पहले के पसंदीदा और 14 बार के चैंपियन इंडोनेशिया को चौंकाने वाली हार दी थी। ग्रुप-सी में दूसरे स्थान पर रहने वाले मेजबान डेनमार्क का मुकाबला थाईलैंड से होगा।

यूईएफए चैंपियंस लीग: एटलेटिको मैड्रिड और आर्सेनल के बीच मुकाबला 1-1 से ड्रॉ रहा

मैड्रिड । यूईएफए चैंपियंस लीग 2026 के सेमीफाइनल के पहले लेग में स्पेन के मेट्रोपोलिटानो स्टेडियम में एटलेटिको मैड्रिड और आर्सेनल के बीच मुकाबला 1-1 की बराबरी पर समाप्त हुआ। फाइनल का टिकट कटाने के लिए अगले सप्ताह दोनों टीमें लंदन में एक-दूसरे के सामने होंगी।

मैच में दोनों गोल पेनल्टी से आए। आर्सेनल के लिए यह ड्रॉ थोड़ा निराशाजनक रहा, क्योंकि वीएआर के देर से हस्तक्षेप के कारण उन्हें दूसरे पेनल्टी का मौका नहीं मिल सका, जो शायद मैच का परिणाम बदल सकता था।

एटलेटिको मैड्रिड ने अपने घरेलू मैदान पर मजबूत शुरुआत की। टीम ने लेफ्ट विंग पर एडेमोला लुकमैन और गोलपोस्ट के नीचे जान ओब्लाक को उतारा, जबकि मिडफील्ड में पाब्लो बैरियोस की गैरमौजूदगी में जॉनी कार्डोसो ने जिम्मेदारी संभाली। दूसरी ओर, आर्सेनल के लिए एबेरेची एजे और बुकायो साका पूरी तरह फिट नहीं थे और उन्हें बेंच पर रखा गया।

मुकाबले की शुरुआत से ही दोनों टीमें सतर्क नजर आईं और किसी भी तरह की रक्षात्मक गलती से बचने की कोशिश करती रहीं। आर्सेनल के नोनी मादुके ने दाईं ओर से शानदार दौड़ लगाकर पहला मौका बनाया, जबकि गोलकीपर डेविड राया ने गिउलिआनो शिमोन के प्रयास को नाकाम कर दिया।

पहले हाफ के अंतिम मिनट में आर्सेनल को पेनल्टी मिली, जब विक्टर ग्योकेरेस को डेविड हैंको ने बॉक्स के अंदर धक्का दिया। ग्योकेरेस ने खुद ही पेनल्टी लेकर टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी। हालांकि, दूसरे हाफ की शुरुआत में ही एटलेटिको ने वापसी कर ली। 56वें मिनट में बेन व्हाइट के हैंडबॉल के बाद वीएआर की मदद से एटलेटिको को पेनल्टी मिली, जिसे जूलियन अल्वारेज ने गोल में बदलकर स्कोर 1-1 कर दिया।

78वें मिनट में आर्सेनल को एक और पेनल्टी मिलने की उम्मीद जगी, लेकिन वीएआर ने रेफरी के फैसले को पलट दिया। इसके बाद भी आर्सेनल ने कोशिश जारी रखी, लेकिन कोई भी टीम निर्णायक गोल नहीं कर सकी।

ईटीपीएल: जोंटी रोड्स, डु प्लेसिस और क्लासेन ने रॉटरडैम फ्रेंचाइजी खरीदी

रॉटरडैम । दक्षिण अफ्रीका के तीन पूर्व खिलाड़ियों मशहूर फील्डर जोंटी रोड्स, पूर्व कप्तान फाफ डु प्लेसिस और पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन ने मिलकर यूरोपियन टी20 प्रीमियर लीग (ईटीपीएल) की पांचवीं फ्रेंचाइजी खरीदी है। यह नीदरलैंड्स के रॉटरडैम में होने वाला यूरोप का पहला आईसीसी से अधिकृत टी20 टूर्नामेंट है।

मधुकर श्री मैनेजिंग पार्टनर के तौर पर शामिल हुए हैं। यह डेवलपमेंट एक ऐसी लीग के लिए एक मील का पत्थर है जो इस अगस्त में छह यूरोपियन शहरों में लॉन्च होने वाले सबसे रोमांचक नए क्रिकेट कॉम्पिटिशन में से एक के तौर पर तेजी से लोकप्रिय हो रही है। ईटीपीएल का आयोजन 26 अगस्त से 20 सितंबर तक 2026 तक होगा। टूर्नामेंट में ग्लासगो, एम्स्टर्डम, एडिनबर्ग, डबलिन, बेलफास्ट और रॉटरडैम के रूप में 6 टीमें हैं।

इस अवसर पर जोंटी रोड्स ने कहा, 'ईटीपीएल एक शानदार मौका देता है। हमने वैश्विक मंच पर यूरोप के क्रिकेट क्षमता की झलक पहले ही देखी है, खासकर हाल के आईसीसी इवेंट्स में। इस इलाके को अब एक मजबूत व्यापारिक रूपरेखा की जरूरत है जो इस इकोसिस्टम को एक करे और बेहतर बनाए। ईटीपीएल यही करेगी। लीग प्रतिभा को पहचानने, उन्हें निखारने और बढ़ाने के रास्ते बनाता है और पूरे यूरोप में इस खेल को मजबूत करता है। मैं इस सफर का हिस्सा बनकर बहुत उत्साहित हूं। फाफ डु प्लेसिस ने कहा, 'ईटीपीएल में एक फ्रेंचाइजी एक्वायर करने में जोंटी और क्लासी के साथ जुड़ना खास है। टीम ओनरशिप में यह मेरा पहला कदम है, और यूरोपियन क्रिकेट के असली रफ्तार पकड़ने के साथ इससे बेहतर टाइमिंग नहीं हो सकती थी। दुनिया भर में फ्रेंचाइजी लीग का अनुभव होने के बाद, मुझे ईटीपीएल में बहुत संभावना दिखती है। मैं मैदान पर और मैदान के बाहर दोनों जगह योगदान देने और हमारी टीम के अंदर एक मजबूत क्रिकेट संस्कृति बनाने में मदद करने के लिए उत्सुक हूं।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रीटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415